सूर्योदय 6.13 सूर्यास्त 6:10

आज का तापमान

शिमला	14.0 न्यू	20.1 अधि
धर्मशाला	16.2 न्यू	26.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,896
निफ्टी	23,140

सोना 1,52,000 चांदी 2,32,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 28 सितंबर 2026 | 12 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 154, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने युवक को मारा थप्पड़

एजेंसी, नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने रविवार को एक्स पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा एक लड़के को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं। आप का आरोप है कि तिलक नगर में सड़क बनाने में हुए भ्रष्टाचार को लेकर कुछ लोग उनसे सवाल कर रहे थे। इस बीच उन्होंने वहां खड़े एक युवक को थप्पड़ मार दिया। हालांकि, इसके बाद उनके गार्ड और मौजूद साथियों ने युवक को दूर हटाया। पीड़ित युवक का आरोप है कि पुलिस के सामने उसे पीटा गया। जान से मारने की धमकी दी गई। उसने पुलिस को शिकायत दी है। मंत्री को लिखित में माफी मांगनी होगी। भाजपा को भी उन्हें सस्पेंड कर देना चाहिए। विवाद के बाद प्रवेश वर्मा ने वीडियो जारी करके कहा कि जरनैल रात में बनी सड़क सुबह उखाड़ रहे हैं। उन्होंने कमीशन मांगा था, नहीं मिलने पर विवाद खड़ा कर दिया।

1 अक्तूबर से एसी, टीवी फ्रिज और वॉशिंग मशीन 8 फीसदी तक होंगे महंगे

एजेंसी, नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर अप्लायंसेज खरीदने का प्लान बना रहे ग्राहकों की जेब पर बोझ बढ़ने वाला है। 1 अक्तूबर से कंपनियां वॉशिंग मशीन और फ्रिज जैसे प्रोडक्ट्स की कीमतों में 8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने जा रही हैं। कीमतों में बढ़ोतरी की प्रमुख वजह इंटरनेशनल मार्केट में कॉपर, स्टील, एल्युमीनियम और क्रूड ऑयल से जुड़े कच्चे माल की कीमतों में आई तेजी बताई जा रही है। इसके अलावा करेंसी में उतार-चढ़ाव का असर भी कंपनियों की लागत पर पड़ा है। बढ़ती लागत को देखते हुए कंपनियों ने उत्पादों की कीमतों में इजाफा करने का फैसला लिया है। साल 2026 में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री की ओर से कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी होगी।

एनटीए कार्यालय की सुरक्षा अब सीआईएसएफ के हवाले

एजेंसी, नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक और परीक्षा में हुई प्रशासनिक लापरवाही को लेकर विवाद के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने अपना काम नए ऑफिस में ट्रांसफर कर दिया है। अब इस परिसर की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) करेगा। खासतौर पर ऑफिस के गोपनीय और संवेदनशील क्षेत्रों में आने-जाने और कामकाज पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, मिंटो रोड स्थित भारत सरकार प्रेस भवन में एनटीए को 55,000 वर्ग फुट से अधिक जगह दी गई है।

तमिलनाडु सरकार ने विरोध के बाद आरटीआई पर आदेश वापस लिया

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने रविवार को पब्लिक लॉ एंड ऑर्डर विभाग को आरटीआई से मिली छूट वापस ले ली। यह फैसला आदेश जारी होने के कुछ ही घंटों बाद लिया गया। सरकार ने पुलिस कार्रवाई, मानवाधिकार शिकायतों और राजनीतिक प्रदर्शनों से जुड़े रिकॉर्ड्स को आरटीआई से बाहर करने का आदेश दिया था। यानी सरकार ऐसे मामलों की जानकारी सार्वजनिक नहीं करने वाली थी, लेकिन इस पर सहयोगी दलों और पारदर्शिता के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया।

पीएम मोदी बोले-सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को दिखाई भारत की नीति

आतंकियों को देंगे करारा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में कहा कि भारत



आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। आतंकवादी अगर भारत की तरफ आंख उठाकर देखेंगे, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा।

मोदी ने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने वाले हैं। भारतीय सेना ने एलओसी पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। भारतीय जवानों की इस कार्रवाई को देखकर दुनिया हैरान रह गई थी। प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयरस्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने बार-बार साफ संदेश दिया है कि आतंकवाद का मजबूत और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपनी और परिवार की जानकारी खुद ऑनलाइन दर्ज करने की अपील की। मोबाइल से यह प्रक्रिया आसानी से पूरी की जा सकती है। मोदी ने बताया कि जनगणना का पहला चरण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग पूरा हो चुका है। 32 करोड़ से ज्यादा परिवारों का डेटा भी दर्ज किया जा चुका है। 'नशा मुक्त युवा अभियान' के तहत 100 शहरों में स्वास्थ्य जांच और ध्यान शिविर जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। मोदी ने कहा कि इस अभियान में युवा खुद नशे से दूर रहने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। मोदी ने असम में पिग्मी हॉग के संरक्षण कार्यक्रम का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कभी इस छोटे जीव के अस्तित्व पर खतरा था। संरक्षण कार्यक्रम के बाद अब इसकी संख्या 190 से ज्यादा हो गई है। मोदी ने कहा कि इस साल अमेरिका में हुए 9/11 आतंकी हमले को 25 साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और 2014 में न्यूयॉर्क जाकर पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने की बात भी बताई।

स्वच्छता के महत्व पर दिया जोर

पीएम मोदी ने 2 अक्तूबर को महात्मा गांधी की जयंती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने जीवन के कई मंत्र दिए, जिनमें स्वच्छता भी शामिल है। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्वच्छता से जुड़े फोटो, वीडियो और रील्स का भी जिक्र किया और कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से पूरा समाज जुड़ रहा है।

थाईलैंड में भगवान गणेश की लोकप्रियता बताई

पीएम मोदी ने कहा कि भगवान गणेश की भक्ति सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। थाईलैंड में गणेश जी की पूजा 'फ्रा फिकानेट' के रूप में की जाती है। उन्होंने बताया कि गणेश से जुड़ी परंपराओं पर शोध करने वाले श्रद्धालुओं के प्रयासों से वहां अष्टविनायक यात्रा भी लोकप्रिय हुई है।

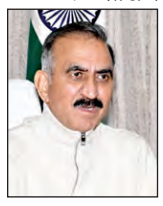
सोनाई रूपाई में फिर लौटे हाथी

असम के सोनाई रूपाई वन्यजीव अभयारण्य का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यहां कभी हाथी रहते थे, लेकिन जंगल की जमीन पर इंसानी दखल बढ़ने से वे दूर चले गए थे। करीब तीन साल पहले अतिक्रमण हटाए जाने के बाद हाथी फिर इस इलाके में लौट आए हैं और अब उनके झुंड दिखाई दे रहे हैं।

हिमाचल में सैनिक कल्याण पर 17.09 करोड़ रुपए खर्च, 2,263 लाभार्थियों को मिली सहायता

◆ सीएम सुक्खू ने कहा- सैनिकों के परिवारों के हितों की रक्षा को सरकार प्रतिबद्ध

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं, रक्षा कर्मियों और उनके आश्रित परिवारों की सहायता के लिए 17.09 करोड़ रुपए खर्च किए।



इस दौरान 2,263 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता और अनुदान दिए गए। यह जानकारी रविवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने दी। प्रवक्ता के अनुसार पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को वृद्धावस्था पेंशन के रूप में 6.13 करोड़ रुपए दिए गए। इससे 968 लाभार्थी लाभान्वित हुए। वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों को 3 करोड़ रुपए की सहायता दी गई। इसके अलावा ड्यूटी के दौरान मारे गए या दिव्यांग हुए रक्षा कर्मियों के 57 आश्रितों को 7.62 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई। युद्ध जागीर के 154 लाभार्थियों को 20.83 लाख रुपए दिए गए। पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्रों पुणे और मोहाली के लिए 6 लाख रुपए की सहायता भी दी गई। सेवा के दौरान किसी सैनिक की मृत्यु होने पर उसके निकटतम परिजन को तत्काल 75 हजार की सहायता देने का प्रावधान भी है। युवाओं को सेना में भर्ती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कांगड़ा, हमीरपुर, मंडी और शिमला में आयोजित भर्ती रैलियों के लिए 2.28 करोड़ मंजूर किए गए। मंडी के बरचवार स्थित मेजर सोमनाथ शर्मा प्रशिक्षण अकादमी के लिए 10.26 करोड़ दिए गए। वहीं, सीएम सुक्खू ने कहा कि सशस्त्र सेनाओं के जवान देश और राज्य की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

रविवार को खुले रहे बैंक, अब तीन दिन रहेंगे बंद

एजेंसी, नई दिल्ली। रविवार की छुट्टी होने के बावजूद भी सरकारी बैंक खुले रही। वहीं, आज से बुधवार तक बैंक बंद रहेंगे। बैंक कर्मचारी हफ्ते में 2 दिन छुट्टी की मांग को लेकर अगले 3 दिन हड़ताल करेंगे। रविवार को आम लोगों के लिए बैंक खुलने का मौका 10 साल आया। इससे पहले, 2016 में नोटबंदी के बाद 14 नवंबर को रविवार के दिन बैंक खुले थे, तब पुराने 500 और 1000 के नोट बदलने, जमा करने और कैश निकालने के लिए लोग बैंकों में लाइन में लगे थे। भीड़ संभालने के लिए सरकार ने रविवार को भी बैंक खोलने का फैसला लिया था। बैंक हड़ताल के दौरान एसबीआई और पीएनबी सहित सभी सरकारी बैंकों के एटीएम से मंथली फ्री लिमिट खत्म होने के बाद भी कैश निकालने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा। आरबीआई के नियमों के मुताबिक, अभी अपने बैंक के एटीएम से हर महीने 5 बार फ्री में कैश निकाल सकते हैं।

आतंकवाद को पनाह दी तो बातचीत की गुंजाइश खत्म : राजनाथ सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान को लेकर सख्त बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर पड़ोसी देश आतंकवाद को अपनी राज्य नीति के तौर पर जारी रखता है, तो भारत उससे बातचीत जारी नहीं रख सकता। देश आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। राजनाथ ने दिल्ली में आयोजित एनडीटीवी डिफेंस समिट में कहा कि भारत शांति चाहता है और किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा करने की इच्छा नहीं रखता, लेकिन शांति और कायरता में फर्क है। भारत अपनी सुरक्षा से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं करेगा।



भारत को मिली पहली एलएनजी ट्रेन

अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी, गुजरात में 1,542 करोड़ की रेल परियोजनाएं शुरू

एजेंसी, अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में 1,542 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने भारत की पहली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

इस दौरान उन्होंने कहा कि 2015-16 में रेलवे ने 293 करोड़ लीटर डीजल की खपत की। यह आंकड़ा 2024-25 में घटकर 108 करोड़ लीटर रह गया है और 2030 तक हम इसे शून्य तक ले आएंगे, जिससे भारतीय मुद्रा की बचत होगी। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिस पर अक्सर ध्यान नहीं जाता। उन्होंने आगे कहा कि यह ट्रेन पर्यावरण संबंधी चिंताओं का समाधान करती है, यात्रियों की सुविधा बढ़ाती है और सुरक्षा को



◆ टैंक फुल होने पर 2200 किमी चलेगी, एलएनजी व डीजल के बीच स्विच कर सकेगा इंजन

मजबूत करती है। यह ट्रेन पूरी तरह से एलएनजी बेस्ड होगी। हालांकि, इसका इंजन एलएनजी और डीजल दोनों पर चल सकता है। यानी कि फ्यूल की मात्रा के हिसाब से इंजन एलएनजी और डीजल के बीच स्विच कर सकता है। ट्रेन की खास बात यह है कि यह एक बार पूरी तरह से भरे टैंक में 2200 किलोमीटर तक की लंबी दूरी तय कर सकती है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 1400 एचपी क्षमता वाले दो ड्राइविंग पावर कार (डीपीसी) को एलएनजी ड्यूल-फ्यूल प्रणाली में ट्रांसफॉर्म किया गया है।

ट्रेन का 2,000 किलोमीटर से अधिक का सफल फील्ड ट्रायल पूरा किया जा चुका है। गुजरात के मेहसाणा और साबरमती के बीच करीब 8 महीनों तक ट्रेन का ट्रायल हुआ। आने वाले समय में 8 से 10 और ट्रेनों में एलएनजी तकनीक को अपनाने की योजना है।

असम में कॉकरोच पार्टी के आशुतोष रांका हिरासत में

एजेंसी, गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और उनकी टीम के कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रविवार को हिरासत में लिया। ये लोग सीजेपी की वॉलंटियर्स मीटिंग में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस सभी को गुवाहाटी स्थित काहिलीपारा जेल लेकर गई है। हिरासत में लिए जाने के दौरान रांका ने कहा- सीएम हिमंता को डर है कि अगर सीजेपी असम के स्कूलों में गई तो पूरे देश को सच पता चल जाएगा। सीजेपी ने दावा किया कि बैठक वाली जगह के पास आंसू गैस के उपकरण तैनात किए गए थे और हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं से वकीलों को मिलने नहीं दिया गया। संगठन ने कहा कि वह हिरासत में लिए गए वॉलंटियर्स की संख्या और उनके ठिकाने की पुष्टि नहीं कर सका।

वसुधैव कुटुंबकम भूल जाइए, अब परिवार एक रखना बना चुनौती : जस्टिस अंजारिया

◆ परिवार के विवादों में थोपा फैसला न्याय नहीं लगता मध्यस्थता सबसे बेहतर

एजेंसी, गुवाहाटी। सुप्रीम कोर्ट के जज एनवी अंजारिया ने परिवार के विवादों पर अहम बात कही। गुवाहाटी में रविवार को कहा कि कोर्ट से मिले समाधान अक्सर आर्टिफिशियल हो जाते हैं।

जस्टिस अंजारिया ने कहा कि कई पक्षों को लगता है कि उन पर न्याय थोपा गया है। ऐसा न्याय उनके लिए भ्रम जैसा होता है और अन्याय का रूप ले सकता है। उन्होंने फैमिली विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता को सबसे सही बताया।



उन्होंने कहा कि ये इंसानी भावनाओं और संवेदनशीलता से जुड़े विवाद होते हैं। जस्टिस अंजारिया गुवाहाटी में आयोजित 'फैमिली विवादों में एडीआर बनाम न्यायिक फैसला चुनौतियां और आगे का रास्ता' विषय पर ईस्टर्न जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस में मुख्य वक्ता के तौर पर बोल रहे थे। फैमिली मुकदमों में बढ़ोतरी के संदर्भ में जस्टिस अंजारिया ने कहा, 'भारत के संस्कार और 'वसुधैव कुटुंबकम' को भूलिए। अब हम एक परिवार को भी एकजुट रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।' फैमिली विवाद इंसानी भावनाओं और संवेदनशीलता से जुड़े होते हैं, ऐसे विवादों में कोर्ट या जजों के बनाए गए कानूनों से निकले समाधान कई बार आर्टिफिशियल हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि फैमिली विवादों की बढ़ती संख्या का मुद्दा जस्टिस कुरियन जोसेफ ने 2008 में ही उठाया था।

राहुल गांधी पहले उत्तराखंड के तथ्य जानें : सीएम धामी

कहा- हार के लिए ईवीएम-संस्थाओं को दोष देना कांग्रेस की आदत

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड में कांग्रेस और राहुल गांधी के बयानों को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को तीखा पलटवार किया।

धामी ने राहुल गांधी पर नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर रहते हुए अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को आगे भी अपनी हार का एहसास होता रहेगा। हार का ठीकरा कभी ईवीएम, तो कभी संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ना कांग्रेस की आदत बन गई है। जनता का विश्वास खो चुकी कांग्रेस को अब हार के लिए कोई नया बहाना तलाशना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को उत्तराखंड पर बयान देने से पहले प्रदेश के तथ्यों की जानकारी लेनी चाहिए। उन्होंने नकल विरोधी कार्रवाई और सरकारी भर्तियों को लेकर राहुल गांधी के दावे को गलत बताया।

धामी के मुताबिक, उत्तराखंड में नकल माफिया के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 100 से अधिक आरोपियों पर कार्रवाई की गई है और 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने कहा कि झूठे दावों से उत्तराखंड की सच्चाई नहीं बदलेगी। धामी ने कांग्रेस पर हल्द्वानी की घटना को जातीय रंग देकर समाज को बांटने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे में जाति तलाशना कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा बनता जा रहा है।

उत्तराखंड की पहचान सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और आपसी सद्भाव की रही है। ऐसे में किसी घटना को जातीय नजरिए से देखने और समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश स्वीकार नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देश की सेवा करने वाले लोगों को लेकर कांग्रेस नेताओं की भाषा बार-बार सवाल खड़े करती है।

कांग्रेस के शासन की पहचान घोटालों से ज्यादा जुड़ी



मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के पुराने शासनकाल को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी भी जान रही है कि कांग्रेस के शासनकाल की पहचान विकास से ज्यादा घोटालों और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी रही। वक्त और सरकारें बदल गईं, लेकिन कांग्रेस के पुराने कारनामे आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं।

दक्षिण अफ्रीका में दो जगह गोलीबारी 27 लोगों की मौत

एजेंसी, जोहान्सबर्ग। अंधाधुंध गोलीबारी के चलते दक्षिण अफ्रीका में 27 लोगों की मौत हो गई। एक घटना जोहान्सबर्ग में हुई, जिसमें 17 लोगों की मौत हुई। वहीं दूसरी घटना केपटाउन में हुई जिसमें 10 लोग मारे गए। पुलिस के अनुसार जोहान्सबर्ग के गौतेंग में वेडेला टाउनशिप में शनिवार रात करीब 9:30 बजे गोलीबारी हुई। वहीं केपटाउन के ल्वांडले इलाके में रविवार सुबह गोलीबारी हुई। जोहान्सबर्ग में गोलीबारी से पहले लोग बार में पार्टी कर रहे थे। हमलावर एके-47 लेकर आए और फायरिंग कर दी। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। न्यूज वेबसाइट दि साउथ अफ्रीका के मुताबिक 27 सितंबर 2025 से 26 सितंबर 2026 तक 21 मास शूटिंग घटनाएं दर्ज हैं, जिनमें कुल 140 से ज्यादा लोगों की मौत हुई।

कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों द्वारा एसआईआर पर हायतौबा मचाना दुर्भाग्यपूर्ण : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में आयोजित पत्रकारवार्ता में कहा कि लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने एसआईआर को लेकर विपक्ष पर लगातार भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्तों ने एक साथ स्थिति स्पष्ट की है, लेकिन कांग्रेस व अन्य दलों द्वारा बाल की खाल निकालकर भारत की संवैधानिक प्रक्रिया को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इसके लिए इन्हें माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आरजेडी द्वारा एसआईआर पर हाय तौबा मचाया गया है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पहली बार एसआईआर नहीं हुआ है। इस देश के अंदर अलग-अलग



◆ कहा- एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं, विपक्ष बेवजह कर रहा विरोध

समय में और ज्यादातर समय में कांग्रेस नेतृत्व की सरकार देश के अंदर रही है। इससे पहले 1952, 1957, 1961, 1966 और 2003 में भी एसआईआर हुआ है। उस सब के बावजूद इस बार की कार्रवाई को लेकर के जिस प्रकार हायतौबा सबसे बड़ी पार्टी और अन्य दलों ने मचाई है, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कांग्रेस पार्टी, जिसने देश के अंदर सब से अधिक समय तक शासन किया और लगातार चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा कर रही है। हर व्यक्ति जानता है कि कांग्रेस हो या अन्य विपक्षी दल जीत जाएं तो सब ठीक है। अगर जनता जनार्दन इन्हें खारिज करती है तो इसके लिए आयोग को जिम्मेदार ठहराते हैं।

इन दलों को स्वयं इसका चिंतन करना चाहिए, आत्मावलोकन करना चाहिए। लगातार उनके द्वारा भारत की हर संवैधानिक संस्था को, हर वैधानिक संस्था को कटघरे में खड़ा करने के प्रयास होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों द्वारा हर संवैधानिक संस्था को लगातार कटघरे में खड़ा किया जाता है। यह लोग चुनाव आयोग पर लगातार हमलावर हैं। 2019 में कैग ने राफेल के मुद्दे पर अपना आब्जर्वेशन दिया था, इस पर भी कांग्रेस ने सवाल खड़े किए थे।

चुनाव आयोग को लेकर राहुल गांधी व विपक्षी नेताओं की गतिविधियां देशद्रोह से कम नहीं : मुख्यमंत्री रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों और नेताओं की जिम्मेदारी है।

उन्होंने विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं की बातें देशद्रोह से कम नहीं है। इनके ऊपर देशद्रोह का केस लगना चाहिए। मुख्यमंत्री ने रविवार को जनसेवा सदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में विपक्षी नेताओं के लगाए जा रहे अनर्गल आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस पारदर्शिता के साथ चुनाव आयोग अपनी प्रक्रिया और निर्णयों को जनता के सामने रख रहा है, क्या विपक्ष के शासनकाल में चुनाव आयोग इसी प्रकार पारदर्शी तरीके



◆ जनता का चुनावी प्रक्रिया पर विश्वास बनाए रखना सभी दलों की जिम्मेदारी

से काम करता था? उन्होंने कहा कि मात्र एक अखबार में प्रकाशित खबर के आधार पर बेबुनियाद माहौल पैदा करना क्या विपक्ष को शोभा देता है? चुनाव आयोग ने एक-एक विषय को पूरी पारदर्शिता के साथ जनता के सामने रखा और स्पष्ट किया है कि निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार सभी को है, लेकिन सवाल तथ्यों के आधार पर होने चाहिए। केवल राजनीतिक आरोप लगाकर किसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री ने फॉर्म-6 को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्म-6 को लेकर चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मूल फॉर्म में बदलाव नहीं किया गया है। एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित घोषणा को अलग से जोड़ा गया है। चुनाव आयोग के नागरिक सेवा पोर्टल पर वर्तमान में भी नए मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 और उससे संबंधित घोषणा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चुनावी प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और सुलभ बनाया जा रहा है।

संबोधन मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद में नमो मैराथन को दिखाई हरी झंडी, प्रतिभागियों पर बरसाए फूल

पसीना, पदक और पराक्रम हरियाणा की पहचान: नायब सैनी

एजेंसी, फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि नमो मैराथन में फरीदाबाद की धरती से नशे के खिलाफ आज हरियाणा की बुलंद आवाज उठी है।

उन्होंने कहा कि मैराथन में आगे बढ़ रहे ये कदम केवल सड़क पर दौड़ नहीं रहे, बल्कि नशे के खिलाफ प्रदेश की सामूहिक चेतना और संकल्प को आगे ले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सैनी रविवार को सूरजकुंड की ऐतिहासिक धरती से 'नशा-मुक्त हरियाणा फरीदाबाद नमो मैराथन-2026' को हरी झंडी दिखाने के उपरांत उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मैराथन में शामिल प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान पसीना, पदक और पराक्रम



है। हरियाणा का युवा नशे से नहीं, बल्कि मेहनत, प्रतिभा और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण से पहचाना जाता है। उन्होंने युवाओं से नशे को दृढ़ता से 'ना' कहने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा शरीर को कमजोर करने के साथ-साथ सपनों को छीनता है, परिवार को प्रभावित करता है और समाज को खोखला करता है।

उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को नशे में नहीं, बल्कि खेल, शिक्षा, कौशल, रोजगार, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया।

फरीदाबाद में आयोजित इस भव्य मैराथन में 1 लाख 35 हजार से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया और लगभग सभी पंजीकृत प्रतिभागियों ने लगभग पूर्ण सहभागिता से मैराथन में भाग लिया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने सूरजकुंड को नशामुक्ति के सामूहिक संकल्प की विराट तस्वीर में बदल दिया। सुबह से ही आयोजन स्थल पर युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। यह आयोजन केवल एक दौड़ तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नशामुक्ति, फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली, युवा शक्ति, सामाजिक एकजुटता और राष्ट्र निर्माण का व्यापक जनसंदेश बनकर सामने आया।

21.1 किलोमीटर पुरुष वर्ग में प्रशांत चौधरी विजेता

'नशा-मुक्त हरियाणा फरीदाबाद नमो मैराथन-2026' की विभिन्न स्पर्धाओं में प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 21.1 किलोमीटर पुरुष वर्ग में प्रशांत चौधरी विजेता, विक्रम सिंह प्रथम रनर-अप तथा अनुज मीणा ने द्वितीय रनर-अप स्थान हासिल किया। वहीं, 21.1 किलोमीटर महिला वर्ग में सोनिका विजेता रहीं, जबकि मानव राणा ने प्रथम रनर-अप और भूमिका ने द्वितीय रनर-अप स्थान प्राप्त किया। 10 किलोमीटर पुरुष वर्ग में रोहित कुमार विजेता, गौरव प्रथम रनर-अप तथा निशांत करहाना द्वितीय रनर-अप रहे। इसी प्रकार 10 किलोमीटर महिला वर्ग में नीरू रानी ने प्रथम स्थान, सोनिया उपाध्याय ने प्रथम रनर-अप तथा रीमा पटेल ने द्वितीय रनर-अप स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, प्रदेश के राजस्व मंत्री विपुल गोयल, खाद्य एवं पूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर, खेल मंत्री गौरव गौतम, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनैतिक सचिव एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अजय गौड़, मुख्यमंत्री के मीडिया एडवाइजर राजीव जेटली सहित विधायकगण व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सड़क से सदन तक मंत्री बनाने के दावे, तो आलाकमान के सामने खामोश क्यों हैं मुख्यमंत्री : जयराम ठाकुर

जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री पर विधायकों को आश्वासन देकर साथ रखने का लगाया आरोप

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री विधानसभा से लेकर जनसभाओं तक अपने विधायकों को मंत्री बनाने की बातें करते रहे हैं, लेकिन पार्टी आलाकमान के स्तर पर इस संबंध में कोई ठोस पहल नहीं हुई। जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल के हालिया बयान से भी यह स्थिति सामने आई है कि मुख्यमंत्री की ओर से मंत्रिमंडल विस्तार का कोई औपचारिक प्रस्ताव अभी तक नहीं भेजा गया है।



जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने करीब एक वर्ष पहले विधानसभा में एक विधायक को मंत्री बनाने की बात कही थी। इसके बाद जनसभा में भी इस तरह की घोषणा की गई, लेकिन अभी तक उस पर अमल नहीं हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मुख्यमंत्री मंत्री बनाने को लेकर गंभीर हैं तो पार्टी आलाकमान के समक्ष प्रस्ताव कब रखा जाएगा।

◆मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भाजपा नेता ने सरकार की कार्यशैली पर उठाए सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री विधायकों को मंत्री पद का भरोसा देकर अपने साथ बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी विधायक को मंत्री बनाने का आश्वासन दिया जा रहा है तो किसी को अन्य तरीके से अपने साथ जोड़े रखने की कोशिश की जा रही है। जयराम ठाकुर ने इसे मुख्यमंत्री की राजनीतिक रणनीति बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अपने समर्थक विधायकों का गुट मजबूत करना है।

उन्होंने एक विधायक का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के विभिन्न कार्यक्रमों में उक्त विधायक लगातार उनके साथ दिखाई देते हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि विधानसभा में मंत्री बनाने की घोषणा के बावजूद अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। उन्होंने सवाल किया कि यदि सरकार के कार्यकाल का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है तो मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर औपचारिक प्रक्रिया में देरी क्यों हो रही है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री एक ओर मंत्रिमंडल विस्तार की बात कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी के अनुसार अभी तक इस संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। इससे मुख्यमंत्री और पार्टी संगठन के बयानों में अंतर दिखाई देता है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 25 सितंबर को सोलन में कहा था कि प्रदेश में 11 दिसंबर से पहले मंत्रिमंडल विस्तार किया जाएगा। उन्होंने एक मंत्री और उपाध्यक्ष पद खाली होने का भी उल्लेख किया था।

जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार को मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और जिन विधायकों को मंत्री बनाने की बात कही गई है, उनके संबंध में निर्णय सार्वजनिक करना चाहिए।

कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने का लगाया आरोप

चुनाव आयोग के रुख से कांग्रेस के आरोप बेनकाब- बिंदल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने चुनाव आयोग के हालिया स्पष्टीकरण के बाद कांग्रेस के आरोपों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित आयोग से जुड़े निर्णय पूर्ण आयोग के स्तर पर लिए गए और अंतिम निर्णय सर्वसम्मति से हुए। आयोग ने यह भी कहा है कि विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग टिप्पणियां निर्णय प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा हैं।



भाजपा अध्यक्ष ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाते हुए साधा निशाना

डॉ. बिंदल ने कहा कि चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण के बाद कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों की वास्तविकता सामने आ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर अपनी राजनीतिक असफलताओं से ध्यान हटाने का प्रयास करती रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं पर बार-बार सवाल उठाने के बजाय राजनीतिक दलों को अपने संगठन और चुनावी प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, कभी मतदाता सूची और कभी एसआईआर को लेकर सवाल उठाती रही है। बिंदल के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस नेतृत्व इसी मुद्दे को लेकर विरोध कर रहा है। हाल में प्रदेश कांग्रेस ने शिमला में चुनाव विभाग के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग ने 26 सितंबर को एसआईआर और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विषयों पर अपना पक्ष स्पष्ट किया है। आयोग के अनुसार हाल के निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। हालांकि, विपक्षी दलों की ओर से आयोग के स्पष्टीकरण पर सवाल उठाए गए हैं और आयोग के भीतर दर्ज टिप्पणियों को लेकर बहस जारी है। भारतीय एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले महीनों में कई मौकों पर कुछ कदमों पर अपनी आपत्तियां दर्ज की थीं; आयोग ने इन टिप्पणियों को विचार-विमर्श की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताया है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि लोकतंत्र में संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और राजनीतिक दलों को संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते समय तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने हिमाचल कांग्रेस से भी एसआईआर, मतदाता सूची और चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों या राजनीतिक परिस्थितियों के लिए ईवीएम, मतदाता सूची और चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराने के बजाय कांग्रेस को अपनी राजनीतिक रणनीति और संगठनात्मक स्थिति पर विचार करना चाहिए। बिंदल ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को लेकर होने वाली बहस तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में सुरक्षित और आधुनिक सड़क नेटवर्क को मिल रहा विस्तार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हिमाचल की सड़क संरचना को मजबूत और सुरक्षित बनाने के लिए समग्र योजना पर काम कर रही है। सरकार का जोर सड़क सुरक्षा, आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण रखरखाव, जल निकासी और सड़क परिसंपत्तियों के संरक्षण पर है। इसका उद्देश्य दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण मौसम के बीच सुरक्षित एवं भरोसेमंद सड़क नेटवर्क तैयार करना है।

प्रदेश में सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं हैं, बल्कि गांवों और समुदायों को बाजार, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षण संस्थानों और अन्य आवश्यक सुविधाओं से जोड़ने में अहम भूमिका निभाती हैं। कृषि, बागवानी, उद्योग और वानिकी गतिविधियों के लिए भी सड़क संपर्क महत्वपूर्ण है। 31 अगस्त 2026 तक प्रदेश में 41,903 किलोमीटर मोटर योग्य सड़कें हैं, जो 15,608 गांवों को सड़क सुविधा उपलब्ध करा रही हैं।

सड़कों की दीर्घकालिक मजबूती के लिए सरकार ने फरवरी 2026 में सड़क जल निकासी नीति स्वीकृत की है। पहाड़ी क्षेत्रों में पानी को सड़क क्षति का प्रमुख कारण मानते हुए जल निकासी व्यवस्था को सड़क योजना और डिजाइन का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। वर्षा की तीव्रता और जलग्रहण क्षेत्रों की परिस्थितियों के आधार पर जल निकासी संरचनाओं की योजना बनाई जा रही है। भूस्खलन और पानी के रिसाव वाले संवेदनशील क्षेत्रों में भी निवारक उपाय किए जा रहे हैं।

अंतिम छोर तक सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के लिए जीप योग्य और एंबुलेंस संपर्क सड़कों के लिए दिशा-निर्देश अधिसूचित किए गए हैं। इनमें सड़क की चौड़ाई, सतह, जल निकासी, सुरक्षा दीवार, ढलान संरक्षण और सड़क सुरक्षा जैसे मानकों को शामिल किया गया है।

सड़क परिसंपत्तियों के संरक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश सड़क बुनियादी ढांचा संरक्षण संशोधन विधेयक, 2026

◆जल निकासी, सड़क सुरक्षा और डिजिटल निगरानी से बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर

में डिजिटल और भू-समन्वित मानचित्रण, त्वरित कार्रवाई तथा क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की शीघ्र बहाली का प्रावधान किया गया है।

दैनिक सड़क प्रबंधन में भी आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। केंद्रीकृत सड़क स्थिति सूचना प्रणाली विकसित करने की योजना है, जिसके माध्यम से मानसून और आपदा के दौरान बंद सड़कों, बहाली और संपर्क की स्थिति की जानकारी उपलब्ध होगी। कार्य एवं लेखा प्रबंधन सूचना प्रणाली को भी चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा के लिए जुलाई 2026 में स्वीकृत सड़क सुरक्षा ऑडिट नीति के तहत परियोजनाओं के विभिन्न चरणों में सुरक्षा जांच का प्रावधान किया गया है।

नई अलाइनमेंट पर हाई कोर्ट ने बंद की शिमला-मटौर फोरलेन याचिका



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने शिमला-मटौर फोरलेन परियोजना के अलाइनमेंट में बदलाव से जुड़े स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई पूरी करते हुए जनहित याचिका को बंद कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन सी नेगी की खंडपीठ ने कहा कि विशेषज्ञों और संबंधित हितधारकों के विचार-विमर्श के बाद लिए गए नीतिगत फैसलों में अदालत सामान्यत: हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

हाई कोर्ट ने एक अक्टूबर 2024 को शिमला से नौणी चौक तक फोरलेन के अलाइनमेंट में बदलाव को लेकर स्वत: संज्ञान लिया था। मामले में यह आशंका जताई गई थी कि कुछ लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मार्ग में बदलाव किया गया है।

सुनवाई के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने अदालत को बताया कि शिमला-नौणी चौक खंड को शिमला-शालाघाट और शालाघाट-नौणी चौक दो पैकेज में विभाजित किया गया है। एनएचएआइ के अनुसार, वर्ष 2022 में हुई उच्चस्तरीय बैठकों और विचार-विमर्श के बाद नई अलाइनमेंट को मंजूरी दी गई थी।

द ग्रेट खली ने राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता से की शिष्टाचार भेंट

भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। 'द ग्रेट खली' के नाम से प्रसिद्ध पहलवान एवं डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर दलीप सिंह राणा ने लोक भवन में राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने दलीप सिंह राणा को सम्मानित किया और हिमाचल प्रदेश से अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के मंच तक उनकी उल्लेखनीय यात्रा की सराहना की।



राज्यपाल ने कहा कि दलीप सिंह राणा की उपलब्धियों ने हिमाचल प्रदेश के साथ देश को भी वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। उनके संघर्ष, अनुशासन और सफलता की यात्रा युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

भेंट के दौरान हिमाचल प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने, युवा सशक्तीकरण और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। दलीप सिंह राणा ने पेशेवर कुश्ती में अपने अनुभव और सफर को साझा किया। उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी।

राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के युवाओं में खेल प्रतिभा और उत्साह की कोई कमी नहीं है। उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए अधिक अवसर, उचित मार्गदर्शन और बेहतर मंच उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है।

होटल निर्माण स्थल से तार चोरी का पर्दाफाश, तीन आरोपी किए गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पुलिस थाना सदर शिमला में निर्माणाधीन होटल से कॉपर वायर और अन्य वायरिंग तार चोरी होने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने 25 सितंबर को होटल के स्टोर से कॉपर वायर और अन्य तारें चोरी होने की सूचना दी थी। शिकायत के आधार पर अभियोग संख्या 128/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में तीन संदिग्ध व्यक्ति पीठ पर कट्टे लेकर घटनास्थल के आसपास दिखाई दिए। स्थानीय जानकारी और खुफिया सूत्रों के आधार पर पुलिस ने तीनों संदिग्धों को डाउनडेल, फागली से तलाश कर पूछताछ के लिए थाना सदर लाया। पूछताछ में उनकी पहचान अजय साहनी उर्फ ललटू, निवासी दरभंगा, बिहार, हाल निवासी डाउनडेल फागली, शिमला, संजय, निवासी मुजफ्फरपुर, बिहार, हाल निवासी डाउनडेल फागली और सैंटी, निवासी दरभंगा, बिहार, हाल निवासी डाउनडेल फागली के रूप में हुई।

हिमाचली व्यंजनों को नई पहचान दिलाने पर जोर

स्थानीय व्यंजनों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए नवाचार और गुणवत्ता जरूरी - उपायुक्त

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर आईएचएम शिमला (कुफरी) में हिम आंचल शेफ एसोसिएशन की ओर से हिमाचल कुलिनरी एंड टूरिज्म फेस्टिवल आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने हिमाचल के पारंपरिक एवं स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रतिभागियों से संवाद किया।

उपायुक्त ने कहा कि पारंपरिक खान-पान प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। ऐसे आयोजनों से स्थानीय संस्कृति और व्यंजनों को नई पहचान मिलने के साथ युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हिमाचल की महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं और पारंपरिक व्यंजनों को व्यवसाय के रूप में अपनाकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रही हैं।



उन्होंने कहा कि हिमाचली पारंपरिक व्यंजनों को केवल उत्सवों तक सीमित रखने के बजाय व्यवसाय और रोजगार से जोड़ने की आवश्यकता है। स्थानीय व्यंजनों की लोकप्रियता बढ़ाने के साथ उनके मूल स्वरूप और प्रामाणिकता को बनाए रखना भी जरूरी है। बाजार में किसी उत्पाद को उतारने से पहले स्वाद, गुणवत्ता, स्वच्छता, प्रस्तुति, तापमान, समय प्रबंधन और उत्पादन प्रक्रिया का पर्याप्त परीक्षण होना चाहिए।

उपायुक्त ने युवा उद्यमियों से सामूहिक प्रयासों के माध्यम से स्थानीय भोजन और संस्कृति को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पारंपरिक व्यंजनों को नए अंदाज में प्रस्तुत करने की सराहना की।

उन्होंने कहा कि खाद्य क्षेत्र में गुणवत्ता, स्वच्छता और नैतिक मानकों से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उपभोक्ता का विश्वास किसी भी खाद्य व्यवसाय की सबसे बड़ी पूंजी है। उत्पाद को बाजार में उतारने से पहले बार-बार परीक्षण और उपभोक्ताओं से प्रतिक्रिया लेना आवश्यक है। उन्होंने आधुनिक उपकरणों और बेहतर आधारभूत ढांचे में निवेश पर भी जोर दिया। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण एवं खाद्य उद्योग से संबंधित सरकारी योजनाओं के तहत उपलब्ध ऋण और अनुदान का लाभ उठाने का आह्वान किया।

◆पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के स्थानीय पकवान रहे आकर्षण का केंद्र।

अनिरुद्ध सिंह आज चायल-कोटी में जूडो चैंपियनशिप का करेंगे शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह आज राजकीय डिग्री कॉलेज चायल-कोटी में आयोजित होने वाली हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप-2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री दोपहर 12 बजे महाविद्यालय परिसर पहुंचेंगे।

इस दौरान मंत्री प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ियों से संवाद करेंगे और उनका उत्साहवर्धन करेंगे। वह प्रतियोगिता के आयोजन से संबंधित गतिविधियों में भी शामिल होंगे। अंतर-महाविद्यालय जूडो चैंपियनशिप में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

मंत्री अनिरुद्ध सिंह की मौजूदगी से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ी जूडो में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रतियोगिता को लेकर आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

◆मंत्री प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन करेंगे

कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना, उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सुविधाएं रोहडू अस्पताल में 23 करोड़ से क्रिटिकल केयर ब्लॉक, जल्द लगेगी 16-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन

रोहडू अस्पताल में बढ़ीं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नागरिक अस्पताल रोहडू दूरदराज क्षेत्रों के लोगों के लिए आधुनिक एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं के साथ सीटी स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, ब्लड बैंक, डायलिसिस सहित कई सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे रोहडू, जुब्बल, कोटखाई, चौपाल और डोडरा-क्वार के साथ पड़ोसी उत्तराखंड के लोगों को भी स्थानीय स्तर पर उपचार मिल रहा है।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. रविंद्र शर्मा ने बताया कि अस्पताल करीब तीन लाख की आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। यहां प्रतिदिन औसतन 800 से 1000 मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं, जबकि 120 से 130 मरीजों को इनडोर उपचार मिलता है। हर माह करीब 100 से 120 बड़ी एवं छोटी सर्जरी और 110 से 115 प्रसव करवाए जा रहे हैं। अस्पताल में वर्तमान में 22 चिकित्सक और 24 स्टाफ नर्स कार्यरत हैं।



अस्पताल में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे मशीनों की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। करीब छह लाख रुपये की लागत से स्थापित पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन से जांच शुरू हो चुकी है। वहीं 28 लाख रुपये की पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से जल्द जांच शुरू होने की संभावना है। इन सुविधाओं से विशेषकर आपातकालीन और दुर्घटना के मामलों में मरीजों को त्वरित जांच का लाभ मिलेगा।

अस्पताल में हंस फाउंडेशन के सहयोग से छह बेड का डायलिसिस सेंटर भी संचालित है, जहां मरीजों को नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा मिल रही है। केंद्र में प्रतिदिन करीब 12 मरीजों का डायलिसिस किया जाता है। इसके अलावा चार बेड की डे-केयर कैंसर यूनिट स्थापित की जा रही है, जबकि वर्तमान में भी कैंसर मरीजों को कीमोथेरेपी की सुविधा मिल रही है।

रोहित ठाकुर 28 को नेरवा, 30 सितंबर को तकलेच में खिलाड़ियों का बढ़ाएंगे हौसला

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर 28 सितंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नेरवा में आयोजित जिला स्तरीय अंडर-19 छात्र टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिक्षा मंत्री 28 सितंबर को सुबह 11 बजे विद्यालय पहुंचेंगे और प्रतियोगिता के समापन समारोह में खिलाड़ियों से संवाद करेंगे।

इस दौरान शिक्षा मंत्री प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को संबोधित करेंगे। साथ ही विभिन्न खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम के बाद शिक्षा मंत्री स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे और क्षेत्र के लोगों की समस्याएं भी सुनेंगे। इस दौरान स्थानीय स्तर पर शिक्षा एवं अन्य विकास कार्यों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है।



इसी क्रम में शिक्षा मंत्री 30 सितंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तकलेच में आयोजित जिला स्तरीय अंडर-14 छात्र टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वह सुबह 11 बजे विद्यालय पहुंचेंगे। यहां भी वह खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे तथा प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत कांढ़ी विकास खण्ड गोहर तहसील चच्योट, जिला मण्डी (हि0प्र0)

निविदा आमंत्रण सूचना

पंचायत बैठक में सर्वसम्मती में प्रस्ताव पारित हुआ कि ग्राम पंचायत कांढ़ी में विभिन्न मदों के अंतर्गत बित वर्ष 2026-27 में विकास कार्य करवाये जाने है जिस हेतु जुलाई माह में कोटेशने आमंत्रित की गयी थी परन्तु कुछ सामग्रीओं की कुटेशने प्राप्त ना होने के कारण कार्यों को समाप्त करना मुश्किल है। इसलिए निम्न प्रकार से सामग्री उपलब्ध करवाने हेतु कोटेशनें आमंत्रित की जानी अनिवार्य है ताकि विकास कार्यों को सुचारु रूप से चलाया जा सके। निविदायें/कोटेशनें कार्यालय ग्राम पंचायत कांढ़ी में 08/10/2026 को 4 बजे तक किसी कार्य दिवस में जमा की जा सकती है। यह निविदायें/कोटेशने दिनांक 09/10/2026 को 11 बजे कार्यालय ग्राम पंचायत कांढ़ी में कमेटी के समक्ष खोली स्वीकृत

सामग्री का विवरण- 1. सरिया (ISI Marked / HYSD TMT) All Sizes-प्रति क्विंटल, 2. Steel(Hollow Sections of all Sizes)-प्रति क्विंटल, 3. Steel (solid sections of all sizes)-प्रति क्विंटल, 4. GI sheets/ Coloured roofing sheets/PGI Sheets All) Size- प्रति पीस, 5. स्टील फर्नीचर (ALL ITEMS)- प्रति पीस, 6. प्लास्टिक फर्नीचर (ALL ITEMS)- प्रति पीस, 7. All Hardwares Items-प्रति वर्ग फुट/प्रति पीस/किलो 8. वुडन फर्नीचर (ALL ITEMS)-प्रति पीस। **नियम व शर्तें :-** 1) निविदादाता के पास अपना पंजीकरण नंबर निविदा पर भरना सुनिश्चित करें। इसके साथ R.C. No. GST, CST. No. की छाया प्रति लगाना अति आवश्यक है। 2) ठेकेदार आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग में हस्ताक्षरित (M-Form) जमा करवाने होंगे। 3) सभी निविदाएं गील बन्द लिफाफे में देनी अनिवार्य होगी। अधूरी पूनी निविदाएं मान्य नहीं होगी। 4) GST/CBT दरें निविदा प्रपत्र में भरी गई दरों में ही शामिल होगी। 5) सामग्री की आपूर्ति लोक निर्माण विभाग के स्पेसिफिकेशन के अनुरूप होगी।। 6) निर्माण सामग्री कार्य स्थल / सड़क तक उपलब्ध करवानी होगी। 7) पारित निविदादाता को मु020000/- रुपये धरोहर/सुरक्षित भी FDR के प्रधान/ सचिव ग्राम पंचायत कांढ़ी के नाम 5 दिन में जमा करवाना अनिवार्य है तत्पश्चात ही सामग्री आपूर्ति आदेश दिया जाएगा। 5 दिन में FDR जमा ना करने की स्थिति में निविदा को निरस्त किया जाएगा। 8) ग्राम पंचायत के समस्त क्षेषाधिकार में एक ही मूल्य देय होगा व अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी । 9) निविदादाता यदि सामग्री आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता है की उसकी गत समय में दी गयी सामग्री की देय राशि का भुगतान नहीं किया जायेगा और न ही अग्रिम/सुरक्षित राही वापिस होगी। 10) किसी भी निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत अस्वीकृत करने सर्त निविदा समान दर रहने की स्थिति में, एक या एक से अधिक निविदादाताओं के लिए कार्य आदेश निर्गत करने, सामग्री की गुणवता के चयन तथा निविदाएं किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत/विभाग के पास सुरक्षित रहेगा। 11) सामग्री लेने का अंतिम मूल्य / निर्णय विभाग की Justification पारित निविदादाता के साथ negotiation अनुसार/उपरांत किया जायेगा। 12) सामग्री की अदायगी तकनीकी सहायक / JE की Verification अनुगार ही की जाएगी। सर्वसम्मति से पारित है।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत कांढ़ी विकास खण्ड गोहर तहसील चच्योट, जिला मण्डी (हि0प्र0)

वर्षा अलर्ट पर उत्तरकाशी में आपदा तंत्र सतर्क, डीएम ने संभाली कमान



भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से जनपद में वर्षा का अलर्ट जारी किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य स्वयं जिला आपदा नियंत्रण कक्ष से विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। संवेदनशील स्थानों की निगरानी के साथ राजस्व विभाग, पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

भूस्खलन और सड़क बंद होने की आशंका, टीमें तैयार

जिलाधिकारी ने ट्रैकिंग पर गए लोगों और बेस कैंपों में ठहरे ट्रैकर्स की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम करने को कहा है। मौसम खराब होने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए संबंधित टीमों को आपसी समन्वय से बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने भूस्खलन, नदियों का जलस्तर बढ़ने और सड़कें बंद होने की आशंका को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों और यात्रियों से सावधानी बरतने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। सभी उपजिलाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं। सड़कें बंद होने की स्थिति में जेसीबी, खाद्य सामग्री, दवाइयां और वैकल्पिक संचार व्यवस्था तैयार रखने को कहा गया है। चारधाम यात्रियों की सुरक्षा के लिए हर्षिल में दो एंबुलेंस और स्वास्थ्य टीम तैनात रखने के साथ जिला अस्पताल को भी अलर्ट किया गया है।

विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य बन रहा उत्तराखंड : सतपाल महाराज

कहा- डिजिटल तकनीक से पर्यटन को नई दिशा दे रहा उत्तराखंड

अनिल थपलियाल

देहरादून। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड समेत देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विश्वस्तरीय गंतव्य के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यटन संगठन की ओर से निर्धारित डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से पर्यटन के नव-निर्माण की थीम के अनुरूप उत्तराखंड में भी तकनीक आधारित सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। महाराज ने कहा कि राज्य में छह हजार से अधिक पंजीकृत होम स्टे संचालित हो रहे हैं, जो स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं।

इससे पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति, खानपान और जीवनशैली से जुड़ने का अवसर भी मिल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सौ ट्रेकिंग मार्गों की वैश्विक स्थिति निर्धारण प्रणाली और भौगोलिक सूचना प्रणाली के माध्यम से मैपिंग के लिए दल रवाना किए गए हैं। इनमें 50 मार्ग गढ़वाल और 50 मार्ग कुमाऊं के हैं। मैपिंग के आधार पर मोबाइल



ट्रेकिंग मार्गदर्शन अनुप्रयोग और 'द ट्रेक्स ऑफ उत्तराखंड' कॉफी टेबल पुस्तक तैयार की जाएगी।

इससे ट्रेकिंग मार्गों की सटीक जानकारी उपलब्ध होने के साथ यात्रियों की सुरक्षा भी बढ़ेगी। पर्यटन मंत्री ने कहा कि साहसिक पर्यटन उत्तराखंड की नई पहचान बन रहा है। 24 से 26 अक्टूबर तक प्रस्तावित आदि कैलाश परिक्रमा 2.0, आदि कैलाश और ओम पर्वत क्षेत्र को नई पहचान देने में सहायक होगी। आदि कैलाश परिक्रमा दौड़, नीति घाटी अल्ट्रा और प्रस्तावित हिमालयन कार रैली जैसे आयोजन सीमांत क्षेत्रों को पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद करेंगे।

शीतकालीन चारधाम और हिम पर्यटन पर जोर

उन्होंने बताया कि प्रदेश के सौ ट्रेकिंग मार्गों की वैश्विक स्थिति निर्धारण प्रणाली और भौगोलिक सूचना प्रणाली के माध्यम से मैपिंग के लिए दल रवाना किए गए हैं। इनमें 50 मार्ग गढ़वाल और 50 मार्ग कुमाऊं के हैं। मैपिंग के आधार पर मोबाइल ट्रेकिंग मार्गदर्शन अनुप्रयोग और 'द ट्रेक्स ऑफ उत्तराखंड' कॉफी टेबल पुस्तक तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार उत्तराखंड को बारहमासी पर्यटन गंतव्य बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। शीतकालीन चारधाम यात्रा, हिम पर्यटन, तारामंडल पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश को भारत की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए शाक्त, शैव, वैष्णव, विवेकानंद, नरसिंह, गोल्ज्यू, गुरुद्वारा, नवग्रह, नागराजा, हनुमान और महासू देवता जैसे पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं।

बारिश में बंद गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे जेसीबी से हुए सुचारू

भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। जिले में 48 घंटे से अधिक समय से जारी तेज बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। जगह-जगह भूस्खलन होने से गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर यातायात बाधित रहा। गंगोत्री हाईवे पर धरासू के पास भारी मलबा आने से मार्ग बंद हो गया। सूचना मिलने पर सीमा सड़क संगठन ने जेसीबी भेजकर मलबा हटाने का काम शुरू किया। कई घंटे की मशक्कत के बाद मार्ग पर यातायात बहाल किया गया। हालांकि, मलबा आने के कारण मार्ग कुछ समय के लिए फिर बाधित होता रहा, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी तरह यमुनोत्री हाईवे पर दुर्बिल के पास भी भूस्खलन से यातायात बंद हो गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की टीम ने जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर मार्ग को सुचारू कराया। जिले के कई संपर्क मार्ग भी बारिश के कारण बंद हैं, जिन्हें खोलने का काम जारी है। प्रशासन ने मौसम की स्थिति को देखते हुए गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा पर फिलहाल अस्थायी रोक लगा दी है। उधर, भटवाड़ी ब्लॉक



◆ धरासू में मलबा हटाकर जेसीबी ने गंगोत्री हाईवे खोला

के स्याबा गांव में उपेंद्र सिंह राणा का मकान पीछे की दीवार टूटने से क्षतिग्रस्त हो गया।

भवन में दरारें आने के बाद परिवार को सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर प्रभावित परिवार को उचित सहायता देने की मांग की है।

रंगों में सजी बच्चों की कल्पनाएं, ओक ग्रोव स्कूल ने जीती नवीन शर्मा स्मृति कला प्रतियोगिता की रनिंग ट्रॉफी

सुनील सोनकर

मसूरी। बच्चों की कल्पनाओं ने जब कैनवास पर रंगों का रूप लिया तो कहीं प्रकृति की सुंदरता उभरी तो कहीं उनकी रचनात्मक सोच ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। मौका था लायंस क्लब मसूरी हील्स की ओर से आयोजित नवीन शर्मा स्मृति कला प्रतियोगिता का, जिसमें ओक ग्रोव स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच पुरस्कार अपने नाम किए और प्रतियोगिता की रनिंग ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। सनातन धर्म गर्ल्स इंटर कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा।



5 पुरस्कार जीतकर ओक ग्रोव स्कूल बना चैंपियन

प्रतियोगिता का आयोजन लायन मदन मोहन शर्मा द्वारा अपने पुत्र नवीन शर्मा की स्मृति में पिछले 32 वर्षों से लगातार किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कागज पर उकेरा।

इस अवसर पर मदन मोहन शर्मा ने कहा कि अपने पुत्र नवीन शर्मा की स्मृति को जीवंत रखने के उद्देश्य से उन्होंने इस कला प्रतियोगिता की शुरुआत की थी। बीते 32 वर्षों से यह आयोजन निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों में अपार प्रतिभा होती है, जरूरत केवल उन्हें सही मंच और प्रोत्साहन देने की है। कला बच्चों की कल्पनाशीलता, संवेदनशीलता और आत्मविश्वास को विकसित करने का माध्यम है। प्रतियोगिता के जरिए उनका प्रयास है कि बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले और वे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों।उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में बच्चों की भागीदारी और उनकी कलाकृतियां देखकर उन्हें विशेष संतोष मिलता है। नवीन शर्मा की स्मृति में शुरू हुआ यह आयोजन आज एक परंपरा का रूप ले चुका है, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी हर वर्ष उत्साह से शामिल होते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपी चमोली (सेवानिवृत्त डीआईजी) ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए। विशिष्ट अतिथि मनोज रायल ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के साथ कला और रचनात्मक गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सुरभि रावत, सृष्टि करनेवाल और माधुरी शर्मा ने निभाई। उन्होंने प्रतिभागियों की कलाकृतियों का मूल्यांकन किया। ग्रुप ए में प्रथम: पुष्पा रानी, द्वितीय: अतुल्य सार्थक और तृतीय: आराध्या आनंद

ग्रुप बी में प्रथम: सोनाक्षी प्रिया,द्वितीय: रिदम गुप्ता

ग्रुप सी और तृतीय: ऋतिक राज रहे। ओक ग्रोव स्कूल के विद्यार्थियों ने कुल पांच पुरस्कार जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया और रनिंग ट्रॉफी अपने नाम की।

इस अवसर पर लायन प्रवीण गुप्ता, राजीव अग्रवाल, के. गुप्ता, मधुलिका माथुर, लायन मदन मोहन शर्मा, माधुरी शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लाल धान पर बारिश की मार, कटाई के ऐन वक्त किसानों की बढ़ी चिंता

अनिल एस. असवाल

पुरोला/उत्तरकाशी। रवांई घाटी की पहचान और किसानों की आजीविका से जुड़ी लाल धान की फसल इन दिनों कटाई के लिए तैयार है। पुरोला क्षेत्र के रामा सिरांई और कमल सिरांई को लाल धान उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में जाना जाता है। क्षेत्र को लाल चावल के उत्पादन के कारण 'लाल चावल का कटोरा' भी कहा जाता है।

लेकिन कटाई के ऐन वक्त पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में पककर तैयार खड़ी फसल के साथ-साथ जिन किसानों ने धान काटकर सुखाने के लिए खेतों में रखा था, उनके सामने भी फसल को सुरक्षित रखने की चुनौती पैदा हो गई है।

मेहनत पर मौसम की मार: किसानों ने कई महीनों की मेहनत और लागत के बाद लाल धान की फसल तैयार की है। इस



समय फसल की कटाई और सुखाने का महत्वपूर्ण दौर चल रहा है। लगातार बारिश से खेतों में नमी बढ़ने के कारण कटाई प्रभावित हो रही है और किसानों को फसल सुरक्षित रखने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यदि बारिश का सिलसिला आगे भी जारी रहता है तो तैयार फसल की गुणवत्ता और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

◆ लगातार दो दिनों की बारिश से खेतों में तैयार लाल धान को नुकसान की आशंका, प्रशासन से तत्काल सर्वे और सहायता की मांग

प्रशासन के सामने प्रमुख मांगें: प्रभावित गांवों में तत्काल फसल नुकसान का सर्वे कराया जाए। खेतों में तैयार और काटकर रखी फसल के नुकसान का अलग-अलग आकलन किया जाए। कृषि विभाग की टीम किसानों को फसल बचाने के लिए आवश्यक तकनीकी सलाह दे। पात्र किसानों को सरकारी प्रावधानों के अनुसार क्षतिपूर्ति/सहायता उपलब्ध कराई जाए।

दर्मियान सिंह पंवार ने उठाई किसानों की आवाज

जिला अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ, पुरोला उत्तरकाशी, दर्मियान सिंह पंवार ने लाल धान उत्पादक किसानों की चिंता को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन और कृषि विभाग से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल फसल नुकसान का स्थलीय निरीक्षण और सर्वे कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लाल धान केवल एक फसल नहीं बल्कि रवांई की कृषि संस्कृति, परंपरा और पहचान से जुड़ा हुआ है। मौसम की मार से किसानों की महीनों की मेहनत प्रभावित होती है तो इसका सीधा असर उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। दर्मियान सिंह पंवार ने प्रशासन से मांग की कि बारिश से प्रभावित किसानों को आवश्यक तकनीकी सलाह उपलब्ध कराने के साथ-साथ वास्तविक नुकसान का आकलन कर नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जाए।

रवांई की पहचान बचाने की जरूरत

लाल धान रवांई घाटी की पारंपरिक कृषि व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी खेती से जुड़े किसानों को मौसम, रोग और बाजार जैसी चुनौतियों से बचाने के लिए समय पर सरकारी हस्तक्षेप जरूरी है। कटाई के इस संवेदनशील दौर में अब किसानों की नजर मौसम के अगले रुख के साथ-साथ प्रशासन की कार्रवाई पर भी टिकी है। किसानों की मांग है कि उनकी वर्षों की मेहनत और क्षेत्र की पारंपरिक लाल धान की पहचान को बचाने के लिए सरकार और प्रशासन तत्काल प्रभावी कदम उठाए।

क्या मनोरंजन के लिए आस्था से खिलवाड़ जरूरी है?

विकास बलूनी

देहरादून। बदरीनाथ धाम केवल उत्तराखंड का एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। यहां पहुंचने वाला श्रद्धालु मनोरंजन की तलाश में नहीं आता, वह दर्शन, शांति और आत्मिक अनुभूति की तलाश में आता है। ऐसे में धाम के निकट तेज संगीत, डीजे और नृत्य के दृश्य सामने आएं तो सवाल उठना स्वाभाविक है—क्या मनोरंजन के लिए आस्था की मर्यादा से समझौता करना जरूरी है?



19 और 20 सितंबर को बदरीनाथ के टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में आयोजित देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव के वीडियो सामने आने के बाद विवाद खड़ा हुआ। आयोजन का उद्देश्य स्थानीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सीमांत गांवों की विरासत को सामने लाना बताया गया। उद्देश्य यदि संस्कृति के संरक्षण और प्रचार का था, तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन सवाल उद्देश्य पर नहीं, आयोजन के स्थान, स्वरूप और धार्मिक वातावरण के प्रति संवेदनशीलता पर है। धाम और मनोरंजन स्थल में फर्क होता है। यही फर्क व्यवस्था को समझना होगा।

बदरीनाथ की अपनी धार्मिक परंपराएं, मर्यादाएं और आध्यात्मिक वातावरण है। मंदिर के पुजारियों और तीर्थ पुरोहितों की ओर से तेज ध्वनि और कार्यक्रम के स्वरूप पर आपत्ति जताए जाने के बाद विवाद और गंभीर हो जाता है। क्योंकि जब स्थानीय धार्मिक परंपराओं से जुड़े लोग ही सवाल उठा रहे हों, तो उसे महज विरोध या विवाद कहकर टाल देना समाधान नहीं हो सकता। विवाद के बाद चमोली जिला प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन सेना की ओर से किया गया था। पर्यटन जरूरी है। सांस्कृतिक कार्यक्रम जरूरी हैं। स्थानीय कलाकारों और लोक परंपराओं को मंच देना भी जरूरी है। लेकिन यह सब करते समय यह नहीं भूलना चाहिए कि बदरीनाथ कोई सामान्य पर्यटन स्थल नहीं है। यहां हिमालय की नीरवता, मंदिर की घंटियां, मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं की आस्था—सब मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जिसे किसी भी आयोजन से पहले समझना आवश्यक है। बदरीनाथ में आने वाला श्रद्धालु डीजे की तेज आवाज सुनने नहीं, मन की आवाज सुनने आता है।

बद्रीनाथ में डीजे और नृत्य ने खड़े किए गंभीर सवाल

इसलिए अब समय केवल सफाई देने का नहीं, बल्कि स्पष्ट व्यवस्था बनाने का है। उत्सव भी हो और अनुशासन भी। कलाकारों को मंच भी मिले और श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान भी। देवभूमि की पहचान केवल उसके उत्सवों से नहीं, उसकी मर्यादाओं से भी है।

जहां भगवान बद्रीनाथ योग मुद्रा में विराजमान, वहां डीजे का शोर शराबा क्यों?

कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बद्रीनाथ धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीजे और नृत्य को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ जैसे पवित्र धार्मिक स्थल पर इस प्रकार के आयोजन आस्था और धार्मिक मर्यादाओं से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करते हैं। गोदियाल ने कहा कि बद्रीनाथ में भगवान योग मुद्रा में विराजमान हैं और ऐसी मान्यता है कि उनकी योग मुद्रा एवं ध्यान में हमारे हस्तक्षेप और कोलाहल से व्यवधान नहीं होना चाहिए। ऐसे में इस प्रकार के आयोजन और गतिविधियां धार्मिक स्थल की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा धार्मिक स्थलों पर इस तरह के आयोजनों के जरिए आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। गोदियाल ने केदारनाथ में हुए लेजर शो का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने उस समय भी इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों की मर्यादा और आस्था को राजनीतिक आयोजनों से अलग रखा जाना चाहिए।



उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष, गणेश गोदियाल

मिस उत्तराखंड में विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विविधता ने रैंप पर मन मोहा

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। राजपुर रोड स्थित सेंट्रियो मॉल के स्काईलाउंज में रविवार को मिस उत्तराखंड 2026 के तहत मिस ट्रेडिशनल उप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने उत्तराखंड समेत देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक परिधानों में रैंप पर प्रस्तुति देकर सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं की खूबसूरत झलक पेश की। पारंपरिक वेशभूषा में सजी प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ रैंप वॉक कर निर्णायकों और दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।



आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपनी संस्कृति, प्रतिभा और व्यक्तित्व को मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर देना है। कार्यक्रम में समन्वयक हिमानी रावत, अनन्या भंडारी, फैशन शैलीकार प्रियादिति सिंधी, कोरियोग्राफर जैज पुष्कर सोनी, आकांक्षा गुप्ता, राहुल छाबड़ा और राज कौशिक समेत अन्य लोगों ने सहयोग किया। निर्णायक मंडल में मिस उत्तराखंड 2025 स्मृति रावत, मिस उत्तराखंड 2024 तानिया सिंह समेत अन्य लोग शामिल रहे।

प्रदर्शन यूकेडी ने सचिवालय मार्च कर मंत्री सतपाल महाराज के आवास का किया घेराव

सड़कों की बदहाली पर यूकेडी ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में बदहाल सड़कों, अधूरे निर्माण कार्यों और ग्रामीण क्षेत्रों की उपेक्षा के विरोध में उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने रविवार को देहरादून में जोरदार प्रदर्शन किया। राज्यभर से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सचिवालय कूच किया और सड़क परिवहन एवं लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज के सरकारी आवास का घेराव करने का प्रयास किया। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने जगह-जगह बैरिकेडिंग कर कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की।



उक्रांद प्रदर्शन में वरिष्ठ नेताओं समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे।

इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। उक्रांद के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में आज भी कई गांव सड़क सुविधा से वंचित हैं। सड़क संपर्क न होने के कारण ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और दैनिक जरूरतों से जुड़ी सुविधाओं के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने प्रदेशभर में गड्ढों और टूट-फूट से बदहाल सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। दल के संरक्षक एवं पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी ने कहा कि राज्य गठन के 26 वर्ष बाद भी सड़कों की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से लंबित सड़क निर्माण परियोजनाओं को पूरा करने में सरकारें गंभीरता नहीं दिखा पाई हैं। उन्होंने सभी अधूरे कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की मांग की।

पूर्व विधायक पुष्पेश त्रिपाठी ने कहा कि दूरदराज के अनेक गांव आज भी मुख्य मार्गों से नहीं जुड़े हैं। ऐसे क्षेत्रों में सड़क संपर्क विकसित करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाना चाहिए। उक्रांद नेताओं ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पलायन की समस्या लगातार बनी हुई है। उनका आरोप है कि सरकार सड़क जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने में अपेक्षित गति नहीं दिखा रही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़कों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ और लंबित निर्माण कार्य शुरू नहीं किए गए तो दल राज्यभर में आंदोलन को और तेज करेगा।

उक्रांद नेताओं ने दिखाई एकजुटता

प्रदर्शन में कार्यकारी अध्यक्ष पंकज व्यास, जेपी उपाध्याय, संरक्षक पूरण सिंह कठैत, महामंत्री संगठन गणेश काला, महामंत्री राजेंद्र बिष्ट, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष आशीष नेगी, मूल निवास एवं भू-कानून प्रकोष्ठ अध्यक्ष लूशुन टोडरिया, कुलदीप रावत, महानगर अध्यक्ष प्रवीण रमोला, महामंत्री मीनाक्षी घिल्डियाल, महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष संगीता सकलानी बहुगुणा और सह मीडिया प्रभारी प्रकाश भट्ट समेत कई वरिष्ठ नेता, केंद्रीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देहरादून में पंचायत उपचुनाव की तैयारियां शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। जिले में ग्राम पंचायतों के रिक्त पदों एवं स्थानों पर उपचुनाव कराने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तराखंड की ओर से जारी अधिसूचना के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) डा. आशीष चौहान ने उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 सितंबर और एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच तीन अक्टूबर को सुबह 10 बजे से कार्य समाप्ति तक होगी। अभ्यर्थी चार अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद पांच अक्टूबर को सुबह 10 बजे से कार्य समाप्ति तक निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन किया जाएगा।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल से पहले इतिहास देखे कांग्रेस : कुकरेती

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नीलकंठ खंड के खंड कार्यवाह अलकेश कुकरेती ने राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग, एसआईआर प्रक्रिया और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े व्यक्तित्वों को लेकर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। कुकरेती ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष को संवैधानिक संस्थाओं से सवाल करने और उनकी कार्यप्रणाली पर चर्चा करने का अधिकार है, लेकिन गंभीर आरोप लगाए जाने पर उनके समर्थन में ठोस प्रमाण भी प्रस्तुत किए जाने चाहिए। उन्होंने 1975 में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं और प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए गए थे।

◆ कुकरेती ने राहुल गांधी के बयानों पर कांग्रेस को घेरा

कुकरेती ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन राजनीतिक संवाद में संस्थाओं की गरिमा और मर्यादा का ध्यान रखा जाना चाहिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणियों पर भी उन्होंने आपत्ति जताई। कुकरेती ने 2017 में कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित की तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत को लेकर की गई टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पदों और व्यक्तित्वों के बारे में सार्वजनिक बयान देते समय भाषा में संयम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संदीप दीक्षित ने बाद में अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी थी और राहुल गांधी ने भी उस टिप्पणी को गलत बताया था।

रवनीत बिट्टू को पाकिस्तानी नंबर से मिली धमकी, सुरक्षा एजेंसियां हुईं सतर्क

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना



पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू को एक बार फिर सीमा पार से जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। विदेशी नंबर से उनके व्हाट्सएप पर एक आवाज संदेश भेजा गया, जिसमें उन्हें बयानबाजी बंद करने की चेतावनी देते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। संदेश में धमकी देने वाले ने अपनी पहचान मलिक एलेक्स के रूप में बताई है।

बताया जा रहा है कि जिस नंबर से संदेश भेजा गया, वह पाकिस्तान का है। हालांकि, जांच एजेंसियां इस पहलू की भी पड़ताल कर रही हैं कि संदेश वास्तव में पाकिस्तान से भेजा गया या किसी आभासी नंबर अथवा अन्य तकनीकी माध्यम का इस्तेमाल कर स्थान छिपाने की कोशिश की गई।

व्हाट्सएप पर भेजे गए आवाज संदेश में बिट्टू को कथित तौर पर उनकी सार्वजनिक बयानबाजी को लेकर चेतावनी दी गई। संदेश में कहा गया कि वह अपनी सीमा में रहें और आगे बयानबाजी करने से बचें। इसके बाद धमकी देने वाले ने बिट्टू को निशाना बनाने की बात कही।

संदेश में अगले कुछ दिनों के भीतर हमले की धमकी दी गई। साथ ही उनके साथ रहने वाले सुरक्षाकर्मियों और अन्य लोगों को भी नुकसान पहुंचाने की बात कही गई। संदेश में विस्फोटक से हमला करने की धमकी भी दी गई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस संदेश की वास्तविकता और इसके पीछे मौजूद व्यक्ति या समूह की पहचान की जांच कर रही हैं।

धमकी की जानकारी सामने आने के बाद पंजाब पुलिस की सुरक्षा शाखा और खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिट्टू की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। जांच एजेंसियां संदेश भेजने वाले नंबर की तकनीकी जानकारी जुटाने के साथ उसकी गतिविधियों और संभावित संपर्कों की भी पड़ताल कर रही हैं।

अमित शाह की जालंधर महारैली के लिए तैयारियां जोरों पर

नशा मुक्त पंजाब यात्राओं के समापन पर हजारों कार्यकर्ताओं के जुटने की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 सितंबर को जालंधर में प्रस्तावित महारैली को संबोधित करेंगे। यह रैली भाजपा की ओर से निकाली जा रही चार 'नशा मुक्त पंजाब यात्राओं' के समापन कार्यक्रम के तौर पर आयोजित की जा रही है। चारों यात्राएं पंजाब के विभिन्न हिस्सों से होकर जालंधर पहुंचेंगी।

रैली के लिए जालंधर-फगवाड़ा मार्ग पर परागपुर के पास स्थल तैयार किया जा रहा है। शुरुआती तैयारियों में करीब 50 से 55 एकड़ जमीन का चयन किए जाने की जानकारी सामने आई थी। बाद में आयोजन की जरूरत के अनुसार क्षेत्र बढ़ाने की तैयारी की गई।

भाजपा नेताओं के अनुसार रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के पहुंचने की संभावना है। इसके लिए बड़े पंडाल, मंच, पार्किंग, पेयजल और यातायात व्यवस्था की जा रही है। हालांकि भीड़ से संबंधित आंकड़े पार्टी के अनुमान हैं, स्वतंत्र रूप से इनकी पुष्टि नहीं हुई है।



बड़े पंडाल में बैठने की व्यवस्था: रैली स्थल पर बनाए जा रहे पंडाल में हजारों लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम में दूर बैठे लोगों को मंच दिखाई देने और भाषण सुनने में परेशानी न हो, इसके लिए बड़ी एलईडी स्क्रीन और ध्वनि व्यवस्था लगाने की तैयारी है। पंडाल के बाहर भी स्क्रीन लगाने की योजना है, ताकि मुख्य परिसर भर जाने के बाद बाहर मौजूद लोग कार्यक्रम देख और सुन सकें।

रैली में पंजाब के विभिन्न जिलों से कार्यकर्ताओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पार्किंग की अलग-अलग व्यवस्था की जा रही है। भाजपा नेताओं के अनुसार बड़ी संख्या में बसों और छोटे वाहनों के पहुंचने का अनुमान है। इसके लिए अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग स्थल तैयार किए जा रहे हैं, ताकि मुख्य मार्गों पर यातायात प्रभावित न हो। हालिया रिपोर्टों में दो हजार से अधिक बसों की व्यवस्था की बात कही गई है।

प्रदेश नेतृत्व ने लिया तैयारियों का जायजा : भाजपा प्रदेश महामंत्री परमिंदर सिंह बराड़ समेत पार्टी के स्थानीय नेताओं ने रैली स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने पंडाल, मंच, पार्किंग, पेयजल, सुरक्षा और यातायात प्रबंधों की समीक्षा की। जिला भाजपा अध्यक्ष अशोक सरीन हिक्की ने भी तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों के साथ बैठकें की हैं।

पार्टी की ओर से बूथ स्तर तक जनसंपर्क बढ़ाने की बात कही गई है। स्थानीय पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। रैली को लेकर जालंधर और आसपास के क्षेत्रों में तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

चार यात्राओं का जालंधर में समापन : भाजपा ने 18 सितंबर से पंजाब में चार चरणों में 'नशा मुक्त पंजाब यात्राएं' शुरू की हैं। पार्टी के अनुसार ये यात्राएं राज्य के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों से होकर करीब चार हजार किलोमीटर की दूरी तय करेंगी और 30 सितंबर को जालंधर में समाप्त होंगी।

भाजपा नेताओं का कहना है कि यात्रा का उद्देश्य पंजाब में नशे के खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाना है। पार्टी ने अभियान में नशे के साथ अपराध और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को भी उठाया है। वहीं, पंजाब में नशे के मुद्दे को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी जारी हैं।

रैली के माध्यम से भाजपा इस अभियान का समापन करेगी। अमित शाह की मौजूदगी के कारण कार्यक्रम को लेकर पार्टी संगठन स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। फिलहाल रैली स्थल, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप देने का काम जारी है।

न्यूज ब्रीफ

जालंधर में नशे की हालत में पुलिसकर्मी का वीडियो वायरल, पहचान में जुटी पुलिस

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर। नागरा के शिव नगर में कथित तौर पर नशे की हालत में एक पुलिसकर्मी का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी नशे के प्रभाव में था और ठीक से एक्टिवा भी नहीं चला पा रहा था। लोगों का यह भी दावा है कि इससे पहले भी संबंधित पुलिसकर्मी का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह कथित तौर पर नशीला पदार्थ लेते दिखाई दिया था। वीडियो वायरल होने के बाद थाना एक के प्रभारी जसपाल सिंह ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो कुछ दिन पुराना है और पुलिसकर्मी की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति कौन है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उक्त पुलिसकर्मी शिव नगर में नशा करने आता है। लोगों ने कहा कि पुलिसकर्मियों के इस तरह नशे की हालत में मिलने से समाज में गलत संदेश जाता है और बच्चों पर भी इसका असर पड़ सकता है। उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी ने कहा कि यदि कोई पुलिसकर्मी नशे की हालत में पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर संबंधित कर्मचारी की पहचान और पूरे मामले की जांच कर रही है।

धीरेंद्र शास्त्री की कथा में महिला चोर गिरोह की चार सदस्य गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। वर्धमान चौक स्थित ग्लाडा मैदान में चल रही पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्री हनुमंत कथा के दौरान श्रद्धालुओं के सामान पर हाथ साफ करने वाले अंतरराज्यीय महिला गिरोह का कमिश्नरेट पुलिस ने पर्दाफाश किया है। थाना मोती नगर पुलिस ने चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित महिलाएं कथा और धार्मिक आयोजनों में भीड़ का फायदा उठाकर चोरी करती थीं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 26 सितंबर को एएसआइ अजय सिंह पुलिस टीम के साथ इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि धार्मिक समागम में महिलाओं का एक गिरोह सक्रिय है। सूचना के आधार पर पुलिस ने राम दरबार मंदिर के सामने पार्क में संदिग्ध अवस्था में बैठी चार महिलाओं को हिरासत में लिया। पुलिस ने गिरफ्तार महिलाओं की पहचान सीमा और रैनू, निवासी फूलमंडी, नई दिल्ली तथा किरण देवी, निवासी उन्नाव और कविता, निवासी कानपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित महिलाएं बड़े धार्मिक आयोजनों, कथाओं और मेलों में पहुंचती थीं। कथा, भजन या आरती के दौरान भीड़ बढ़ने पर वे महिला श्रद्धालुओं को घेर लेती थीं। इसी दौरान कथित तौर पर पर्स काटने, सोने की चेन झपटने और मोबाइल फोन चोरी करने की वारदात को अंजाम देती थीं। पुलिस ने चारों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। समागम स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।



35 लाख की ठगी में नारंग मोटर्स मालिक गिरफ्तार, फर्जी आरसी देकर बेची इंडेवर

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर। थाना तीन की पुलिस ने 35 लाख रुपये की ठगी के मामले में नारंग मोटर्स के मालिक सतीश कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ जून 2024 में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता आजाद मोहम्मद, जो इटली में रहता है, ने आरोप लगाया था कि उसने एक नवंबर 2023 को सतीश कुमार से 35 लाख रुपये में इंडेवर कार खरीदी थी। आरोप है कि सतीश ने उसे कार की फर्जी पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्रति दे दी। बाद में जब आजाद ने कार बेचने की कोशिश की तो वाहन के असली मालिक का पता चला।जांच में सामने आया कि कार किसी अन्य डीलर की थी और उसे बेचने के बाद संबंधित डीलर को भुगतान नहीं किया गया था। इसके बाद आजाद ने पुलिस में शिकायत दी। थाना प्रभारी जगदीश लाल ने बताया कि सतीश कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

कनाडा में 'बिश्नोई' नंबर प्लेट पर विवाद, मंजू बोलीं- पहचान क्यों छिपाऊं

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में भारतीय मूल की मंजू बिश्नोई की कार की निजी नंबर प्लेट चर्चा में है। प्लेट पर उनके परिवार का उपनाम 'बिश्नोई' लिखा है। मंजू के अनुसार, इसी नाम को लॉरेंस बिश्नोई से जुड़े आपराधिक गिरोह के संदर्भ में देखे जाने के कारण उन्हें सुरक्षा को लेकर नंबर प्लेट बदलने की सलाह दी गई। हालांकि, इस मामले में आइसीबीसी अधिकारी के फोन और बातचीत की स्वतंत्र सार्वजनिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

मंजू का कहना है कि उनका किसी आपराधिक गिरोह से कोई संबंध नहीं है और 'बिश्नोई' उनका पारिवारिक उपनाम है। उनका सवाल है कि किसी आपराधिक संगठन की गतिविधियों के कारण एक सामान्य परिवार को अपनी पहचान बदलने की सलाह क्यों दी जाए।

ब्रिटिश कोलंबिया की सरकारी वाहन बीमा एजेंसी आइसीबीसी के नियमों के अनुसार निजी नंबर प्लेट के लिए चुना गया संदेश तय मानकों के अनुरूप होना चाहिए। आपत्तिजनक या भेदभावपूर्ण संदेशों को अस्वीकार किया जा सकता है। एजेंसी के अनुसार शिकायत मिलने या किसी प्लेट को बाद में आपत्तिजनक पाए जाने पर उसे वापस भी लिया जा सकता है।

मंजू के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2023 में अपनी कार के लिए यह निजी नंबर प्लेट ली थी। उस समय इसे लेकर कोई विवाद नहीं हुआ। बाद में कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई से जुड़े आपराधिक मामलों की चर्चा बढ़ने के साथ उनके उपनाम को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया बदलने लगी।

मंजू का कहना है कि कुछ लोगों ने उनकी कार की नंबर प्लेट देखकर उन्हें लॉरेंस बिश्नोई से जोड़ने की कोशिश की। इसके बाद उन्हें नंबर प्लेट बदलने की सलाह दिए जाने की बात सामने आई। उनका तर्क है कि किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके उपनाम के आधार पर किसी आपराधिक संगठन से नहीं जोड़ी जानी चाहिए।

चंडीगढ़ में नशा तस्करों के 18 मकानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, कार्रवाई तेज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



नशा तस्करों के खिलाफ चंडीगढ़ प्रशासन ने पहली बार बड़ी कार्रवाई शुरू की है। रविवार को रामदरबार में नशा तस्करी से जुड़े लोगों के मकानों पर बुलडोजर चलाया गया। प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में काफी हलचल रही। कार्रवाई के समय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

पुलिस ने नशा तस्करी में संलिप्त बताए जा रहे 18 लोगों के मकानों की सूची चंडीगढ़ प्रशासन को सौंपी थी। इसके बाद प्रशासन ने इन संपत्तियों की जांच और नियमों के अनुसार कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों के अनुसार जिन निर्माणों में नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण के मामलों में कार्रवाई निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी। प्रशासन की ओर से संबंधित संपत्तियों और निर्माण की स्थिति की जांच के बाद आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का उल्लंघन मिलने पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

रामदरबार में एक साथ 18 मकानों को लेकर की गई कार्रवाई के बाद स्थानीय स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान से जोड़कर देखा जा रहा है।

चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने सभी संबंधित विभागों को नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की ओर से नशा तस्करी से जुड़े मामलों में कार्रवाई तेज की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए कानून के तहत उपलब्ध सभी उपायों का इस्तेमाल किया जाएगा।

प्रशासन का कहना है कि नशा तस्करी से जुड़े मामलों में संपत्तियों और अवैध निर्माण की जांच भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है।

निगम ने चारों जोनों में लंबित मामलों का रिकॉर्ड खंगालने के दिए निर्देश

लुधियाना में लंबित राजस्व वसूली तेज, कालोनियों और भवन मालिकों पर निगम कसेगा शिकंजा

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना



महानगर में अवैध रूप से विकसित की जा रही कालोनियों के साथ-साथ ऐसी कालोनियों की संख्या भी काफी है, जिन्होंने नियमित करवाने के लिए आवेदन तो किया, लेकिन निर्धारित फीस अब तक जमा नहीं करवाई। नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी की ओर से लंबित राजस्व की वसूली के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान यह मामला सामने आया है। इसके बाद कमिश्नर ने भवन शाखा के अधिकारियों को चारों जोनों में ऐसी कालोनियों का रिकॉर्ड खंगालने के निर्देश दिए हैं।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार कई कालोनियों के मालिकों ने नियमितीकरण के लिए वर्षों पहले आवेदन किया था, लेकिन प्रक्रिया पूरी करने के लिए जरूरी फीस जमा नहीं करवाई। इसके कारण निगम का राजस्व लंबे समय से लंबित है। अब भवन शाखा को आवेदन करने वाली सभी कालोनियों का रिकॉर्ड जांचने और यह पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं कि किन मामलों में फीस जमा नहीं हुई है।

नोटिस जारी कर वसूली की तैयारी: नगर निगम की ओर से संबंधित कालोनियों के मालिकों को बकाया फीस जमा करवाने के लिए नोटिस जारी किए जाने की तैयारी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि रिकॉर्ड की जांच के बाद लंबित राशि का आकलन किया जाए और संबंधित लोगों को बकाया भुगतान के लिए सूचित किया जाए।

अधिकारियों के मुताबिक नोटिस जारी होने के बाद भी यदि निर्धारित फीस जमा नहीं करवाई जाती है तो नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जा सकती है। इसमें संपत्तियों की रजिस्ट्रियों पर रोक लगाने के अलावा पानी-सीवरेज और बिजली के कनेक्शन से संबंधित कार्रवाई तथा भवन के नक्शे पास करने पर रोक जैसे कदम शामिल हो सकते हैं। हालांकि, अंतिम कार्रवाई संबंधित नियमों और मामले की स्थिति के आधार पर की जाएगी।

27 साल से लंबित हैं 42 करोड़ से अधिक के चालान : नगर निगम की भवन शाखा से जुड़े लंबित राजस्व का मामला केवल कालोनियों तक सीमित नहीं है। अवैध रूप से भवन निर्माण के मामलों में जारी किए गए पुराने चालानों की राशि भी लंबे समय से जमा नहीं हुई है। नगर निगम की ओर से सूचना के अधिकार के तहत उपलब्ध कराई गई जानकारी में सामने आया है कि वर्ष 1997-99 से अब तक अवैध रूप से भवन निर्माण के आरोप में जारी किए गए चालानों की 42 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लंबित है। यह राशि करीब 27 वर्षों से निगम के खाते में जमा नहीं हो सकी है। अब निगम प्रशासन ने इस पुराने लंबित राजस्व की वसूली को भी अभियान में शामिल किया है।

भंडारी पुल पर खालिस्तानी नारे लिखने वाले दो युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने भंडारी पुल की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखने के आरोप में दो युवकों को घटना के कुछ ही घंटों बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान वरियाम सिंह कालोनी निवासी 26 वर्षीय मंगल सिंह और 23 वर्षीय अर्शदीप सिंह के रूप में हुई है। दोनों के बारे में पुलिस ने बताया कि वे मजदूरी करते हैं। घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर दोनों तक पहुंच बनाई।

पुलिस के अनुसार अर्शदीप सिंह के संपर्क में एक विदेशी हैंडलर होने की जानकारी सामने आई है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों ने कथित तौर पर यह नारे किसके कहने पर लिखे और इसके पीछे क्या उद्देश्य था। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इसके लिए उन्हें किसी तरह का आर्थिक लाभ दिया गया था या नहीं।

पुलिस के मुताबिक घटना के बाद अमेरिका में बैठे खालिस्तान समर्थक अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो जारी किया गया था, जिसमें दीवार पर लिखे नारों का उल्लेख किया गया। पुलिस वीडियो की सामग्री और घटना से उसके संभावित संबंध की जांच कर रही है। अभी इस संबंध की जांच पूरी नहीं हुई है, इसलिए पुलिस की ओर से इसे अंतिम निष्कर्ष के तौर पर पेश नहीं किया गया है।



◆ अर्शदीप का विदेशी हैंडलर से संपर्क, पन्नू के इशारे पर नारे लिखने का आरोप

घटना की जानकारी शनिवार तड़के मिलने के बाद पुलिस ने भंडारी पुल, रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। दीवारों पर लिखे नारों को पुलिस ने साफ करवा दिया।

मनरेगा में रोजगार घटने से गरीब मजदूरों पर बढ़ा असर - चीमा

योजना में बदलाव के आंकड़ों पर चीमा ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलने और इसके तहत रोजगार के अवसरों में कमी को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा। चीमा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने योजना का नाम बदलने के साथ ही ग्रामीण मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले प्रावधानों को भी कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर गरीब, दलित और मजदूर वर्ग पर पड़ रहा है।

पत्रकारवार्ता में चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से लगातार यह दावा किया जाता रहा है कि ग्रामीण रोजगार योजना का केवल नाम बदला गया है और इसके अन्य प्रावधान पहले की तरह ही हैं। हालांकि, उनके अनुसार उपलब्ध आंकड़े इस दावे पर सवाल खड़े करते हैं। उन्होंने कहा कि योजना में रोजगार उपलब्ध कराने वाले कई हिस्सों में बदलाव किए गए हैं, जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों के लिए काम के अवसर कम हुए हैं।

9.56 करोड़ कम दिहाड़ी रोजगार का दावा : चीमा ने दावा किया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष ग्रामीण रोजगार योजना के तहत करीब 9.56 करोड़ कम दिहाड़ी रोजगार उपलब्ध हुआ है। उनके अनुसार पिछले वर्ष करीब 30 करोड़ दिहाड़ी रोजगार उपलब्ध कराया गया था, जबकि इस वर्ष यह आंकड़ा घटकर करीब 20.4 करोड़ रह गया है। उन्होंने इसे ग्रामीण मजदूरों के लिए रोजगार के अवसरों में बड़ी गिरावट बताया।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परिवार अपनी आजीविका के लिए रोजगार गारंटी योजना पर निर्भर हैं। ऐसे में रोजगार के अवसरों में कमी का असर सीधे उनकी आय पर पड़ता है। चीमा ने कहा कि सरकार की किसी भी रोजगार योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देना होना चाहिए, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में मजदूरों के सामने काम के अवसर कम होने की स्थिति पैदा हो रही है।

दलित मजदूरों पर अधिक असर का दावा : पंजाब के वित्त मंत्री ने कहा कि योजना से जुड़े मजदूरों में करीब 87 प्रतिशत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से संबंधित हैं। ऐसे में रोजगार के अवसर घटने का असर इन समुदायों पर अधिक पड़ने का उन्होंने दावा किया। चीमा ने कहा कि ग्रामीण मजदूरों की आय पहले से ही सीमित होती है और रोजगार के दिनों में कमी उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है।

उन्होंने भाजपा सरकार पर गरीब और मजदूर वर्ग के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार के फैसलों का असर उन लोगों पर पड़ रहा है, जो ग्रामीण रोजगार योजना के माध्यम से अपने परिवार का खर्च चलाते हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर घटने के बजाय बढ़ने चाहिए थे, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों को अधिक काम मिल सके।

125 दिन रोजगार के वादे पर उठाए सवाल : चीमा ने कहा कि भाजपा ने ग्रामीण रोजगार योजना के तहत रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर 125 दिन करने का वादा किया था। इसके विपरीत, उनके अनुसार उपलब्ध दिहाड़ी रोजगार में कमी आई है। उन्होंने केंद्र सरकार से ग्रामीण मजदूरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और योजना के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की।

चीमा ने कहा कि रोजगार के आंकड़ों में आई कमी को केवल प्रशासनिक बदलाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसके ग्रामीण परिवारों पर पड़ने वाले प्रभाव का भी आकलन किया जाना चाहिए। उन्होंने केंद्र से योजना के तहत पर्याप्त धन उपलब्ध कराने और मजदूरों को अधिक दिनों तक रोजगार सुनिश्चित करने की मांग की।

चितकारा और एलपीयू में वायरल संदेशों से मचा हंगामा, स्रोत तलाश रही पुलिस

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



चितकारा यूनिवर्सिटी और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में लगातार दो दिन वायरल हुए अलग-अलग संदेशों ने इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित सूचनाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चितकारा यूनिवर्सिटी में छात्रा की मौत या उसके लापता होने से जुड़ी अफवाहें फैलने के बाद हंगामा हुआ, जबकि एलपीयू में छात्रा से दुष्कर्म के आरोपों से संबंधित संदेश वायरल होने पर छात्रों ने नेशनल हाईवे जाम कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस अब वायरल संदेशों के स्रोत और उनके प्रसार की कड़ियों की जांच कर रही है।

चितकारा यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर अचानक संदेश फैलने लगे कि परिसर में एक छात्रा के साथ अनहोनी हुई है। कुछ संदेशों में छात्रा की मौत और कुछ में उसके लापता होने की बात कही गई। एक व्यक्ति के पंडित के वेश में छात्रा से मिलने आने की बात भी प्रसारित की गई। इसके बाद परिसर में तनाव बढ़ गया और छात्रों का पुलिस के साथ विवाद हो गया। पुलिस वाहन के शीशे भी तोड़े गए।

यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने बाद में इन सूचनाओं को गलत और बेबुनियाद बताया। प्रबंधन के अनुसार परिसर में न तो किसी छात्रा की मौत हुई और न ही कोई छात्रा लापता हुई। जिस व्यक्ति को लेकर इंटरनेट मीडिया पर तरह-तरह के दावे किए जा रहे थे, वह छात्रा का अभिभावक था। प्रबंधन ने छात्रों से अपुष्ट संदेशों पर भरोसा न करने की अपील की।

शनिवार को एलपीयू में छात्रा से दुष्कर्म के आरोपों से संबंधित संदेश इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ। संदेश फैलने के बाद छात्रों में आक्रोश बढ़ गया और तड़के करीब चार बजे उन्होंने नेशनल हाईवे जाम कर दिया। इससे जालंधर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने यातायात को वैकल्पिक मार्गों से भेजकर स्थिति संभालने का प्रयास किया।

एलपीयू की रजिस्ट्रार डॉ. मोनिका गुलाटी ने वायरल सूचनाओं को झूठा, बेबुनियाद और मनगढ़ंत बताया। यूनिवर्सिटी ने छात्रों और अभिभावकों से केवल आधिकारिक माध्यमों से प्राप्त जानकारी पर भरोसा करने की अपील की।

एलपीयू मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि संदेश सबसे पहले किस नंबर या इंटरनेट मीडिया खाते से प्रसारित हुआ और आगे किन समूहों में भेजा गया। चितकारा मामले में भी पुलिस वायरल दावों और हंगामे से जुड़े घटनाक्रम की जांच कर रही है।

विश्व पर्यटन दिवस पर उपराज्यपाल ने विदेशी पर्यटकों को जम्मू-कश्मीर आने का दिया न्योता

प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और धार्मिक स्थलों से पर्यटकों को मिलेगा विविध अनुभव, पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा



विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने देश-विदेश के पर्यटकों को केंद्र शासित प्रदेश की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने पर्यटकों से जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक मेहमाननवाजी का अनुभव करने की अपील की। उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर को भारत का ताज बताते हुए यहां मौजूद विविध पर्यटन स्थलों और आकर्षणों को रेखांकित किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में प्रकृति, संस्कृति और आध्यात्मिकता का ऐसा संगम है, जो पर्यटकों को अलग-अलग तरह के अनुभव प्रदान करता है। यहां आने वाले पर्यटक बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों, खूबसूरत झीलों, हरी-भरी घाटियों, विशाल घास के मैदानों और घने जंगलों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर केवल प्राकृतिक सौंदर्य के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए भी जाना जाता है। यहां अनेक ऐतिहासिक स्मारक, प्राचीन धार्मिक स्थल और सांस्कृतिक केंद्र हैं, जो देश और दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सिन्हा ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के दोनों संभागों में पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं। जम्मू क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन के साथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, जबकि कश्मीर घाटी अपनी झीलों, पर्वतीय क्षेत्रों, घास के मैदानों और प्राकृतिक दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पूरे वर्ष पर्यटन गतिविधियां संचालित होती हैं। अलग-अलग मौसम पर्यटकों को अलग अनुभव प्रदान करते हैं। गर्मियों में पहाड़ी और प्राकृतिक स्थल आकर्षण का केंद्र रहते हैं, जबकि सर्दियों में बर्फबारी और शीतकालीन गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

उपराज्यपाल ने साहसिक पर्यटन की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में साहसिक गतिविधियों के साथ प्रकृति आधारित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। इससे युवाओं के लिए रोजगार और स्थानीय लोगों के लिए आय के नए अवसर भी पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन जम्मू-कश्मीर की पर्यटन व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विभिन्न धार्मिक स्थलों पर वर्षभर देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके साथ ही ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रकृति आधारित पर्यटन को बढ़ावा देकर पर्यटकों के ठहरने की अवधि और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है।

मनोज सिन्हा ने पर्यटकों से जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने और यहां के विभिन्न क्षेत्रों को करीब से जानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता के साथ स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और लोगों की गर्मजोशी का अनुभव कर सकते हैं।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर उपराज्यपाल का यह आमंत्रण जम्मू-कश्मीर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत करने के प्रयासों से जुड़ा है। सरकार पर्यटन क्षेत्र के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी जोर दे रही है।

इसके अलावा, उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन से जुड़े बुनियादी ढांचे को लगातार मजबूत किया जा रहा है। पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर संपर्क, आवास, परिवहन और अन्य सुविधाओं के विस्तार पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं और कारोबारियों को पर्यटन क्षेत्र से जोड़कर रोजगार के नए अवसर तैयार किए जा सकते हैं। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से हस्तशिल्प, हस्तकरघा, स्थानीय व्यंजन, परिवहन और छोटे कारोबारों को भी लाभ पहुंचेगा। सिन्हा ने पर्यटकों से स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए जम्मू-कश्मीर की यात्रा का आनंद लेने की अपील की।

बारामुला-उड़ी रेल लाइन सहित लौटाए गए दो परियोजनाओं के प्रस्ताव



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में रेल संपर्क विस्तार से जुड़ी दो महत्वपूर्ण प्रस्तावित परियोजनाओं को फिलहाल आगे बढ़ाने की प्रक्रिया रुक गई है। रेल मंत्रालय ने बारामुला-उड़ी नई रेल लाइन और काजीगुंड-श्रीनगर-बडगाम रेल लाइन के दोहरीकरण से संबंधित प्रस्ताव वापस ले लिए हैं। मंत्रालय की ओर से उत्तरी रेलवे के महाप्रबंधक को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि दोनों प्रस्ताव कैबिनेट सचिवालय द्वारा वापस कर दिए गए हैं और अब विचाराधीन नहीं हैं।

बारामुला-उड़ी रेल लाइन करीब 40 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित नई रेल परियोजना थी। इसका उद्देश्य कश्मीर घाटी के मौजूदा रेल नेटवर्क को नियंत्रण रेखा के निकट स्थित उड़ी क्षेत्र तक पहुंचाना था। परियोजना के अमल में आने से बारामुला और उड़ी के बीच रेल संपर्क स्थापित होता तथा स्थानीय यात्रियों और कारोबारियों को परिवहन का एक अतिरिक्त विकल्प मिल सकता था।

दूसरी परियोजना काजीगुंड से श्रीनगर और बडगाम तक करीब 118 किलोमीटर रेल लाइन के दोहरीकरण से संबंधित थी। इसका उद्देश्य मौजूदा रेल मार्ग की क्षमता बढ़ाना और ट्रेनों के संचालन को अधिक सुगम बनाना था। एकल रेल लाइन पर ट्रेनों के संचालन के दौरान क्रॉसिंग और समय-सारिणी से जुड़ी सीमाएं रहती हैं। दोहरीकरण से दोनों दिशाओं में रेल संचालन की क्षमता बढ़ने की संभावना थी।

डीपीआर तैयार होने के बाद बदला घटनाक्रम : दोनों परियोजनाओं को लेकर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई थी। हालांकि डीपीआर तैयार होना परियोजना की अंतिम प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति नहीं माना जाता। इसके बाद विभिन्न स्तरों पर परियोजना की तकनीकी और वित्तीय व्यवहार्यता की जांच तथा आवश्यक मंजूरियां जरूरी होती हैं।

अब मंत्रालय के ताजा पत्र में दोनों प्रस्तावों को वापस किए जाने की जानकारी दी गई है। पत्र में इन्हें वापस लेने का विस्तृत कारण नहीं बताया गया है। इसलिए फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि भविष्य में संशोधित प्रस्ताव के रूप में इन परियोजनाओं पर फिर विचार किया जाएगा या नहीं।

सीमावर्ती क्षेत्र तक रेल पहुंचाने की थी योजना : बारामुला-उड़ी रेल परियोजना को कश्मीर घाटी के मौजूदा रेल नेटवर्क के विस्तार के रूप में देखा जा रहा था। उड़ी रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्र है। रेल संपर्क बनने से क्षेत्र में यात्रियों के आवागमन के साथ स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी परिवहन सुविधा मिलने की संभावना थी।

जम्मू संभाग में तीन नशा तस्कर गिरफ्तार, हेरोइन और संपत्ति जब्त

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू संभाग में नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सांबा और कठुआ जिलों में अलग-अलग स्थानों से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों के कब्जे से कुल 19.46 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। वहीं, डोडा जिले में एनडीपीएस मामले में एक आरोपित की 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अचल संपत्ति भी जब्त की गई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, सांबा के सिडको चौक पर जांच के दौरान मोटरसाइकिल सवार सुरजीत कुमार को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 8.23 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। इसी तरह सांबा के बारी ब्राह्मणा क्षेत्र में गश्त कर रही पुलिस टीम ने हरिया चक निवासी संजीव कुमार को रोका। तलाशी के दौरान उसके पास से 6.23 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। कठुआ में पुलिस ने शनिवार देर रात कुकी चक के पास जांच के दौरान शमस दीन को पकड़ा। उसके कब्जे से पांच ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने तीनों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए हैं।

तवी रिवर फ्रंट के विस्तार पर ब्रेक, केंद्र की मंजूरी और फंडिंग के इंतजार में अटके दोनों चरण

पहला चरण पूरा होने के बाद विस्तार की योजना को केंद्र से मंजूरी और धनराशि का इंतजार



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। गुजरात के साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर विकसित किए जा रहे तवी रिवर फ्रंट का पहला चरण पूरा हो चुका है, लेकिन दूसरे और तीसरे चरण का काम अभी प्रस्ताव और मंजूरी के स्तर पर अटका हुआ है। राज्य स्तर पर दोनों चरणों को मंजूरी मिल चुकी है, जबकि अंतिम स्वीकृति और वित्तीय सहायता के लिए प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास भेजा गया है।

तवी रिवर फ्रंट के दूसरे चरण में बिक्रम चौक से गुज्जर नगर और तीसरे चरण में गुज्जर नगर से हरि की पौढ़ी तक का क्षेत्र विकसित करने की योजना है। तीनों चरण पूरे होने के बाद तवी नदी के किनारे पर्यटन और मनोरंजन सुविधाओं के विस्तार के साथ जम्मू शहर के स्वरूप में भी बदलाव की उम्मीद है।

135.45 करोड़ से पूरा हुआ पहला चरण : जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत तवी रिवर फ्रंट के पहले चरण का निर्माण बैराज से बिक्रम चौक पुल तक किया है। करीब 2.70 किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस चरण पर 135.45 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। परियोजना का निर्माण जनवरी 2022 में शुरू किया गया था।

परियोजना के तहत तवी नदी के दोनों किनारों को विकसित करने के साथ बाढ़ से बचाव, मनोरंजक स्थलों और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए सुविधाएं तैयार की गई हैं। नदी के बहाव क्षेत्र को 250 से 300 मीटर की चौड़ाई में व्यवस्थित किया गया है। इसके अलावा चार प्रोमेनेड बनाए गए हैं। रिवर फ्रंट का यह हिस्सा अब स्थानीय लोगों और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

केंद्र की मंजूरी के बाद शुरू होगा अगला चरण : दूसरे चरण के प्रस्ताव को सात अगस्त 2026 को यूनियन टेरिटरी स्तर की तकनीकी समिति के समक्ष रखा गया था। इसके बाद 31 अगस्त को उच्चाधिकार प्राप्त संचालन समिति ने इसे मंजूरी दे दी। अब प्रस्ताव अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की शीर्ष समिति के पास भेजा गया है। परियोजना के लिए अरबन चैलेंज फंड के तहत वित्तीय सहायता लेने का प्रस्ताव है। केंद्र से स्वीकृति और धनराशि मिलने के बाद ही दूसरे चरण का निर्माण शुरू हो सकेगा।

करोड़ों की जमीन धोखाधड़ी में फरार आरोपी गिरफ्तार

लंबे समय से फरार आरोपी पर पांच मामले दर्ज, फर्जी दस्तावेजों से जमीन सौदों का आरोप



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने जमीन धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी लेन-देन से जुड़े कई मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई श्रीनगर की सब-जज अदालत के आदेश के बाद की गई। क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपी के खिलाफ पांच मामले दर्ज हैं और इन मामलों में करोड़ों रुपये की कथित वित्तीय धोखाधड़ी सामने आई है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोम नाथ कौल के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार वह कैलाश नाथ कौल का पुत्र है और मूल रूप से लोटस टावर, बैंगलोर नॉर्थ, कर्नाटक का रहने वाला बताया गया है। वर्तमान में वह जम्मू के जानीपुर क्षेत्र में रह रहा था।

अधिकारियों ने बताया कि अदालत के आदेशों के अनुपालन और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए ईओडब्ल्यू कश्मीर ने विशेष टीम गठित की थी। टीम ने लगातार प्रयास और कानूनी प्रक्रिया के तहत आरोपी की तलाश की। कई वर्षों से फरार होने के कारण उसके संबंध में कई बार सार्वजनिक सूचना भी जारी की गई थी।

जांच एजेंसी के अनुसार आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए अलग-अलग नामों का इस्तेमाल करता था। जांच में उसके कई नाम सामने आए हैं। इनमें सोम नाथ कौल, बृज नाथ भट्ट, मोहन लाल धर और हादी नाथ धर शामिल हैं।

क्राइम ब्रांच ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और प्रवासियों की संपत्तियों से जुड़े कथित जमीन फर्जीवाड़े के पांच मामले दर्ज हैं। इन मामलों में जमीन के लेन-देन के लिए कथित तौर पर फर्जी अधिकार-पत्र और बिक्री समझौतों का इस्तेमाल किए जाने की जांच चल रही है।

एजेंसी के अनुसार एक मामले में आरोपी लंबे समय तक न्यायिक प्रक्रिया में उपस्थित नहीं हुआ। इसके चलते जांच एजेंसी ने पहले ही दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 512 के तहत उसकी गैरमौजूदगी में आरोपपत्र दाखिल किया था।

जांच में आरोप है कि आरोपी ने जमीन के सौदों के दौरान अलग-अलग पहचान का इस्तेमाल कर लोगों को लेन-देन के लिए तैयार किया। अधिकारियों के अनुसार इन मामलों में करोड़ों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता सामने आई है। इसमें अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

ईओडब्ल्यू अब आरोपी के वित्तीय लेन-देन, संपत्ति सौदों और संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है। एजेंसी यह भी पता लगाने में जुटी है कि कथित फर्जीवाड़े में कितनी संपत्तियां शामिल हैं और इससे जुड़े अन्य लोगों की क्या भूमिका रही है।

बुखारी का एनसी पर हमला कहा- लोगों से किए अधूरे वादे



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। अपनी पार्टी के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को लंबे समय से गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि एनसी की कथनी और करनी में अंतर है तथा जनता से किए गए कई वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। बुखारी की ओर से एनसी पर इस तरह के आरोप पहले भी लगाए जाते रहे हैं।

बुखारी ने कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह पांच वार्डों का दौरा किया और स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि लोगों ने उनके सामने अपनी परेशानियां रखीं और उम्मीद जताई कि उनकी आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचेगी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पारित प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए बुखारी ने एनसी के राजनीतिक रुख पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी जनता के मुद्दों को लेकर गंभीर नहीं रही और उसके बयानों तथा जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों में अंतर दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में पारित प्रस्ताव और अन्य घोषणाओं से लोगों की समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब सरकार उन्हें लागू करने के लिए ठोस कदम उठाए। बुखारी ने एनसी के दिल्ली के साथ राजनीतिक संवाद को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि पार्टी के नेता जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के बीच राजनीतिक संदेशों के आदान-प्रदान में लगे रहते हैं।

स्कास्ट-जम्मू में पांच अक्टूबर से होगा मशरूम उत्पादन का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। किसानों, युवाओं और उद्यमियों को मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (स्कास्ट-जम्मू) के मशरूम अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र की ओर से पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण पांच से नौ अक्टूबर 2026 तक मशरूम अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र में होगा।

केंद्र के प्रभारी प्रो. सचिन गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान बटन, आयस्टर, ढींगरी सहित विभिन्न विशेष मशरूम की खेती की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रतिभागियों को विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ उत्पादन की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण देंगे।

प्रशिक्षण में मशरूम उत्पादन के लिए सब्सट्रेट तैयार करने, स्पानिंग, फसल प्रबंधन, कटाई और कटाई उपरांत प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा कीट एवं रोग प्रबंधन, पाश्चुरीकरण, विसंक्रमण तकनीक और पर्यावरण नियंत्रण जैसे विषयों पर भी प्रशिक्षण होगा।

प्रतिभागियों को मशरूम आधारित उद्यमिता और उत्पादों में मूल्य संवर्धन के अवसरों से भी अवगत कराया जाएगा। इसका उद्देश्य किसानों और युवाओं को मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना है।

हैदरबेग मार्केट में तांबे के बर्तन चोरी का पर्दाफाश तीन आरोपित गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, बारामूला। पट्टन थाना क्षेत्र के हैदरबेग मार्केट में दुकान की दीवार तोड़कर तांबे के बर्तन चोरी करने के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी किए गए सभी तांबे के बर्तन बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, पांच और छह अगस्त की दरमियानी रात हैदरबेग मार्केट में सिंहपुरा निवासी शकील अहमद मलिक की दुकान को चोरों ने निशाना बनाया था। आरोपितों ने दुकान की दीवार तोड़कर बड़ी मात्रा में तांबे के बर्तन चोरी कर लिए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद छह अगस्त को पट्टन थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305 के तहत प्राथमिकी संख्या 186/2026 दर्ज की गई थी।

जगानू से नीली तक बनेगी सड़क 508 लोगों को मिलेगा सीधा लाभ



भारतेंदु संवाददाता, ऊधमपुर। चनैनी-घोरडी विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जगानू से सेर चोम्पल नाला, किलोमीटर तीन से नीली तक सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया ने सड़क की आधारशिला रखी।

बैच-एक (2026-27) के तहत बनने वाली इस सड़क की कुल लंबाई 2.317 किलोमीटर है। परियोजना के लिए 500.16 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। सड़क निर्माण से क्षेत्र के करीब 508 लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ आवश्यक सेवाओं तक पहुंच भी आसान होगी।

इस अवसर पर विधायक मनकोटिया ने ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के प्रति भी क्षेत्र के विकास में सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

मनकोटिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए बेहतर सड़क संपर्क आवश्यक है। सड़क सुविधा मजबूत होने से स्थानीय लोगों को आने-जाने में राहत मिलेगी और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने निर्माण कार्य निर्धारित समय में पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चनैनी-घोरडी विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। जगानू और आसपास के क्षेत्रों में सड़क परियोजना शुरू होने से स्थानीय लोगों में बेहतर संपर्क सुविधा की उम्मीद जगी है।

टंगधार के भूमिगत ऑपरेशन थिएटर में 220 लोगों की आंखों की हुई सफल सर्जरी



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्र करनाह के टंगधार में सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं (एएफएमएस) ने विशेष चिकित्सा अभियान के तहत 220 लोगों की आंखों की सर्जरी कर उनकी दृष्टि बहाल की। 'ऑपरेशन दृष्टि' के तहत आयोजित इस मेगा नेत्र चिकित्सा शिविर में मरीजों को आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

टंगधार जैसे चुनौतीपूर्ण और दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्र में भूमिगत आपरेशन थिएटर तैयार कर मरीजों की सर्जरी की गई। चिकित्सा टीम का नेतृत्व ब्रिगेडियर संजय कुमार मिश्रा ने किया। शिविर में फेकोइमल्सिफिकेशन, रेटिनल और ग्लूकोमा से संबंधित प्रक्रियाओं सहित विभिन्न उन्नत नेत्र शल्य चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस उपलब्धि के लिए सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं की टीम की सराहना की। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर साझा संदेश में कहा कि चुनौतीपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्र में भूमिगत आपरेशन थिएटर में 220 लोगों की दृष्टि बहाल करना उल्लेखनीय उपलब्धि है।

उन्होंने सर्जनों और चिकित्सा सेवाओं से जुड़े सभी कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि ब्रिगेडियर संजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में टीम का समर्पण आपरेशन सद्भावना की भावना को दर्शाता है। दूरदराज के सीमावर्ती गांवों तक आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने से स्थानीय लोगों को उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

अभियान के दौरान आंखों की जांच, आवश्यक परीक्षण और सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराई गई। सीमावर्ती क्षेत्र की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद इतने बड़े स्तर पर नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित करना स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहल रही। अधिकारियों के अनुसार ऐसे अभियानों का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक आवश्यक और उन्नत चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना है।

गोल्फोत्सव गुलमर्ग में राष्ट्रीय स्तर की गोल्फ प्रतियोगिता से कश्मीर में पर्यटन गतिविधियों को मिलेगा नया विस्तार

गुलमर्ग में होगा छठा राष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट, पर्यटन को मिलेगा विस्तार





भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई। इसी क्रम में पर्यटन निदेशक सैयद कमर सज्जाद ने बताया कि गुलमर्ग इस वर्ष छठे राष्ट्रीय स्तर के गोल्फ टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट कश्मीर में गोल्फ पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण होगी।

पर्यटन निदेशक ने बताया कि विभाग टूर्नामेंट को पूरी तरह प्रायोजित करेगा और इसे विभाग के वार्षिक कार्यक्रम कैलेंडर में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष भी इस प्रतियोगिता का आयोजन गुलमर्ग में ही किया जाएगा। उनका कहना है कि गोल्फ को कश्मीर में पर्यटन के प्रमुख आकर्षण के रूप में विकसित करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में पर्यटन के क्षेत्र को विस्तार देने के लिए पर्यटकों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराना जरूरी है। इसके लिए केवल पर्यटन स्थलों का विकास ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पर्यटकों के साथ अच्छा व्यवहार और बेहतर सेवाएं भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर आने वाले पर्यटकों को यहां की प्राकृतिक सुंदरता के साथ स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी का अनुभव भी होना चाहिए।

पर्यटन निदेशक ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर बढ़ती निर्भरता का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक का इस्तेमाल उपयोगी है, लेकिन इससे पर्यटकों के व्यक्तिगत अनुभव पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटक केवल खर्च होने वाली राशि को लेकर चिंतित नहीं होते, बल्कि उनके लिए सेवा की गुणवत्ता, व्यवहार और सुरक्षित अनुभव भी महत्वपूर्ण होता है।

उन्होंने कहा कि मेजबान के चेहरे की मुस्कान और पर्यटकों के प्रति अपनापन कश्मीर की मेहमाननवाजी की पहचान है। पर्यटन से जुड़े लोगों को अपने व्यवहार और सेवाओं में लगातार सुधार करना चाहिए, ताकि यहां आने वाले पर्यटक सुखद अनुभव लेकर लौटें।

सज्जाद ने कहा कि पर्यटन कश्मीर में रोजगार उपलब्ध कराने वाले प्रमुख क्षेत्रों में शामिल है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की आजीविका पर्यटन गतिविधियों से जुड़ी है। ऐसे में पर्यटकों के स्वागत, उनकी जरूरतों को समझने और उन्हें बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पर्यटक आमतौर पर एक निश्चित बजट के साथ कश्मीर आते हैं, लेकिन यदि उन्हें अच्छी सेवा, उचित व्यवहार और बेहतर आतिथ्य मिलता है तो वे अपनी यात्रा पर अधिक खर्च करने के लिए भी तैयार रहते हैं। इससे स्थानीय कारोबार और पर्यटन से जुड़े लोगों को लाभ मिलता है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने कश्मीर में पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए रणनीति तैयार की है। इसमें गोल्फ पर्यटन को प्रमुख क्षेत्रों में शामिल किया गया है। गुलमर्ग की प्राकृतिक सुंदरता और गोल्फ मैदान इसे इस खेल से जुड़े पर्यटन के लिए विशेष स्थान प्रदान करते हैं।

मोबाइल की चमक में सिमटता बचपन, मैदान से दूर हो रहे बच्चे





सुमन डोगरा सोनू
स्वतंत्र लेखक, औद्योगिक क्षेत्र बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

सभी बच्चे सुबह उठकर बाहर भागते थे और मां की आवाज पर घर लौटते थे। आज कई घरों में सुबह बच्चे की पहली तलाश खिलौने या स्कूल बैग की नहीं बल्कि मोबाइल की होती है। कभी शाम का मतलब दोस्तों के साथ मैदान में खेलना था अब कई बच्चों के लिए शाम का मतलब स्क्रीन पर अगला स्तर पार करना है। सवाल यह नहीं कि समय बदल गया है। सवाल यह है कि बदलते समय के साथ कहीं हम खुद को तो नहीं बदलते जा रहे? मोबाइल फोन ने हमारी जिंदगी को आसान बनाया है। एक छोटी-सी स्क्रीन में बैंक बाजार स्कूल दफ्तर मनोरंजन और पूरी दुनिया समा गई है। दूर बैठे व्यक्ति से बात करने के लिए अब दूरी कोई मायने नहीं रखती। जानकारी चाहिए तो इंटरनेट है भुगतान करना है तो कुछ सेकंड काफी हैं। तकनीक ने सचमुच जीवन की रफ्तार बदल दी है। लेकिन हर सुविधा की एक कीमत होती है। तकनीक की कीमत अगर हमारी नींद हमारा स्वास्थ्य हमारे रिश्ते और हमारी मानसिक शांति बनने लगे तो फिर हमें रुककर सोचना होगा।

आज घर में चार लोग हैं तो कई बार चार अलग-अलग स्क्रीन भी हैं। एक कमरे में बैठे लोग एक-दूसरे से कम और अपने-अपने मोबाइल से ज्यादा जुड़े दिखाई देते हैं। बातचीत कम हुई है संदेश बढ़े हैं। मुलाकातें कम हुई हैं वीडियो कॉल बढ़ी हैं। दोस्त सामने बैठा है लेकिन नजर फोन पर है। हम जुड़ तो बहुत गए हैं लेकिन क्या सच में करीब भी आए हैं?

बच्चों की दुनिया में इसका असर और गहरा है। बचपन स्वाभाविक रूप से गतिविधि जिज्ञासा और संवाद का समय होता है। बच्चे खेलकर सीखते हैं सवाल पूछकर समझते हैं और लोगों के साथ रहकर सामाजिक व्यवहार सीखते हैं। लेकिन जब खेलने की जगह लगातार स्क्रीन ले लेती है तो बच्चे के दिन का एक बड़ा हिस्सा निष्क्रिय हो जाता है। यहां समस्या केवल स्क्रीन पर बिताए घंटों की नहीं है। असली सवाल है कि उस स्क्रीन ने बच्चे से क्या छीन लिया। क्या उसने मैदान का समय छीन लिया? क्या नींद कम हुई? क्या किताब से दूरी बढ़ी? क्या परिवार से बातचीत घट गई? क्या बच्चा मोबाइल हटते ही बेचैन होने लगा? यदि इन सवालों के जवाब हां में हैं तो मामला केवल मोबाइल इस्तेमाल करने का नहीं रह जाता। फिर यह हमारी आदतों और जीवनशैली का सवाल बन जाता है। बच्चों को तकनीक से दूर रखना संभव नहीं है और शायद जरूरी भी नहीं। लेकिन उन्हें तकनीक का सही इस्तेमाल सिखाना परिवार की जिम्मेदारी जरूर है।

और फिर आता है डिजिटल दुनिया का दूसरा ज्यादा खतरनाक चेहरा—ऑनलाइन गेमिंग। गेम खेलना अपने आप में कोई अपराध नहीं है। खेल मनोरंजन का हिस्सा हो सकते हैं। लेकिन जब खेल में पैसा जुड़ जाए और जीत को आसान कमाई समझ लिया जाए तो यही मनोरंजन आर्थिक जाल में बदल सकता है।

शुरुआत अक्सर छोटी होती है। कोई व्यक्ति कुछ रुपये लगाता है जीत जाता है और उसे लगता है कि पैसा कमाना कितना आसान है। फिर वह ज्यादा लगाने लगता है। हार होती है तो नुकसान वापस पाने के लिए फिर पैसा लगाता है। यही वह चक्र है जिसमें आदमी कई बार यह समझ ही नहीं पाता कि वह खेल नहीं रहा बल्कि खेल उसे चला रहा है।

सस्ते इंटरनेट और स्मार्टफोन ने ऑनलाइन दुनिया को देश के कोने-कोने तक पहुंचाया। डिजिटल भुगतान ने लेन-देन को और आसान बनाया। ऑनलाइन रम्मी फैंटेसी स्पोर्ट्स और दूसरे वास्तविक धन वाले मंच तेजी से लोकप्रिय हुए। कानूनी बहसों और अदालतों के फैसलों ने कुछ खेलों को कौशल आधारित गतिविधियों के रूप में भी देखा। लेकिन कानून अपनी जगह है और सामाजिक जोखिम अपनी जगह। किसी खेल का कानूनी होना यह नहीं बताता कि हर व्यक्ति उसके परिणामों से सुरक्षित रहेगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

बढ़ता मानसिक दबाव और अकेलापन आत्महत्या की प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता





केशव शर्मा 'रसिक'
स्वतन्त्र लेखक ,गांव-कोटला,
घुमारवीं।

आज के दौर में देश में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक और दुखद सामाजिक समस्या बनती जा रही है। जीवन में आने वाली परेशानियों, मानसिक दबाव, पारिवारिक तनाव, आर्थिक कठिनाइयों, सामाजिक अपेक्षाओं और भविष्य को लेकर असुरक्षा के कारण अनेक लोग स्वयं को बेहद अकेला और असहाय महसूस करने लगते हैं। यह केवल किसी एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि परिवार, समाज और व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। जरूरत इस बात की है कि हम इस विषय को केवल व्यक्तिगत समस्या मानकर नजरअंदाज न करें, बल्कि इसे सामाजिक और मानवीय दृष्टिकोण से समझें।

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोगों पर सफल होने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। विद्यार्थियों पर अच्छे अंक लाने, युवाओं पर करियर बनाने और नौकरी पाने तथा परिवार के कमाने वाले सदस्यों पर आर्थिक जिम्मेदारियां पूरी करने का दबाव रहता है। जब अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं तो व्यक्ति स्वयं को असफल समझने लगता है। कई बार छोटी-सी असफलता भी व्यक्ति को इतनी बड़ी लगने लगती है कि उसे आगे का रास्ता दिखाई नहीं देता। ऐसे समय में परिवार और समाज का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

ऐसे समय में मानसिक परेशानी को कमजोरी मानने के बजाय उसे गंभीरता से समझना आवश्यक है। किसी व्यक्ति का लगातार उदास रहना, लोगों से दूरी बनाना, निराशा व्यक्त करना या अपने भविष्य को लेकर अत्यधिक नकारात्मक बातें करना इस बात का संकेत हो सकता है कि उसे भावनात्मक सहारे की आवश्यकता है। ऐसे संकेतों को नजरअंदाज करने के बजाय परिवार और आसपास के लोगों को संवेदनशीलता के साथ उसकी बात सुननी चाहिए। कई बार किसी व्यक्ति को समाधान से पहले केवल यह भरोसा चाहिए होता है कि कोई उसके साथ खड़ा है।

संयुक्त परिवारों के कमजोर होने और व्यस्त जीवनशैली के कारण परिवार के सदस्यों के बीच संवाद कम हुआ है। कई बार घर में सभी लोग एक-दूसरे के साथ रहते हुए भी अपनी समस्याएं साझा नहीं कर पाते। बच्चों और युवाओं को डांटने या उनकी तुलना दूसरों से करने के बजाय उनकी बात धैर्यपूर्वक सुनना जरूरी है। हर बच्चा और हर युवा अपनी अलग क्षमता और परिस्थिति के साथ आगे बढ़ता है। इसलिए उसकी तुलना किसी दूसरे से करना उसके आत्मविश्वास को कमजोर कर सकता है। कई समस्याओं का समाधान केवल इतना करने से शुरू हो सकता है कि सामने वाले व्यक्ति को यह महसूस हो कि कोई उसे समझने और सुनने के लिए मौजूद है।

बेरोजगारी, कर्ज, पारिवारिक विवाद, असफल रिश्ते, परीक्षा या करियर का दबाव तथा सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने की चिंता भी व्यक्ति के मानसिक तनाव को बढ़ा सकती है। सोशल मीडिया ने भी तुलना की प्रवृत्ति को बढ़ाया है। लोग दूसरों के जीवन की चमक-दमक देखकर अपने जीवन को कमतर समझने लगते हैं, जबकि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली तस्वीरें किसी व्यक्ति के पूरे जीवन की वास्तविकता नहीं होतीं। हमें यह समझना होगा कि हर व्यक्ति के जीवन में संघर्ष और कठिनाइयां होती हैं। इसलिए आभासी दुनिया को वास्तविक जीवन का पैमाना बनाना उचित नहीं है।

आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, विद्यालय, महाविद्यालय, कार्यस्थल और समाज सभी को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें व्यक्ति अपनी परेशानियों के बारे में बिना डर और संकोच के बात कर सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

खुद को समझना सीखें

आज की दुनिया में हम जितना अपने बारे में सोचते हैं, उससे कहीं अधिक दूसरों के बारे में जानने की कोशिश करते हैं। कौन क्या कर रहा है, किसने क्या हासिल किया, किसकी नौकरी बेहतर है, किसका घर बड़ा है, किसका रिश्ता खुशहाल दिखाई देता है और कौन जीवन में हमसे आगे निकल गया है—इन सवालों ने धीरे-धीरे हमारे भीतर ऐसी बेचैनी पैदा कर दी है, जिसका हमें कई बार एहसास भी नहीं होता। हम दूसरों की जिंदगी को देखते-देखते अपनी ही जिंदगी से दूर होते जा रहे हैं। दूसरों की उपलब्धियों, खुशियों और चमक को देखकर हम अपने जीवन को कमतर आंकने लगते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हर व्यक्ति की यात्रा अलग होती है और हर जीवन की अपनी एक कहानी होती है।

दूसरों की जिंदगी बाहर से जितनी सुंदर दिखाई देती है, जरूरी नहीं कि वह भीतर से भी वैसी ही हो। आज सामाजिक माध्यमों ने इस भ्रम को और गहरा कर दिया है। तस्वीरों में मुस्कुराते चेहरे, यात्राओं की झलक, महंगे सामान, सफलताओं की खबरें और खुशहाल रिश्तों की तस्वीरें देखकर हमें लगता है कि बाकी सभी लोग हमसे ज्यादा खुश हैं। लेकिन तस्वीर केवल एक पल दिखाती है, पूरी जिंदगी नहीं। किसी के संघर्ष, असफलताएं, अकेलापन, डर और परेशानियां तस्वीरों में दिखाई नहीं देतीं। इसलिए किसी दूसरे के जीवन की दिखाई देने वाली चमक को अपनी पूरी जिंदगी से तुलना करना उचित नहीं है।

आत्म-खोज की शुरुआत उस दिन होती है, जब हम दूसरों को देखने के बजाय स्वयं को देखना शुरू करते हैं। हमें खुद से पूछना चाहिए कि आखिर हम वास्तव में चाहते क्या हैं। क्या हमारी इच्छाएं सच में हमारी हैं या हमने उन्हें समाज, परिवार और आसपास के लोगों को देखकर अपना लिया है? क्या हम वह जीवन जी रहे हैं, जिससे हमें संतोष मिलता है या केवल दूसरों की नजर में सफल दिखाई देना चाहते हैं? इन सवालों के जवाब आसान नहीं होते, लेकिन इन्हीं सवालों के भीतर हमारी वास्तविक पहचान छिपी होती है।

अपने भीतर झांकने के लिए हमेशा किसी बड़े बदलाव की आवश्यकता नहीं होती। कभी-कभी कुछ समय अकेले बिताना ही पर्याप्त होता है। शांत वातावरण में बैठकर अपने विचारों को सुनना, अपनी पसंद-नापसंद को समझना, पुरानी गलतियों से सीखना और भविष्य को लेकर अपनी वास्तविक इच्छाओं को पहचानना आत्म-खोज की दिशा में पहला कदम हो सकता है। जब हम लगातार बाहरी शोर में घिरे रहते हैं, तब भीतर की आवाज सुनाई नहीं देती। इसलिए जीवन में कुछ पल ऐसे भी होने चाहिए, जब हम दुनिया से नहीं, स्वयं से संवाद करें।

दूसरों से तुलना करने की आदत हमारी मानसिक शांति को धीरे-धीरे कमजोर कर देती है। कोई हमसे पहले सफल हो सकता है, कोई हमसे ज्यादा धन कमा सकता है, किसी को हमसे पहले प्रेम मिल सकता है और कोई जीवन में ऐसी मंजिल हासिल कर सकता है, जिसे पाने का सपना हमने भी देखा था। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हमारी यात्रा समाप्त हो गई। हर व्यक्ति का समय अलग होता है। किसी की सुबह जल्दी होती है तो किसी की देर से। महत्वपूर्ण यह नहीं कि हम दूसरों से कितने पीछे या आगे हैं, बल्कि यह है कि हम अपनी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं या नहीं।

अपने जीवन का मूल्य दूसरे व्यक्ति की उपलब्धियों से तय करना बंद करना होगा। यदि किसी ने कुछ हासिल किया है तो उससे प्रेरणा ली जा सकती है, लेकिन उसे अपनी असफलता का प्रमाण मानना स्वयं के साथ अन्याय है। दूसरों की सफलता देखकर निराश होने के बजाय यह देखना चाहिए कि उससे हम क्या सीख सकते हैं। प्रेरणा और तुलना में यही अंतर है। प्रेरणा हमें आगे बढ़ाती है, जबकि तुलना कई बार हमें भीतर से तोड़ देती है।

अपनी आत्मा को खोजने का अर्थ यह भी है कि हम अपनी कमियों को स्वीकार करना सीखें। हर इंसान पूर्ण नहीं होता। हमारे भीतर कुछ खूबियां हैं तो कुछ कमजोरियां भी हैं। खुद को स्वीकार करने का मतलब अपनी कमियों को हमेशा बनाए रखना नहीं, बल्कि उन्हें समझकर बेहतर बनने की कोशिश करना है। जब हम स्वयं को स्वीकार करते हैं, तब दूसरों की स्वीकृति की जरूरत कम होने लगती है। फिर हम केवल इसलिए निर्णय नहीं लेते कि लोग हमारे बारे में क्या सोचेंगे।

जीवन में कुछ रिश्ते हमें मजबूत बनाते हैं और कुछ अनुभव हमें बदल देते हैं। इसलिए अपने अतीत को लेकर लगातार पछताने के बजाय उससे सीखना चाहिए। जो बीत चुका है, उसे बदला नहीं जा सकता, लेकिन उससे मिली सीख हमारे आने वाले जीवन की दिशा बदल सकती है। स्वयं को खोजने वाला व्यक्ति अपने अतीत से भागता नहीं, बल्कि उसे समझता है और फिर आगे बढ़ता है।

कई बार हम अपनी खुशी भी दूसरों के हाथों में सौंप देते हैं। कोई हमें महत्व दे तो हम खुश, कोई हमें नजरअंदाज करे तो दुखी। कोई हमारी तारीफ करे तो आत्मविश्वास बढ़ता है और कोई आलोचना करे तो हम स्वयं को संदेह की नजर से देखने लगते हैं। यह निर्भरता धीरे-धीरे हमारी आंतरिक शक्ति को कमजोर करती है। सच्ची शांति तब आती है जब हमारा आत्मसम्मान केवल दूसरों की राय पर निर्भर नहीं रहता।

- शिवांश धाकड़

कविता

दो कदम साथ ना चल सके?

संजय एम तराणेकर (कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

जिसने तुम्हें जीवन दिया,
अपनी हर खुशी तुम पर वार दी,
खुद जागकर रातें काटीं,
तुम्हारे हिस्से नींद उतार दी।
उंगली थामकर चलना सिखाया,
गिरने पर हर बार संभाला,
अपने हिस्से की धूप सहकर,
तुम्हें सदा छांव में पाला।
आज वही चेहरा थका-सा है,
समय की रेखाओं में खोया,
जिस आंगन में जीवन महका,
वह आंगन आंसुओं में रोया।
आज अंतिम यात्रा की बेला है,
हर रिश्ता गहरा हो आया,
कौन अपना, कौन पराया है,
सच ने सबका चेहरा दिखाया।
जिसने तुम्हें जीवन दिया था,
क्या तुम उसके साथ चलोगे?
उसके अंतिम सफर में क्या,
दो कदम भी साथ चलोगे?
क्या रिश्ते अब स्क्रीन पर हैं,
संदेशों में निभते जाते हैं?
पैसे भेजकर फर्ज समझकर,
क्या अहसान जताते जाते हैं?
एक स्पर्श की कीमत पूछो,
जब हाथ सदा के लिए छूटे,
एक बार गले लगाने को,
कितने रिश्ते पीछे छूटे।

एक ही चट्टान से निर्मित महादेव मंदिर में आज भी जीवंत हैं प्राचीन धार्मिक परंपराओं की झलक





तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

हिमाचल प्रदेश के जिला मंडी के अंतर्गत आता सुंदरनगर वास्तव में सौंदर्य का बेजोड़ नमूना है। एक ओर हरी-भरी घाटियों के नयनाभिराम और विहंगम दृश्य सैलानियों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करते हैं, वहीं दूसरी ओर इसके इर्द-गिर्द स्थित पुरातन एवं ऐतिहासिक धार्मिक-पर्यटन स्थल हर किसी को अपनी ओर खींच लेते हैं। अपने अभूतपूर्व सौंदर्य से सैलानियों को मंत्रमुग्ध करने के साथ-साथ यहां के प्राचीन धार्मिक स्थल श्रद्धालुओं के हृदय को भी आनंदित करते हैं। इसी कड़ी में सुंदरनगर में स्थित भगवान भोलेनाथ को समर्पित महादेव मंदिर अपनी दिव्यता, प्राचीनता और अद्भुत शिल्पकला के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र है।

किंवदंतियों के अनुसार सभी पांडव शिव भक्त थे और कहा जाता है कि अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने सुंदरनगर के इर्द-गिर्द तीन मंदिर स्थापित किए थे, जिनमें यह महादेव मंदिर भी शामिल है। मान्यता है कि पांडव यहां पूजा-अर्चना किया करते थे। जनश्रुति के अनुसार पूजा के दौरान पांडव एक बहुत विशाल ढोल भी बजाया करते थे, जिसे भीम का ढोल कहा जाता है और जो आज भी मंदिर के भीतर प्रत्यक्ष रूप में विद्यमान है। मंदिर की ऐतिहासिकता इसकी शिल्पकला, पत्थरों और दीवारों पर हुई उत्कृष्ट नक्काशी से सहज ही ज्ञात होती है। भित्तियों और गुम्बदों में उकेरी गई चित्रकारी तथा विभिन्न देवी-देवताओं की सुंदर प्रतिमाएं मंदिर की भव्यता में चार चांद लगाती हैं।

मान्यता है कि यह मंदिर एक ही चट्टान से बना हुआ है। मंदिर के अंदर अवस्थित पुरातन शिवलिंग और उसके साथ फन फैलाए नाग देवता की प्रतिमा श्रद्धालुओं का मन मोह लेती है। शिवलिंग पर गागर से अविरल टपकती जलधारा का दृश्य मन को आत्मविभोर कर देता है। यहां अखंड ज्योति भी रात-दिन निर्बाध रूप से जलती रहती है। भोलेशंकर तथा मां पार्वती की अलौकिक प्राचीन मूर्तियों के आगे हर कोई नतमस्तक हुए बिना नहीं रह सकता। मंदिर के प्रवेश द्वार के ऊपर गणेशजी की उत्कृष्ट प्रतिमा विद्यमान है, वहीं शिव-पार्वती, शेर, दुर्गा माता और पंचमुखी हनुमानजी की प्रतिमाएं भक्तजनों का मन मोह लेती हैं।

मंदिर के बाहरी चारों ओर उत्कीर्ण की गई नक्काशी और विभिन्न देवी-देवताओं की उकेरी गई अद्भुत प्रतिमाएं वास्तव में हृदय तल को छू लेती हैं। मंदिर प्रांगण में वटवृक्ष की तरह फैले पीपल के पेड़ के नीचे अवस्थित हनुमानजी की भव्य प्रतिमा भी अलौकिक आनंद प्रदान करती है। भक्तजन हनुमानजी तथा पीपल देवता को धूप-दीप, जल और पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना करते हुए अक्सर देखे जा सकते हैं। पीपल के इर्द-गिर्द श्रद्धालुओं द्वारा की जाने वाली परिक्रमा का दृश्य मंदिर की दिव्यता को और बढ़ा देता है।

मंदिर में पूर्ण शिव चालीसा भी अंकित की गई है। सुबह-शाम आरती करने की परंपरा अनवरत चली आ रही है। आरती के समय विद्युत चलित नगाड़े की कर्णप्रिय ध्वनि श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर देती है और भक्तजन भक्ति सागर में इस कदर रम जाते हैं जैसे उनका भोलेनाथ से प्रत्यक्ष संवाद हो रहा हो। मंदिर में अनेक प्राचीन मूर्तियों के अतिरिक्त पुरातन पाषाण प्रतिमाएं भी मौजूद हैं। मंदिर की बाहरी दीवारों पर बड़ी बारीकी से उत्कीर्ण विभिन्न देवी-देवताओं की सुंदर प्रतिमाएं इसकी शोभा में और भी इजाफा करती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सच्ची सफलता वही, जिसमें जीवन में संतोष संबंध और मानसिक शांति भी बनी रहे





विक्रम वर्मा
प्रवक्ता अंग्रेज़ी, शिक्षा खंड मैहला,
जिला चम्बा

आज और राष्ट्र की प्रगति में मानव संसाधन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। तकनीक और प्रौद्योगिकी कितनी भी विकसित क्यों न हो जाएं, यदि मनुष्य के जीवन में संतोष, खुशी और मानसिक शांति नहीं है तो विकास का वास्तविक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज मनुष्य पहले की तुलना में अधिक सुविधासंपन्न है। उसके पास बेहतर साधन हैं, संचार के तेज माध्यम हैं और अवसरों के अनेक रास्ते खुले हैं। इसके बावजूद यह विचार करना जरूरी है कि क्या सुविधाओं की बढ़ोतरी के साथ मनुष्य वास्तव में अधिक प्रसन्न भी हुआ है। तकनीक ने जीवन को सरल बनाया है, लेकिन मानसिक शांति और सुकून कहीं पीछे छूटते दिखाई दे रहे हैं।

वर्तमान समय में समाज के लगभग हर वर्ग पर कार्यस्थल का दबाव, लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा, आर्थिक असुरक्षा, सामाजिक अपेक्षाएं और दूसरों से तुलना का बोझ बढ़ता जा रहा है। सफलता की दौड़ इतनी तेज हो गई है कि लोग कई बार यह भूल जाते हैं कि आखिर वे किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जीवन की उपलब्धियों को ही सफलता का एकमात्र पैमाना मानने से व्यक्ति धीरे-धीरे अपने रिश्तों, स्वास्थ्य, आनंद और आत्मसंतोष से दूर होता जाता है। अधिक धन, बड़ा पद और सामाजिक प्रतिष्ठा निश्चित रूप से जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हो सकते हैं, लेकिन इन्हें खुशहाल जीवन का अंतिम प्रमाण मान लेना उचित नहीं है।

सबसे पहले हमें बचपन को फिर से बचपन बनने देना होगा। आज बच्चों पर पढ़ाई, परीक्षा, अतिरिक्त कक्षाओं और प्रतियोगिता का दबाव लगातार बढ़ रहा है। कई बार माता-पिता की महत्वाकांक्षाएं बच्चों की स्वाभाविक इच्छाओं और रुचियों पर भारी पड़ जाती हैं। हर परीक्षा जीवन-मरण का प्रश्न और हर अंक आत्मविश्वास का पैमाना बन जाता है। बच्चों को केवल अच्छे अंक प्राप्त करने वाली मशीन बनाने के बजाय संवेदनशील, जिज्ञासु और आत्मविश्वासी मनुष्य के रूप में विकसित करना जरूरी है। उन्हें खेलने, प्रकृति के साथ समय बिताने, प्रश्न पूछने, रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लेने और अपनी गलतियों से सीखने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। माता-पिता को केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि बच्चे ने कितने अंक हासिल किए, बल्कि यह भी जानना चाहिए कि उसने आज क्या नया सीखा और किस बात ने उसे खुशी दी।

विद्यालयों को भी परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था से आगे बढ़कर शिक्षा को जीवन से जोड़ना होगा। खेल, कला, संगीत, योग, ध्यान, जीवन-कौशल और मानवीय मूल्यों को शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करने की तैयारी नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार, संवेदनशील और आत्मनिर्भर व्यक्ति का निर्माण भी है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि एक परीक्षा में मिली असफलता पूरे जीवन की असफलता नहीं होती। जीवन में एक रास्ता बंद होने का अर्थ यह नहीं कि आगे बढ़ने के सभी रास्ते बंद हो गए।

युवाओं के सामने भी आज अनेक प्रकार की चुनौतियां हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की लंबी तैयारी, रोजगार की अनिश्चितता और सामाजिक अपेक्षाएं उन्हें लगातार दबाव में रखती हैं। सामाजिक माध्यमों पर दूसरों की उपलब्धियां देखकर कई युवा अपनी यात्रा को कमतर समझने लगते हैं। उन्हें यह समझना होगा कि हर व्यक्ति का समय और रास्ता अलग होता है। किसी एक परीक्षा का परिणाम किसी व्यक्ति की पूरी क्षमता तय नहीं करता। समाज को भी युवाओं से केवल नौकरी और आय के बारे में पूछने के बजाय उनके सपनों, रुचियों और मानसिक स्थिति को समझने की कोशिश करनी चाहिए।

कार्यस्थल पर भी मनुष्य को केवल कर्मचारी या उत्पादन की इकाई मानना उचित नहीं है। उत्पादकता महत्वपूर्ण है, लेकिन मानवीय गरिमा उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। ऐसा वातावरण होना चाहिए जहां काम के साथ विश्राम, अवकाश और निजी जीवन के लिए भी पर्याप्त स्थान मिले। मानसिक रूप से स्वस्थ और प्रसन्न कर्मचारी अधिक रचनात्मक ढंग से काम कर सकता है। लगातार दबाव, काम के लंबे घंटे और निजी जीवन की अनदेखी किसी भी व्यक्ति के संतुलन को प्रभावित कर सकती है। इसलिए संस्थानों को ऐसी कार्य संस्कृति विकसित करनी चाहिए, जिसमें उपलब्धियों के साथ मनुष्य के कल्याण को भी महत्व मिले।

बुजुर्गों को भी समाज की मुख्यधारा से अलग नहीं किया जाना चाहिए। उम्र बढ़ने का अर्थ निष्क्रिय हो जाना नहीं है। बुजुर्गों के पास अनुभव, ज्ञान और जीवन से अर्जित समझ का विशाल भंडार होता है। परिवार और समाज को उन्हें सम्मान के साथ सक्रिय जीवन जीने के अवसर देने चाहिए। उनके अनुभवों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना परिवार और समाज दोनों के लिए उपयोगी हो सकता है। एक ऐसा समाज, जो अपने बुजुर्गों का सम्मान करता है, अपनी स्मृतियों और अनुभवों को भी सुरक्षित रखता है।

अब समय आ गया है कि हम सफलता की परिभाषा पर दोबारा विचार करें। सफलता केवल धन, पद, प्रसिद्धि या प्रतिष्ठा हासिल करने का नाम नहीं है। यदि किसी व्यक्ति के पास बहुत कुछ है, लेकिन उसके पास अपने परिवार के लिए समय नहीं, स्वास्थ्य की उपेक्षा है और मन में शांति नहीं है, तो उसकी उपलब्धियों को जीवन की पूर्ण सफलता नहीं कहा जा सकता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

मौनी रॉय का फिल्मी सफर

मौनी रॉय भारतीय मनोरंजन जगत की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने टेलीविजन से अपने अभिनय सफर की शुरुआत कर हिंदी फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बनाई। उनका जन्म 28 सितंबर 1985 को हुआ। वर्ष 2006 में उन्होंने धारावाहिक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने पौराणिक धारावाहिक 'देवों के देव...महादेव' में सती की भूमिका निभाकर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इस किरदार में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया और टेलीविजन जगत में उनकी पहचान मजबूत हुई। इसके बाद उन्होंने 'जुनून-ऐसी नफरत तो कैसा इश्क' में मीरा का किरदार निभाया।



मौनी रॉय
जन्म : 28 सितंबर 1985

मौनी रॉय को सबसे अधिक लोकप्रियता धारावाहिक 'नागिन' से मिली, जिसमें उन्होंने इच्छाधारी नागिन की भूमिका निभाई। वर्ष 2015 से 2016 तक प्रसारित इस धारावाहिक ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद वह 'नागिन-2' में भी नजर आईं। टेलीविजन पर सफलता हासिल करने के बाद मौनी रॉय ने फिल्मों की ओर रुख किया। वर्ष 2011 में उन्होंने फिल्म 'हीरो हिटलर इन लव' से फिल्मी सफर शुरू किया। इसके बाद वर्ष 2018 में अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'गोल्ड' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में प्रवेश किया। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों से सराहना मिली तथा उन्हें सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामांकन भी मिला। मौनी रॉय ने इसके बाद अलग-अलग तरह की भूमिकाओं में अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का प्रयास किया।

वर्ष 2022 में आई फंतासी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन-शिवा' में उन्होंने जुनून नामक किरदार निभाया। इस भूमिका में उनके अभिनय को विशेष रूप से सराहा गया और उन्हें आईफा पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। इस भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार में भी नामांकन मिला। टेलीविजन और फिल्मों के अलावा मौनी रॉय नृत्य और मंचीय प्रस्तुतियों में भी सक्रिय रही हैं। उनकी पहचान एक ऐसी कलाकार के रूप में बनी है, जिन्होंने छोटे पर्दे से शुरुआत कर बड़े पर्दे तक अपनी जगह बनाई।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

मायावती ने बसपा संगठन को तीन सेक्टरों में बांटा

मायावती ने केंद्र और राज्य सरकारों से आपदा प्रभावित लोगों को राहत देने की अपील की

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने देश के विभिन्न हिस्सों में भारी वर्षा, आंधी और तूफान से उत्पन्न परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए केंद्र और संबंधित राज्य सरकारों से प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय सरकारों को राहत और बचाव कार्यों में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए तथा प्रभावित परिवारों तक समय पर आवश्यक सहायता पहुंचाई जानी चाहिए। मायावती ने रविवार को इंटरनेट मीडिया पर जारी अपने संदेश में देश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार हो रही भारी वर्षा से हुए नुकसान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से कई राज्यों में खराब मौसम के कारण आम जनता कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही है।

ऐसे समय में संबंधित राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के साथ उनके पुनर्वास और आवश्यक सुविधाओं की भी व्यवस्था



करें। बसपा प्रमुख ने महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों में सूखे की स्थिति का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सूखे से प्रभावित लोगों, विशेषकर किसानों को केवल औपचारिक राहत देने के बजाय जमीनी स्तर पर वास्तविक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

किसानों को तत्काल राहत देने के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही मायावती ने बसपा के संगठनात्मक ढांचे में बदलाव की जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी को मजबूत करने और सर्वसमाज में उसका जनाधार बढ़ाने के उद्देश्य से संगठन को तीन क्षेत्रों में बांटा गया है। पहले क्षेत्र में 10 राज्यों को शामिल किया गया है, जिसकी जिम्मेदारी राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम और सुरेश राव को केंद्रीय क्षेत्र प्रभारी के रूप में दी गई है। दूसरे क्षेत्र में नौ राज्य शामिल हैं, जिनका कार्य पूर्व राज्यसभा सदस्य राजाराम और पूर्व विधायक अतर सिंह राव देखेंगे।

मायावती ने केंद्र से मांगी त्वरित मदद

तीसरे क्षेत्र में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को रखा गया है, जिसकी जिम्मेदारी लखनऊ स्थित केंद्रीय कार्यालय से सीधे संभाली जाएगी। मायावती ने चारों केंद्रीय क्षेत्र प्रभारियों से अपील की कि उनके क्षेत्र में आने वाले राज्यों में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की बसपा कार्यकर्ता अपनी क्षमता के अनुसार मदद करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके लिए अलग से धन एकत्र नहीं किया जाना चाहिए, ताकि सहायता के नाम पर किसी प्रकार के अनुचित लाभ की संभावना न रहे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अधिक प्रभावित राज्यों में राष्ट्रीय प्रभारी ईशान आनंद को भी भेजा जा सकता है। मायावती ने कहा कि वह स्वयं सभी राज्यों की स्थिति पर नजर रख रही हैं। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से अधिक प्रभावित राज्यों को समय पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

संस्कृत हमारी संस्कृति की जड़ संरक्षण जरूरी : महंत महेंद्रनाथ

गोरखपुर में संस्कृत और भारतीय संस्कृति पर विद्वानों ने रखे विचार

एजेंसी, गोरखपुर

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 57वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक सम्मेलन के चौथे दिन रविवार को 'संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति' विषय पर संगोष्ठी हुई। इसमें विद्वानों और संतों ने संस्कृत भाषा तथा भारतीय संस्कृति के परस्पर संबंध पर विस्तार से विचार रखे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक ने कहा कि भारत की प्रतिष्ठा संस्कृत और संस्कृति से जुड़ी है। संस्कृत को उन्होंने भारतीय संस्कारों की आधारभूत भाषा बताते हुए कहा कि इन्हीं संस्कारों से संस्कृति का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय जीवन पद्धति और परंपराओं की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

मुख्य अतिथि कटक, ओडिशा से आए

कहा- भारतीय संस्कृति विश्व कल्याण की पक्षधर

विशिष्ट वक्ता प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने भारतीय संस्कृति को विश्व कल्याण और शांति की भावना से जुड़ी संस्कृति बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सभी जीवों, वृक्षों, नदियों और पर्वतों के प्रति सम्मान की भावना रखती है।



महंत शिवनाथ जी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति शांति और विश्व कल्याण की भावना पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में किसी भी मंगल कार्य के अंत में शांति की कामना की जाती है। भगवान श्रीकृष्ण की गीता भारतीय संस्कृति की मूल भावनाओं को सामने रखती है। वर्तमान समय में जब दुनिया के कई देश संघर्ष और युद्ध से जूझ रहे हैं, तब भारतीय संस्कृति शांति का मार्ग दिखा सकती है। महंत डॉ. योगी महेंद्रनाथ जी महाराज ने संस्कृत को भारतीय संस्कृति की जड़ बताते हुए कहा कि जिस प्रकार जड़ के बिना वृक्ष जीवित नहीं रह सकता, उसी प्रकार संस्कृत के संरक्षण के बिना संस्कृति को सुरक्षित रखना कठिन है।

महंत लालनाथ जी महाराज ने कहा कि देश के मांगलिक कार्यों और धार्मिक परंपराओं में संस्कृत का विशेष महत्व है। प्राचीन काल में संस्कृत शिक्षा के लिए गुरुकुलों की परंपरा रही है। हनुमानगढ़ी, अयोध्या के महंत राजू दास जी महाराज ने कहा कि संस्कृत और संस्कृति ने हजारों वर्षों से भारतीय जीवन व्यवस्था को दिशा दी है। उन्होंने हर विषय के साथ संस्कृत का अध्ययन करने पर जोर दिया।

बाराबंकी में सरयू उफनी, कटान का बढ़ा खतरा

हेतमापुर में सरयू नदी के बढ़े जलस्तर का एडीएम ने लिया जायजा, राहत कार्य तेज करने के निर्देश

एजेंसी, बाराबंकी

बाराबंकी में लगातार हो रही बारिश के बाद सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे बसे गांवों में कटान का खतरा बढ़ गया है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। रविवार को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) निरंकार सिंह ने रामनगर तहसील के हेतमापुर गांव पहुंचकर सरयू नदी के बढ़े जलस्तर और संभावित कटान की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली और प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।



निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी ने बाढ़ खंड के अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर तत्काल कटानरोधी कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नदी के जलस्तर में लगातार हो रहे बदलाव और कटान की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए। जिन स्थानों पर कटान की आशंका अधिक है, वहां सुरक्षात्मक कार्यों में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन और श्रमशक्ति उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए, ताकि संभावित आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि नदी के किनारे रहने वाले लोगों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति बिगड़ने की आशंका होने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं और लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की तैयारी पहले से सुनिश्चित रखी जाए।

हाथरस में रिटायर्ड फौजी और पत्नी की धारदार हथियार से हत्या

एजेंसी, हाथरस

जिले के सादाबाद क्षेत्र में रविवार सुबह रिटायर्ड फौजी और उनकी पत्नी की घर के अंदर धारदार हथियार से हत्या किए जाने का मामला सामने आया। दोनों के शव खून से सने मिले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक चिरंजीवी नाथ सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच की। उन्होंने बताया कि आगरा बाईपास मार्ग स्थित बॉडी गांव के पास रहने वाले पूर्व फौजी शमसुद्दीन (58) और उनकी पत्नी सब्बू घर में थे। रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे घर का गेट नहीं खुला तो आसपास के लोगों को संदेह हुआ। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक नाई ने जमीन पर खून के छींटे देखे। उसने परिवार के अन्य सदस्यों और पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी।

परिजनों ने किसी तरह घर का दरवाजा खुलवाया तो अंदर दोनों के शव पड़े मिले। पुलिस के अनुसार दोनों की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किए गए थे। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही घटनास्थल के आसपास आने-जाने वाले लोगों की जानकारी जुटा रही है।

परिवार से मिली जानकारी के अनुसार शमसुद्दीन ने दो शादियां की थीं। पहली शादी वर्ष 1984 में समीना बेगम से हुई थी। संतान नहीं होने पर करीब 15 वर्ष पहले उन्होंने दूसरी शादी की थी। दूसरी पत्नी से दो बेटियां और एक बेटा हैं।

वाराणसी: मन की बात सुनने के बाद भाजपा के पुराने नेताओं में भर गया जोश

एजेंसी, वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के लिए सिगरा स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महानगर कार्यालय पर नए और पुराने कार्यकर्ताओं का जुटना हुआ। मन की बात सुनने के बाद भाजपा के पुराने नेताओं में जोश भर गया। पुराने नेताओं ने मन की बात की जमकर तारीफ किया। वही, नए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मन की बात को प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम के पश्चात भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने प्रधानमंत्री के संबोधन को राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और जनभागीदारी का अद्भुत कार्यक्रम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह संवाद देशवासियों में एक नई ऊर्जा और



प्रधानमंत्री के संवाद ने कार्यकर्ताओं में जगाई नई ऊर्जा।

संकल्प शक्ति का संचार करता है। सर्जिकल स्ट्राइक के 10 वर्ष पूरे होने पर आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति, स्व-जनगणना में देशवासियों की भागीदारी, और रामजन्म भूमि आंदोलन प्रमुख व संस्कृति-रक्षक स्वर्गीय अशोक सिंघल जी की 100 वीं जन्मजयंती पर उन्हें नमन करना हर नागरिक के दिल को छू गया।

मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से पूर्व महानगर अध्यक्ष प्रेम प्रकाश कपूर, अशोक कुमार पाण्डेय, अजय गुप्ता, प्रमील पाण्डेय, अशोक जाटव, प्रमोद यादव मुन्ना, मधुप सिंह, कुसुम सिंह पटेल, नम्रता चौरसिया, रचना अग्रवाल, योगेश वर्मा, कुंवर कांत सिंह, शैलेंद्र सिंह, शालिनी यादव, विनय सिंह, अवनीश पाण्डेय, पिंटू जायसवाल, राजेश त्रिवेदी, नीरज जायसवाल, अशोक यादव, अनिल सागर, सिद्धार्थ सिंह, जितेंद्र लालवानी, राज कुमार जायसवाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लखनऊ में 30 सितंबर को युवाओं के लिए मेगा प्लेसमेंट ड्राइव

एजेंसी, लखनऊ

◆ युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप का अवसर दिया जा रहा

◆ बच्चो को उज्ज्वल भविष्य के लिए मिला मंच

अलीगंज स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 30 सितंबर को युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टाटा मोटर्स लिमिटेड तथा हेला इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड की ओर से अप्रेंटिसशिप ड्राइव और मेगा कैंपस प्लेसमेंट अभियान आयोजित किया जाएगा। दोनों कंपनियों की चयन प्रक्रिया सुबह 10 बजे से राजकीय आईटीआई अलीगंज परिसर में शुरू होगी। संस्थान की ओर से इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित समय पर पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

टाटा मोटर्स लिमिटेड की ओर से आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप का अवसर दिया जा रहा है। इसमें शामिल होने वाले अभ्यर्थी की आयु ज्वाइनिंग की तिथि तक 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अभ्यर्थी ने 10वीं की परीक्षा नियमित विद्यार्थी के रूप में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। इसके साथ ही एससीवीटी अथवा एनसीवीटी से मान्यता प्राप्त आईटीआई या एनटीसी में भी न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है।



युवाओं के लिए अवसर

अप्रेंटिसशिप के लिए इलेक्ट्रिशियन, फिटर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, टर्नर, वेल्डर, डीजल मैकेनिक, सीओपीए या पासा, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, वायरमैन, मशीनिस्ट, ड्राफ्ट्समैन और ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग सहित संबंधित ट्रेडों के अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा। चयनित युवाओं को 13,870 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इसके अलावा निशुल्क कैंटीन, 10 किलोमीटर तक परिवहन सुविधा, दो सेट यूनिफॉर्म, सुरक्षा जूते और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

अभ्यर्थियों के लिए पात्रता शर्तें जारी

टाटा मोटर्स की अप्रेंटिसशिप के लिए कुछ अभ्यर्थियों को पात्र नहीं माना जाएगा। इनमें वे अभ्यर्थी शामिल हैं, जो पहले टाटा मोटर्स लखनऊ में कार्य कर चुके हैं, पिछले 90 दिनों के दौरान कंपनी की चयन प्रक्रिया में शामिल हो चुके हैं या पहले संगठन से अप्रेंटिसशिप कर चुके हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन से पहले पात्रता संबंधी सभी शर्तों की जांच करने की सलाह दी गई है।

अप्रेंटिसशिप के बाद नौकरी का अवसर

वर्ष 2020 से 2025 के बीच उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को पात्र माना जाएगा। न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक और 18 से 28 वर्ष आयु सीमा निर्धारित की गई है। पुरुष और महिला दोनों अभ्यर्थी इसमें शामिल हो सकते हैं। हेला इंडिया में चयनित अभ्यर्थियों को 17 हजार से 19 हजार रुपये प्रतिमाह हाथ में वेतन मिलेगा। इसके साथ निश्शुल्क बस परिवहन, भोजन या नाश्ता तथा 14 सवेतन अवकाश की सुविधा भी दी जाएगी। एक वर्ष की अप्रेंटिसशिप पूरी करने के बाद प्रदर्शन के आधार पर कंपनी में स्थायी नौकरी का अवसर मिलने की बात कही गई है। प्लेसमेंट अधिकारी एम. ए. खां ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 30 सितंबर को सुबह 10 बजे राजकीय आईटीआई अलीगंज परिसर में पहुंचें। अभ्यर्थियों को अपने सभी आवश्यक शैक्षणिक और तकनीकी मूल प्रमाणपत्र, उनकी छायाप्रतियां तथा पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाने होंगे। संस्थान ने युवाओं से समय पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

गंगा तट और पिशाचमोचन कुंड पर गूंजे श्राद्ध के मंत्र

त्रिपिंडी श्राद्ध और पिंडदान के लिए पिशाचमोचन कुंड पर जुटे लोग

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी में भाद्रपद मास की पूर्णिमा के साथ ही पितृपक्ष का आरंभ हो गया। रविवार को प्रतिपदा श्राद्ध तिथि पर अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और तृप्ति की कामना लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा तट और अनादि विमल तीर्थ पिशाचमोचन कुंड पहुंचे। अलसुबह से ही दोनों स्थानों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। लोगों ने श्रद्धाभाव से अपने पूर्वजों के निमित्त पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म किया। जिन लोगों के पूर्वजों की अकाल मृत्यु हुई थी, उन्होंने कर्मकांडी ब्राह्मणों के माध्यम से त्रिपिंडी श्राद्ध भी कराया।

श्राद्ध कर्म के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु शनिवार शाम से ही वाराणसी पहुंचने लगे थे। रविवार सुबह गंगा तट और पिशाचमोचन कुंड पर धार्मिक गतिविधियां बढ़ गईं। कई श्रद्धालुओं ने गया जाने से पहले



पिशाचमोचन कुंड पर अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा अर्पित की। मान्यता है कि पिशाचमोचन तीर्थ पर विधि-विधान से श्राद्ध और तर्पण करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है तथा पितृदोष से मुक्ति की कामना पूरी होती है।

सनातन परंपरा में पितृपक्ष को पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का विशेष अवसर माना जाता है। इस दौरान लोग अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में उनकी निर्धारित तिथि पर श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार पितरों को तिलांजलि और पिंड अर्पित करने से उनकी आत्मा तृप्त होती है और वे अपने वंशजों को आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

पितृपक्ष में तर्पण

विष्णुपुराण सहित विभिन्न धार्मिक ग्रंथों में श्राद्ध की महत्ता का वर्णन मिलता है। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक किया गया श्राद्ध केवल पितरों की तृप्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे देवताओं, ऋषियों और अन्य जीवों की भी तृप्ति मानी जाती है। पितृपक्ष के दौरान लोग अपनी सामर्थ्य के अनुसार अन्न, फल, मिष्ठान और अन्य सामग्री अर्पित करते हैं तथा ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं। धार्मिक विश्वास के अनुसार इससे पितर प्रसन्न होकर परिवार को सुख-समृद्धि और वंशवृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं में भी पितृपक्ष का विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने के दौरान पितृलोक और पृथ्वीलोक के बीच संबंध अधिक निकट होता है। इसी अवधि में पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध और तर्पण करने की परंपरा है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि पितृपक्ष में विधि-विधान से किया गया कर्म पूर्वजों को शांति प्रदान करता है और परिवार में सकारात्मकता बनी रहती है।

ओबीसी परिवारों की बेटियों की शादी के लिए मिलेगा 20 हजार रुपए अनुदान

एजेंसी, मुरादाबाद

◆ मुरादाबाद में शादी अनुदान योजना के लिए मांगे गए ऑनलाइन आवेदन

मुरादाबाद में गरीब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए शासन की शादी अनुदान योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने पात्र परिवारों से ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी तूलिका शर्मा ने रविवार को बताया कि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटी के विवाह के समय आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि विवाह के खर्च का कुछ बोझ कम हो सके।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का अन्य पिछड़ा वर्ग से होना अनिवार्य है। हालांकि, अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग के आवेदक इस योजना के दायरे में शामिल नहीं होंगे। इसके अलावा पात्र परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपये तक होनी चाहिए। निर्धारित आय सीमा और अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले परिवार ही योजना के लिए आवेदन कर सकेंगे।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के अनुसार पात्र आवेदक विवाह की निर्धारित तिथि से 90 दिन पहले अथवा विवाह के 90 दिन बाद तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है, जिससे पात्र परिवारों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता न पड़े। आवेदकों को विभाग के निर्धारित पोर्टल पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्राप्त आवेदनों में पात्रता की जांच के बाद नियमानुसार योजना का लाभ दिया जाएगा। ऐसे में आवेदन करने वाले परिवारों को सभी आवश्यक जानकारी सही-सही दर्ज करने और निर्धारित दस्तावेजों को नियमानुसार उपलब्ध कराने की आवश्यकता होगी। गलत अथवा अपूर्ण जानकारी के कारण आवेदन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। शादी अनुदान योजना आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहायता का माध्यम है।

विवाह सहायता के लिए समय सीमा तय

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के अनुसार पात्र आवेदक विवाह की निर्धारित तिथि से 90 दिन पहले अथवा विवाह के 90 दिन बाद तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है, जिससे पात्र परिवारों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता न पड़े। आवेदकों को विभाग के निर्धारित पोर्टल पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। बेटी के विवाह के समय मिलने वाली यह राशि परिवार को आवश्यक खर्च पूरा करने में मदद कर सकती है। विभाग ने पात्र परिवारों से समय सीमा का ध्यान रखते हुए ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है, ताकि उन्हें योजना का लाभ समय पर मिल सके।

ट्रेड शो पॉलीहाउस की खेती से शहद कारोबार तक, मेरठ के किसानों को मिले नए बाजार

मेरठ की रंगीन शिमला मिर्च और शहद ने ट्रेड शो में बटोरी सुर्खियां

एजेंसी, नोएडा

इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो में मेरठ की आधुनिक खेती और कृषि आधारित उद्यमिता लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उद्यान विभाग के प्रदर्शनी स्थल पर मेरठ के किसानों की पॉलीहाउस में तैयार फसलें, फूल और शहद के उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। इन्हें देखने के लिए देश-विदेश से आए खरीदार और आगंतुक पहुंच रहे हैं। जरबेरा और गुलाब के फूलों के साथ कमल ककड़ी, शिमला मिर्च और बैंगन जैसी फसलों ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। प्रदर्शनी में केवल कृषि उत्पादों का प्रदर्शन ही नहीं हो रहा, बल्कि किसानों को नए बाजार, खरीदार और कारोबार विस्तार के अवसर भी मिल रहे हैं।

सरधना तहसील के खेड़ा गांव निवासी किसान रविन्द्र कुमार पांच एकड़ क्षेत्र में पॉलीहाउस के माध्यम से फल और सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने उद्यान विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर संरक्षित खेती को अपनाया। आधुनिक तकनीक से खेती करने के बाद उनके कृषि कारोबार का सालाना कारोबार 29 लाख रुपये से अधिक पहुंच गया है। उनके पॉलीहाउस में पीली, हरी और लाल शिमला मिर्च



का उत्पादन हो रहा है। इनका वजन 300 से 400 ग्राम तक है। पॉलीहाउस में तैयार शिमला मिर्च की दिल्ली की आजादपुर मंडी में अच्छी मांग बताई गई है। इससे किसान को उत्पादन के साथ बाजार उपलब्ध होने का लाभ भी मिल रहा है।

रविन्द्र कुमार के अनुसार वह पिछले वर्ष भी ट्रेड शो में शामिल हुए थे। प्रदर्शनी में अपने उत्पादों को सीधे खरीदारों और कारोबारी संस्थानों के सामने रखने से उनके उत्पादों को नई पहचान मिली। इस वर्ष भी कई कार्यक्रम आयोजन करने वाली कंपनियों ने जरबेरा और गुलाब के फूलों की आपूर्ति के लिए उनसे संपर्क किया है। कुछ कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन को लेकर भी बातचीत हुई है।

उद्यान मंत्री ने किसानों का बढ़ाया उत्साह

उत्तर प्रदेश सरकार के उद्यान राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने भी उद्यान विभाग के प्रदर्शनी स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों के उत्पादों की जानकारी ली और कृषि उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी स्थल पर मेरठ की फसलों के अलावा कृषि और उद्यान क्षेत्र से जुड़े अन्य उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं। मेरठ के रेनट्रॉव नैचुरल के शहद उत्पाद भी आगंतुकों और खरीदारों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। युवा उद्यमी राखी अघेरा और उनके भाई भारत अघेरा ने बताया कि पिछले वर्ष उनकी कंपनी को इंडोनेशिया, मलेशिया और वियतनाम से 46 टन शहद का आदेश मिला था। इस बार भी ट्रेड शो के माध्यम से नए खरीदारों से संपर्क और बड़े कारोबार की उम्मीद है। वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि ट्रेड शो किसानों और कृषि उद्यमियों के लिए केवल उत्पाद प्रदर्शित करने का मंच नहीं है। यहां उन्हें सीधे खरीदारों और कारोबारी संस्थानों से संपर्क करने का अवसर मिल रहा है।

चुनाव आयोग के जवाब से विपक्ष बेनकाब नायब सैनी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कई मुद्दों पर दी प्रतिक्रिया

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गुरुग्राम में पत्रकार वार्ता के दौरान चुनाव आयोग को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। सैनी ने दावा किया कि चुनाव आयोग के हालिया संयुक्त बयान के बाद स्थिति स्पष्ट हो गई है। चुनाव आयोग देश में लोकसभा, विधानसभा और अन्य संवैधानिक चुनावी प्रक्रियाओं का संचालन करने वाली स्वायत्त संवैधानिक संस्था है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है, जिससे देश की चुनाव व्यवस्था पर लोगों के मन में संदेह पैदा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना विपक्ष की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बन गया है। सैनी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को अपनी भूमिका जिम्मेदारी के साथ निभानी चाहिए।



उन्होंने कांग्रेस के शासनकाल की तुलना वर्तमान केंद्र सरकार से करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं और उपलब्धियों का उल्लेख किया। सैनी ने दावा किया कि केंद्र सरकार की नीतियों से बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिला है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका मजबूत हुई है। उन्होंने विपक्ष के नेताओं पर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार की लगातार आलोचना करने का आरोप भी लगाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष द्वारा सरकार पर काम नहीं करने के आरोप लगाए जाते हैं, जबकि देश में वंदे भारत जैसी रेल सेवाओं का विस्तार हुआ है। उन्होंने विपक्ष के बयानों को लेकर भी टिप्पणी की और कहा कि सरकार के विकास कार्यों को नजरअंदाज करने का प्रयास किया जा रहा है।

पंजाब के राजनीतिक हालात पर बोलते हुए सैनी ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर नशे की समस्या को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दलों के शासन में पंजाब में नशे की समस्या गंभीर बनी रही। सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर पंजाब को नशामुक्त करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। हालिया सरकारी बयान में भी उन्होंने पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए अभियान चलाने की बात कही है।

उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के शासनकाल को लेकर भी टिप्पणी की और दावा किया कि वर्तमान सरकार ने लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया है। गुरुग्राम में बारिश के बाद जलभराव के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश का स्वरूप बदल रहा है और कई स्थानों पर सामान्य से अधिक वर्षा हो रही है। उन्होंने चंडीगढ़ में हुई बारिश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी जलभराव की स्थिति बनी।

हरियाणा के 2337 विद्यार्थियों को चार साल तक मिलेगी मासिक छात्रवृत्ति

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

सरकारी और अनुदान प्राप्त विद्यालयों में पढ़ने वाले प्रतिभाशाली एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय साधन-सह-पात्रता छात्रवृत्ति योजना के तहत हरियाणा में 2337 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा नौवीं से 12वीं तक चार वर्षों के लिए प्रतिमाह 1000 रुपये छात्रवृत्ति मिलेगी। राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, गुरुग्राम की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन 25 सितंबर से शुरू हो चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। परीक्षा 29 नवंबर 2026 को आयोजित होगी।

परीक्षा में वही विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे जो हरियाणा के सरकारी या अनुदान प्राप्त विद्यालय से उत्तीर्ण की होनी चाहिए। इसके अलावा अभिभावकों की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 3.50 लाख रुपये से कम होनी आवश्यक है। विद्यार्थी का नाम और जन्मतिथि आधार कार्ड के अनुसार होना जरूरी है।

चयन जिला स्तर पर निर्धारित कोटे और मेरिट के आधार पर होगा। बीसी-ए वर्ग के लिए 16 प्रतिशत, बीसी-बी के लिए 11 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिए 20 प्रतिशत और दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए तीन प्रतिशत आरक्षण निर्धारित है। कुल 2337 सीटों में 1167 सामान्य, 373 बीसी-ए, 260 बीसी-बी, 360 अनुसूचित जाति तथा अन्य निर्धारित वर्गों के विद्यार्थी शामिल होंगे। जिला स्तर पर यमुनानगर में सबसे अधिक 271 विद्यार्थियों का कोटा निर्धारित किया गया है। हिसार में 170, गुरुग्राम में 134, कैथल और कुरुक्षेत्र में 132-132 तथा करनाल में 127 विद्यार्थियों का चयन होगा। फरीदाबाद में 32, पंचकूला में 54 और चरखी दादरी में 58 विद्यार्थियों का कोटा है।

न्यूज ब्रीफ

सतलोक आश्रम में 11 वर्षीय बच्चे से कुकर्म का आरोप, सेवादार गिरफ्तार, केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, गोहाना। सोनीपत के गांव धनाना स्थित सतलोक आश्रम में पिता के साथ सेवा करने आए 11 वर्षीय बच्चे के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और जिला बाल कल्याण समिति की टीम आश्रम पहुंची। पुलिस ने मामले में एक सेवादार सचिन को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ पोक्सो अधिनियम समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश निवासी एक व्यक्ति कुछ दिन पहले अपने दो बच्चों के साथ आश्रम में सेवा करने के लिए आया था। आरोप है कि 22-23 सितंबर की रात आश्रम में मौजूद एक सेवादार ने 11 वर्षीय बच्चे के साथ यौन अपराध किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई।इसके बाद बाल कल्याण समिति की टीम और पुलिस आश्रम पहुंची। समिति की ओर से बच्चे की काउंसलिंग कराई गई। इसके बाद उसे चिकित्सकीय जांच के लिए भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, बच्चे के पिता ने चिकित्सकीय परीक्षण कराने से इनकार कर दिया।पुलिस ने शिकायत के आधार पर बरोदा थाने में पोक्सो अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपित सेवादार सचिन को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष अनीता शर्मा और सदस्य संगीता गौड़ ने मामले पर विस्तृत जानकारी देने से इनकार किया। अध्यक्ष ने इतना बताया कि सूचना मिलने के बाद समिति की टीम आश्रम पहुंची थी और बच्चे की काउंसलिंग कराई गई।

सुभाष बराला ने कार्यकर्ताओं संग सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को राम नगर शक्ति केंद्र के बूथ संख्या 69 पर नागरिकों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में साझा किए गए सामाजिक सरोकारों, प्रेरणादायी प्रसंगों और राष्ट्रनिर्माण से जुड़े संदेशों को सुना। सुभाष बराला ने कहा कि 'मन की बात' जनभागीदारी और जनसंवाद का माध्यम बन चुका है। कार्यक्रम के जरिए देश के विभिन्न हिस्सों में समाजहित के लिए किए जा रहे प्रयासों और नागरिकों की उपलब्धियों को सामने लाया जाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में उठाए गए जनहित के विषयों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और समाज में जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नगर परिषद चेयरमैन नरेश बंसल, नगर मंडल अध्यक्ष रमन मडिया, सुरेश जांगड़ा, बलविंद्र सैनी, जीवन बंसल और जगमेल कटारिया सहित अन्य नागरिक व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फरीदाबाद में मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे किसानों को पुलिस ने रोका

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। जमीन अधिग्रहण के मुआवजे और लैंड पूलिंग की मांग को लेकर बड़ौली और प्रह्लादपुर गांव के किसानों का धरना रविवार को भी जारी रहा। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष धनसिंह कोतवाल, धरना अध्यक्ष वीरपाल गुर्जर और अन्य किसान नेता मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोककर हाउस अरेस्ट कर लिया। वीरपाल गुर्जर ने कहा कि किसानों का धरना 309 दिनों से चल रहा है। किसानों के अनुसार करीब 16 वर्ष पहले उनकी जमीन 645 रुपये प्रति गज की दर से अधिग्रहित की गई थी। वे मौजूदा बाजार दर के अनुसार उचित मुआवजे और लैंड पूलिंग योजना के तहत समाधान की मांग कर रहे हैं। किसानों ने अधिग्रहित क्षेत्र में बने 500 से अधिक पुराने मकानों को भी अधिग्रहण से बाहर रखने और मालिकाना हक बरकरार रखने की मांग की है। किसान नेताओं ने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

पूर्व सरपंच के घर डकैती, पिस्तौल के बल पर एक करोड़ रुपए लूटे

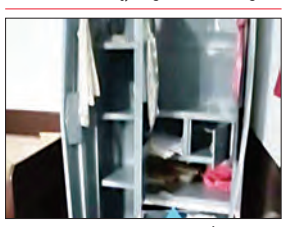
भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद के फतेहपुर तगा गांव की जौहड़ कॉलोनी में शुक्रवार देर रात पूर्व सरपंच मोहम्मद कदीम के घर पांच नकाबपोश बदमाशों ने डकैती की। बदमाशों ने कदीम को हथियार के बल पर बंधक बनाया और मारपीट करने के बाद घर में रखी करीब एक करोड़ रुपये की रकम लूट ली। वारदात के बाद उनके हाथ-पैर रस्सी से बांधकर बदमाश मुख्य दरवाजा बाहर से बंद कर फरार हो गए।

कदीम के अनुसार, वह करीब चार महीने पहले खरीदे गए नए मकान में रह रहे थे और परिवार पुराने घर में था। शुक्रवार रात करीब सवा दो बजे पांच नकाबपोश बदमाश कमरे में घुसे। एक बदमाश ने उनकी कनपटी पर पिस्तौल तान दी और नकदी व जेवर के बारे में पूछताछ की। घर में पैसे नहीं होने की बात कहने पर उनके साथ मारपीट की गई।

इसके बाद बदमाशों ने दूसरे

नकाबपोश बदमाशों ने पूर्व सरपंच को बंधक बनाकर रकम लूटी, पुलिस जांच में जुटी



कमरे में रखी अलमारी और संदूक के ताले तोड़ दिए। अलमारी से चार लाख रुपये और संदूक में रखी करीब एक करोड़ रुपये की रकम लेकर वे फरार हो गए। कदीम ने बताया कि यह रकम उन्होंने जमीन बेचने के बाद नए जमीन सौदे के भुगतान के लिए रखी थी।

बदमाश उनका मोबाइल फोन भी साथ ले गए और कुछ दूरी पर खेत में फेंक दिया। मोबाइल में सुबह पांच बजे का अलार्म लगा था, जिससे उसका पता चला।

क्षमा को जीवन का संस्कार बनाएं, यही सबसे बड़ी शक्ति : राजीव जैन

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। क्षमा ही धर्म है और क्षमा ही मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति व साहस है। क्षमावाणी पर्व को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर इसे जीवन का संस्कार बनाना चाहिए। यह विचार नगर निगम मेयर राजीव जैन और पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन ने रविवार को दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर-15, मंडी और पुराना शहर में क्षमावाणी पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में व्यक्त किए। पुराना शहर में भगवान को रथ पर विराजमान कर बैंड-बाजों के साथ भव्य रथयात्रा निकाली गई। मंडी में जलधारा और सेक्टर-15 में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। राजीव जैन ने कहा कि क्षमा मांगना और क्षमा करना दोनों ही बड़प्पन के प्रतीक हैं। क्षमा का अर्थ गलत को सही मान लेना नहीं, बल्कि घटना से सीख लेकर आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि आज छोटी-छोटी बातों के कारण रिश्तों में दूरी बढ़ रही है।

एआई कैमरों ने खोली रेलवे भर्ती में फर्जीवाड़े की पोल, पकड़े गए चार परीक्षार्थी

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

रेलवे भर्ती में चयन हासिल करने के लिए चार परीक्षार्थियों ने कथित तौर पर एक-दूसरे की जगह कंप्यूटर आधारित परीक्षा देकर फर्जीवाड़ा किया। हालांकि, भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में अंबाला कैंट रेलवे स्टेडियम में आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कैमरों ने उनकी पहचान में गड़बड़ी पकड़ ली। चेहरे और अभ्यर्थियों के उपलब्ध आंकड़ों का मिलान नहीं होने पर चारों संदिग्धों को अलग कर दिया गया। रेलवे की शिकायत के बाद पड़ाव थाना पुलिस ने चारों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपितों की पहचान प्रह्लाद कुमार निवासी लखीसराय, अनंत कुमार निवासी नालंदा, उज्जवल कुमार और गोलू निवासी जहानाबाद, बिहार के रूप में हुई है।

रेलवे भर्ती प्रक्रिया के तहत अंबाला कैंट रेलवे स्टेडियम में



अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की जा रही थी। फर्जीवाड़ा रोकने और अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा स्थल पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कैमरे लगाए गए थे। शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए पहुंचे अभ्यर्थियों की पहचान कैमरों के माध्यम से उपलब्ध आंकड़ों से मिलाई जा रही थी। इसी दौरान चार अभ्यर्थियों की पहचान में अंतर सामने आया। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध मिलने के बाद चारों से पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार पूछताछ में सामने आया कि प्रह्लाद कुमार ने अनंत कुमार की जगह कंप्यूटर आधारित परीक्षा दी थी, जबकि अनंत कुमार ने उसकी जगह परीक्षा दी। इसी प्रकार उज्जवल कुमार और गोलू ने भी एक-दूसरे की जगह परीक्षा देने की बात सामने आई। इस तरह चारों ने कथित रूप से अपनी पहचान छिपाकर भर्ती परीक्षा के पहले चरण को पार करने का प्रयास किया। कंप्यूटर आधारित परीक्षा के दौरान उनकी यह अदला-बदली पकड़ में नहीं आ सकी, लेकिन शारीरिक दक्षता परीक्षा में पहचान सत्यापन की व्यवस्था ने फर्जीवाड़े का पता लगा दिया।

पानीपत में अधिग्रहित जमीन का मुआवजा 40 से बढ़ाकर 78 लाख रुपए प्रति एकड़ हुआ

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पानीपत के सिवाह गांव में भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामले में किसानों को राहत देते हुए अधिग्रहित जमीन का बाजार मूल्य 78 लाख रुपये प्रति एकड़ निर्धारित किया है। इससे पहले भूमि अधिग्रहण कलेक्टर ने मुआवजे के लिए 40 लाख रुपये प्रति एकड़ का मूल्य तय किया था। बाद में संदर्भ अदालत ने इसे बढ़ाकर 64 लाख 64 हजार 102 रुपये प्रति एकड़ किया था।



पदाधिकारियों ने बैठक में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

यह मामला 25 एमएलडी क्षमता के सीवेज उपचार संयंत्र के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण से जुड़ा है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 की धारा चार के तहत 28 फरवरी 2013 को अधिसूचना जारी की गई थी। इसके बाद 26 सितंबर 2013 को भूमि अधिग्रहण कलेक्टर ने अधिग्रहित जमीन का मुआवजा 40 लाख रुपये प्रति एकड़ निर्धारित किया था।

मुआवजे की राशि को लेकर जमीन मालिकों ने आपत्ति जताते हुए इसे बढ़ाने की मांग की। मामला संदर्भ अदालत तक पहुंचा। संदर्भ अदालत ने 23 जनवरी 2017 को जमीन का बाजार मूल्य बढ़ाकर 64 लाख 64 हजार 102 रुपये प्रति एकड़ कर दिया। इसके बाद राज्य सरकार और जमीन मालिकों की ओर से हाई कोर्ट में अलग-अलग अपील दायर की गईं।

जस्टिस जगमोहन बंसल ने इन अपीलों पर साझा फैसला सुनाते हुए कहा कि जब संबंधित क्षेत्र में वास्तविक और तुलनीय बिक्री विलेख उपलब्ध हों, तो पुराने अवार्ड को यांत्रिक तरीके से बाजार मूल्य निर्धारित करने का आधार नहीं बनाया जा सकता।

सुनवाई के दौरान जमीन मालिकों की ओर से 2010 से 2014 के बीच हुए कई बिक्री विलेख अदालत के समक्ष पेश किए गए। इनमें कुछ सौदों में जमीन की कीमत एक करोड़ रुपये प्रति एकड़ तक दर्ज थी। हाई कोर्ट ने इन दस्तावेजों को बाजार मूल्य निर्धारित करने के लिए प्रासंगिक माना।

अदालत ने उपलब्ध बिक्री विलेखों और मामले के अन्य तथ्यों का मूल्यांकन करने के बाद अधिग्रहित भूमि का उचित बाजार मूल्य 78 लाख रुपये प्रति एकड़ निर्धारित किया। इस तरह पहले निर्धारित 40 लाख रुपये प्रति एकड़ के मुकाबले किसानों को अधिक मुआवजा मिलेगा।

हाई कोर्ट के इस फैसले से सिवाह गांव में अधिग्रहित भूमि के मालिकों को राहत मिली है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मुआवजा तय करते समय वास्तविक बाजार लेन-देन और तुलनीय बिक्री दस्तावेजों को उचित महत्व दिया जाना चाहिए।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से फायर ब्रिगेड चालक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल



गांव भोजावास में रविवार सुबह सड़क पर व्यायाम कर रहे फायर ब्रिगेड चालक संजय कुमार (30) की तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल संजय को पहले भोजावास के निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर किया। परिजन उसे उप नागरिक अस्पताल कनीना लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार संजय अपने साथी सचिन (27) के साथ भोजावास से सुंदरह रोड पर व्यायाम करने गया था। इसी दौरान सुंदरह की ओर से भोजावास आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से संजय सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सचिन ने तुरंत उसे संभाला और उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया।

संजय करीब पांच वर्ष पहले हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से फायर ब्रिगेड में चालक नियुक्त हुआ था। वर्तमान में उसकी ड्यूटी नारनौल में थी। संजय शादीशुदा था और उसके परिवार में पत्नी पूजा तथा पांच वर्षीय बेटा गिरीश है। परिजनों के अनुसार वह परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य था। उसकी मौत से परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।

सरकारी सॉफ्टवेयर से छेड़छाड़ कर 21 करोड़ के फर्जीवाड़े में छह शराब ठेके सील

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

आबकारी एवं कराधान विभाग के सरकारी सॉफ्टवेयर में कथित छेड़छाड़ कर 21 करोड़ रुपये से अधिक के फर्जीवाड़े के मामले में विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। शुक्रवार को विभाग की टीम ने दो फर्मों से जुड़े छह शराब ठेकों को सील कर दिया। साथ ही संबंधित फर्मों को बकाया राशि की वसूली के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई सरकारी अभिलेखों में फर्जी जीआरएन नंबर तैयार कर शराब के परमिट जारी किए जाने के मामले में की गई है। शुक्रवार को टीम ने जगाधरी बस स्टैंड, अग्रसेन चौक, खजुरी रोड सहित छह स्थानों पर स्थित शराब ठेकों को सील किया। दोनों संबंधित फर्मों के तीन-तीन ठेकों पर कार्रवाई की गई है।

आबकारी विभाग के कलेक्टर की जांच में सामने आया कि एक्सएस लिकर की एल-13 और एल-1 फर्म को 103 फर्जी जीआरएन नंबरों के आधार पर परमिट जारी किए गए थे। विभाग के अनुसार, इन परमिट के कारण सरकार को करीब 12 करोड़



फर्जी जीआरएन से परमिट जारी कर सरकारी खजाने को लगाया गया चूना

36 लाख रुपये से अधिक के राजस्व नुकसान का मामला सामने आया है।

इसी तरह महेंद्र सिंह एंड संस से संबंधित मामले की जांच में 65 फर्जी जीआरएन नंबरों के आधार पर परमिट जारी किए जाने की बात सामने आई। इससे सरकार को करीब 8 करोड़ 93 लाख रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। दोनों मामलों को मिलाकर यह राशि 21 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

डीईटीसी जगाधरी जितेंद्र राघव ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच के लिए मुख्यालय स्तर से कमेटी गठित की गई है। कमेटी सरकारी सॉफ्टवेयर में हुई छेड़छाड़, फर्जी जीआरएन नंबरों और उनके आधार पर जारी किए गए परमिट की जांच कर रही है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले हुई जांच में करीब पांच करोड़ रुपये के फर्जीवाड़े का मामला सामने आया था, जिसकी रिकवरी कर ली गई थी। अब दोबारा हुई जांच में फर्जीवाड़े की राशि 21 करोड़ रुपये से अधिक सामने आई है। विभाग की ओर से इस राशि की वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, छह ठेकों को सील करने के साथ संबंधित फर्मों को रिकवरी नोटिस दिए गए हैं। कुछ राशि की वसूली की जा चुकी है, जबकि शेष राशि भी नियमानुसार वसूलने की प्रक्रिया चल रही है।

बंद मोबाइल नंबर से बैंक खाते में सेंध, 32 लाख की साइबर ठगी में चार गिरफ्तार

बंद नंबर दोबारा जारी होने के बाद आरोपितों ने बैंक संदेशों का फायदा उठाकर निकाली रकम

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

बंद मोबाइल नंबर के दोबारा किसी दूसरे व्यक्ति को जारी होने के बाद साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है। गुरुग्राम में एक बुजुर्ग के बैंक खाते से जुड़े मोबाइल नंबर के लंबे समय तक बंद रहने के बाद दूरसंचार कंपनी ने वही नंबर दूसरे व्यक्ति को आवंटित कर दिया। नए धारक के मोबाइल पर बैंक खाते से होने वाले लेनदेन के संदेश आने लगे। आरोप है कि इसी जानकारी का फायदा उठाकर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर खाते से 32.10 लाख रुपये निकाल लिए। साइबर थाना पूर्व पुलिस ने मामले में चार आरोपितों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर को एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उसके ससुर के बैंक खाते से 7 मार्च से 2 जून के बीच कई अनधिकृत लेनदेन हुए हैं। परिवार को इस संबंध में जानकारी तब मिली, जब बैंक से पता चला कि खाते से जुड़ा नया डेबिट कार्ड जारी किया गया है। बुजुर्ग ने किसी नए डेबिट कार्ड के लिए आवेदन नहीं किया था।

शिकायत मिलने के बाद साइबर थाना पूर्व पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।



बैंक खाते से जुड़े मोबाइल नंबर और लेनदेन की जानकारी खंगालने पर पता चला कि संबंधित मोबाइल नंबर काफी समय से बंद था। बाद में दूरसंचार कंपनी ने वही नंबर कालकाजी निवासी कुणाल कश्यप को आवंटित कर दिया था।

जांच में सामने आया कि नया नंबर मिलने के बाद कुणाल के मोबाइल पर उस बैंक खाते से संबंधित लेनदेन के संदेश आने लगे। पुलिस के अनुसार, खाते में बड़ी रकम होने की जानकारी मिलने के बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर रकम निकालने की योजना बनाई। आरोपितों ने कथित तौर पर मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करते हुए खाते की इंटरनेट बैंकिंग सुविधा सक्रिय कर ली।

इसके बाद खाते से नया एटीएम कार्ड भी मंगवाया गया। आरोपितों ने डाक से भेजे गए कार्ड पर भी नजर रखी। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता के घर के बाहर पहुंचकर आरोपितों ने डाकिये से कार्ड प्राप्त कर लिया। इसके बाद कार्ड का इस्तेमाल कर खाते से रकम निकालने और खरीदारी करने का सिलसिला शुरू किया गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपितों ने खाते से कुल 32.10 लाख रुपये की रकम निकाली और खर्च की। रकम का इस्तेमाल अलग-अलग वस्तुओं की खरीदारी में भी किया गया। आरोपितों ने 10 चांदी के सिक्के, सोने की बाली और दो आईफोन खरीदे। पुलिस ने जांच के दौरान इन सामानों को बरामद कर लिया है।

मामले में पुलिस ने कालकाजी निवासी कुणाल कश्यप, अंकित, तुगलकाबाद एक्सटेंशन निवासी मोहम्मद साहिल और आशा किरण अपार्टमेंट निवासी संगीता को गिरफ्तार किया है। चारों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपितों ने बैंक खाते तक पहुंच बनाने के लिए किन-किन तरीकों का इस्तेमाल किया। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस मामले में उनके साथ कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं। बैंक खाते से हुए सभी लेनदेन, मोबाइल नंबर के दोबारा आवंटन और डेबिट कार्ड की डिलीवरी से संबंधित रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, बंद मोबाइल नंबर दोबारा जारी होने की स्थिति में पुराने उपयोगकर्ता से जुड़े संदेश नए धारक के पास पहुंच सकते हैं। ऐसे में बैंक खाते से मोबाइल नंबर जुड़ा होने पर नंबर बंद कराने या बदलने के बाद संबंधित बैंक और अन्य वित्तीय सेवाओं में भी मोबाइल नंबर अपडेट कराना जरूरी है।

हरियाणा के सरकारी शिक्षकों को एआई प्रशिक्षण, बच्चों की जरूरत के अनुसार बदलेगा पढ़ाई का तरीका

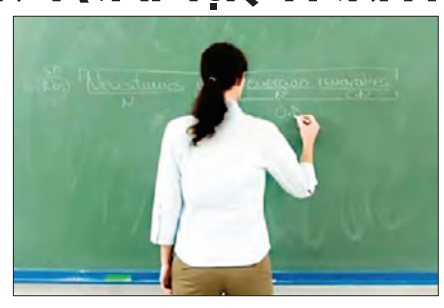
भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

सरकारी स्कूलों में पढ़ाने का पारंपरिक तरीका अब तकनीक के साथ बदलने की तैयारी है। हरियाणा के सरकारी प्राथमिक शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण तकनीक में दक्ष बनाकर उन्हें 'सुपर डिजिटल शिक्षक' बनाने की योजना तैयार की गई है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने इसके लिए मास्टर प्लान तैयार किया है। इसके तहत शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण पद्धति की ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल पाठ्य सामग्री तैयार करना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की क्षमता और जरूरत के अनुसार पढ़ाई को अनुकूल बनाना है। कक्षा में सभी बच्चे एक समान गति से नहीं सीखते। ऐसे में शिक्षक कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से विद्यार्थियों के स्तर के अनुसार अलग-अलग कार्यपत्रक, पाठ योजनाएं, कहानियां, चित्र आधारित सामग्री और अभ्यास तैयार कर सकेंगे।

अभी ऐसी शिक्षण सामग्री तैयार करने में शिक्षकों को काफी समय लग जाता है। तकनीक की सहायता से यह काम कम समय में पूरा हो सकेगा। इससे शिक्षक अपना अधिक समय बच्चों की समझ, कमजोरियों और सीखने की प्रगति पर दे सकेंगे। विद्यार्थियों को भी उनकी आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त अभ्यास और सीखने की सामग्री उपलब्ध कराई जा सकेगी।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विनय जिंदल के



अनुसार, शिक्षकों का पंजीकरण 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक होगा। इसके बाद 30 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रशिक्षण पूरा कराया जाएगा। प्रशिक्षण में बच्चों के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग पर विशेष जोर दिया जाएगा।

शिक्षकों को बच्चों की निजता, डिजिटल सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से प्राप्त जानकारी की जांच और तकनीक के नैतिक इस्तेमाल के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक जिले की डाइट और खंड स्तर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता समन्वयकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये समन्वयक शिक्षकों को पंजीकरण, प्रशिक्षण पूरा करने और प्रमाणपत्र प्राप्त करने तक तकनीकी सहायता देंगे। इससे सरकारी स्कूलों में तकनीक आधारित शिक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप बनाने का प्रयास किया जाएगा।

दिल्ली में रविवार को खुले बैंक, सोमवार से तीन दिन की हड़ताल

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली में बैंक ग्राहकों के लिए रविवार, 27 सितंबर को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य रूप से खुले रहे। यह फैसला 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए लिया गया। सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने ग्राहकों की बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रविवार को बैंक शाखाओं को संचालित रखने की अनुमति दी थी। बैंक यूनियनों के संयुक्त मंच (यूएफबीयू) ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की हड़ताल का आह्वान किया है।

यूनियनों की प्रमुख मांगों में सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करना शामिल है। हड़ताल के कारण ग्राहकों को शाखाओं में होने वाले कई नियमित कामों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हड़ताल से पहले 26 सितंबर को शनिवार और 27 सितंबर को रविवार की छुट्टी थी। ऐसे में लगातार कई दिनों तक शाखा-आधारित बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए रविवार को बैंक खोलने का निर्णय लिया गया।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि इसका उद्देश्य आम लोगों की जरूरी बैंकिंग जरूरतों पर लंबे समय तक असर पड़ने से रोकना है। रिजर्व बैंक ने 27 सितंबर को बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट को पूरी तरह चालू रखने की मंजूरी दी। सरकार और बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को टालने की अपील भी की है। रविवार को बैंक खुले होने के बावजूद छुट्टी के दिन का माहौल और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कई जगह शाखाओं में सामान्य दिनों की तुलना में कम भीड़ देखने को मिली। ग्राहकों ने नकद जमा, निकासी, चेक और अन्य जरूरी शाखा संबंधी काम निपटाने का प्रयास किया।

वहीं, हड़ताल के दौरान डिजिटल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई जैसी सेवाओं के उपलब्ध रहने की उम्मीद है, हालांकि शाखाओं से जुड़े कुछ काम प्रभावित हो सकते हैं। बैंक ग्राहकों को सलाह दी गई है कि जरूरी लेनदेन समय रहते पूरा कर लें।

इस बीच, 30 सितंबर को वित्तीय वर्ष की अर्धवार्षिक लेखा-बंदी भी होने के कारण बैंकिंग क्षेत्र में हड़ताल का समय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार ने आवश्यक सेवाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए बैंकों को पर्याप्त तैयारी करने को कहा है

तिलक नगर में सड़क निरीक्षण के दौरान विवाद, वीडियो के बाद बढ़ा सियासी घमासान

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली के तिलक नगर इलाके में सड़क निरीक्षण के दौरान दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा पर एक युवक को थप्पड़ मारने का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला राजनीतिक विवाद में बदल गया है। रिपोर्टों के अनुसार, प्रवेश वर्मा रविवार को तिलक नगर में निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान स्थानीय लोगों और मंत्री के बीच सड़क की स्थिति को लेकर बातचीत हुई।

सामने आए वीडियो में एक युवक मंत्री का मोबाइल फोन से वीडियो बनाता दिखाई देता है। वीडियो में प्रवेश वर्मा युवक का मोबाइल नीचे करते और फिर उसके चेहरे पर थप्पड़ मारते नजर आते हैं। घटना के बाद आम आदमी पार्टी ने वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और मंत्री पर कार्रवाई की मांग की। पार्टी की ओर से इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की बात भी कही गई है। तिलक नगर के आप विधायक जरनैल सिंह ने भी वीडियो साझा कर घटना पर सवाल उठाए।

पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रवेश वर्मा की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मंत्री को गिरफ्तार किया जाए और कहा कि वह अगले दिन मौके पर जाएंगे। घटना को लेकर सामने आए वीडियो और राजनीतिक दलों के आरोपों के बीच विवाद बढ़ गया है। वहीं, उपलब्ध रिपोर्टों में यह भी बताया गया है कि सड़क की स्थिति को लेकर मौके पर बहस हुई थी।

न्यूज ब्रीफ

जेवर एयरपोर्ट का नाम महर्षि दयानंद के नाम पर रखने की मांग

एजेंसी ,नई दिल्ली



पलवल में आर्य समाज के चार दिवसीय वार्षिक महोत्सव एवं वेद कथा का शुभारंभ पातली गेट स्थित दयानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हुआ। कार्यक्रम का आयोजन आर्य समाज पलवल शहर के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राकेश कुमार आर्य ने जेवर एयरपोर्ट का नाम महर्षि दयानंद के नाम पर रखने की पुरजोर मांग उठाई। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट का नाम महर्षि दयानंद के नाम पर रखा जाना पूरे देश के लिए गौरव की बात होगी। उन्होंने महर्षि दयानंद के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी दयानंद ने देशवासियों को आर्यावर्त और आर्य संस्कृति के मूल तत्वों से दोबारा परिचित कराया। उनके विचारों से राष्ट्रीय जागरण को मजबूती मिली और स्वतंत्रता आंदोलन को भी प्रेरणा मिली। वेद कथा के दौरान इतिहास की सही व्याख्या, वैदिक विचारधारा और नैतिक मूल्यों पर भी जोर दिया गया। आयोजकों ने समाज में शिक्षा, संस्कार और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर हिट एंड रन, दो युवकों की जान बाल-बाल बची

एजेंसी, नई दिल्ली



राजधानी दिल्ली में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। द्वारका एक्सप्रेसवे पर काले रंग की महिंद्रा थार ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए। टक्कर के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक से द्वारका एक्सप्रेसवे से गुजर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार थार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों युवक सड़क पर गिर गए और उन्हें चोटें आईं। हादसे के बाद आरोपी चालक ने रुककर घायलों की मदद करने के बजाय वाहन समेत मौके से फरार होने का रास्ता चुना। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायलों की मदद की। बताया जा रहा है कि दोनों युवकों ने हेलमेट पहन रखा था। हेलमेट की वजह से उनकी जान बच गई और हादसा ज्यादा गंभीर होने से टल गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस अब फरार थार चालक की पहचान और तलाश में जुटी है।

प्रयागराज में तीन लाख घरों तक पहुंचेगी पीएनजी, पाइपलाइन विस्तार की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली



प्रयागराज में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) का दायरा तेजी से बढ़ाने की तैयारी है। इंडियन ऑयल-अडानी गैस की ओर से नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों की हर गली और मोहल्ले तक पाइपलाइन पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत करीब तीन लाख घरों को पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत अगले दो वर्षों में शहर में लगभग 200 से 250 किलोमीटर नई पाइपलाइन बिछाने की तैयारी है। पाइपलाइन विस्तार का काम चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक इलाकों को गैस आपूर्ति नेटवर्क से जोड़ा जा सके। वर्तमान में प्रयागराज में करीब 25 हजार उपभोक्ता पीएनजी का उपयोग कर रहे हैं। नए नेटवर्क के विस्तार के बाद उपभोक्ताओं की संख्या में बड़ी वृद्धि होने की उम्मीद है। कंपनी की योजना शहर के सभी प्रमुख क्षेत्रों को पाइपलाइन नेटवर्क से जोड़ने की है। इससे घरों में पाइप के जरिए गैस उपलब्ध होगी और सिलेंडर की निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार, विस्तार कार्य को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

दिल्ली से 150 किलोमीटर दूर शेखा पक्षी विहार, प्रकृति प्रेमियों के लिए खास ठिकाना



एजेंसी, नई दिल्ली अलीगढ़ अब सिर्फ ताले और तालीम के लिए ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक सुंदरता और पक्षी पर्यटन के लिए भी पहचान बना रहा है। शहर से करीब 150 किलोमीटर दूर स्थित शेखा पक्षी विहार प्रकृति प्रेमियों और पक्षी देखने के शौकीनों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। शेखा झील और आसपास का क्षेत्र सर्दियों के मौसम में खास हो जाता है। इस दौरान साइबेरिया और मध्य एशिया सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से हजारों प्रवासी पक्षी यहां पहुंचते हैं। अलग-अलग प्रजातियों के पक्षियों की मौजूदगी इस स्थान को पक्षी प्रेमियों के लिए खास अनुभव प्रदान करती है। झील के आसपास का शांत वातावरण, हरियाली और पक्षियों की चहचहाहट पर्यटकों को शहर की भागदौड़ से दूर सुकून का एहसास कराती है। सर्दियों में यहां प्रवासी पक्षियों की संख्या बढ़ने के साथ पर्यटन का आकर्षण भी बढ़ जाता है। शेखा पक्षी विहार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने के बाद आने वाले समय में यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। दिल्ली और आसपास के शहरों से प्रकृति के करीब समय बिताने के लिए यह एक आकर्षक स्थान बन रहा है।

मेरठ में एक करोड़ की अंग्रेजी शराब से भरा ट्रक पकड़ा, चालक गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली मेरठ में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब से बिहार के पटना ले जाई जा रही करीब एक करोड़ रुपये कीमत की अंग्रेजी शराब से भरा ट्रक पकड़ा है। शराब की तस्करी को छिपाने के लिए तस्करों ने पेटियों को सफेद वॉल पुट्टी और अन्य सामान के बोरों के बीच छिपा रखा था। पुलिस के अनुसार, ट्रक पंजाब से शराब लेकर बिहार जा रहा था। रास्ते में जांच के दौरान पुलिस को वाहन पर संदेह हुआ। तलाशी लेने पर वॉल पुट्टी के बोरों के पीछे शराब की पेटियां बरामद हुईं। इनमें स्कॉच और व्हिस्की समेत विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब बताई गई है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार कर लिया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में शराब की खेप बिहार ले जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब तस्करी के पीछे जुड़े मुख्य सरगना और अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

दिल्ली रोड पर ट्रक की टक्कर से पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त, चालक घायल

एजेंसी, नई दिल्ली



रेवाड़ी में शनिवार रात दिल्ली रोड स्थित राव अभय सिंह चौक के पास एक सड़क हादसे में पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में पुलिस वाहन का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, लाला गांव निवासी करण एचकेआरएन के तहत चालक के पद पर कार्यरत हैं। शनिवार रात वह पुलिस की गाड़ी लेकर दिल्ली रोड से पुलिस लाइन की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान राव अभय सिंह चौक के पास एक ट्रक ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पुलिस वाहन को काफी नुकसान पहुंचा और चालक करण गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। घायल चालक को तत्काल उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उन्हें भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में ट्रक और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी है, ताकि फरार ट्रक चालक और वाहन की पहचान की जा सके। हादसे के कारण कुछ समय के लिए दिल्ली रोड पर यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि घायल चालक की स्थिति और हादसे से जुड़े अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद पुलिस ने फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। घायल चालक का ट्रॉमा सेंटर में उपचार जारी है। पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी है।

फरीदाबाद में मोहना रोड एलिवेटेड पुल का काम तेज,मार्च 2027 से पहले खुलेगा

एजेंसी, नई दिल्ली



मोहना रोड एलिवेटेड पुल मार्च से पहले खुलेगा

फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में मोहना रोड पर निर्माणाधीन एलिवेटेड पुल का इंतजार कर रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। पुल के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। अधिकारियों ने इसे मार्च 2027 से पहले आम जनता के लिए खोलने का लक्ष्य तय किया है।

बल्लभगढ़ विधायक और हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने शनिवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों, इंजीनियरों और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर एलिवेटेड पुल के निर्माण कार्य की समीक्षा की।

बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि पुल के निर्माण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से निर्धारित समयसीमा के भीतर काम पूरा करने के साथ-साथ निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं और कार्य की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की गई।

अधिकारियों ने बैठक में जानकारी दी कि पुल का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसे मार्च 2027 से पहले जनता को समर्पित करने का लक्ष्य रखा गया है। पुल शुरू होने के बाद मोहना रोड पर आने-जाने वाले लोगों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। निर्माणाधीन एलिवेटेड पुल क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क पर वाहनों का दबाव कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। फिलहाल निर्माण कार्य के चलते स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को कई जगहों पर परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जंतर-मंतर का पुराना वीडियो बना नया विवाद, दिल्ली पुलिस की चेतावनी

एजेंसी, नई दिल्ली



सोशल मीडिया पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर कथित बड़े विरोध-प्रदर्शन का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो मौजूदा समय में दिल्ली में चल रहे विरोध-प्रदर्शन का है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस दावे को गलत और भ्रामक बताया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो जंतर-मंतर का पुराना वीडियो है और इसे वर्तमान घटना के रूप में पेश किया जा रहा है।

नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त ने सोशल मीडिया पर वायरल दावे को लेकर लोगों को सावधान किया और कहा कि जंतर-मंतर पर किसी बड़े लाइव विरोध-प्रदर्शन से संबंधित वायरल वीडियो पुराना है। पुलिस ने इसे पुरानी घटना का संग्रहित फुटेज बताया। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी कि जानबूझकर झूठी खबर, भ्रामक जानकारी या गलत वीडियो प्रसारित करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से सोशल मीडिया पर किसी वीडियो या दावे को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचने की अपील की है।

यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर राजनीतिक और सार्वजनिक स्तर पर विरोध की गतिविधियां चल रही हैं। 25 सितंबर को वास्तव में जंतर-मंतर पर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के लिए कई प्रदर्शनकारी पहुंचे थे। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति नहीं होने की बात कहते हुए कई लोगों को हिरासत में लिया था।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों की ओर से ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग उठाई गई थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेडिंग के पास रोक दिया और कई लोगों को हिरासत में लिया। ऐसे में वायरल वीडियो और वास्तविक हालिया घटनाओं के बीच अंतर करना जरूरी है।

श्रीराम बारात को समय पर पूरा कराने की तैयारी, पुलिस ने कसी कमर

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में पारंपरिक श्रीरामलीला महोत्सव के तहत श्रीराम बारात छह अक्टूबर को निकाली जाएगी। बारात को निर्धारित समय में शुरू कर समय पर संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन ने विशेष रणनीति तैयार की है। इसका मुख्य उद्देश्य बारात के मार्ग पर यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना है। श्रीराम बारात के दौरान सबसे अधिक समय घाटिया से श्रीमन:कामेश्वर मंदिर तक वापसी में लगता है। इसी को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त समय को कम करने और बारात को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने की योजना बनाई गई है। इस संबंध में श्रीरामलीला कमेटी और श्री जनकपुरी महोत्सव आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की।

महाकुंभ की वैश्विक पहचान का असर,प्रयागराज में तेजी से बढ़ा पर्यटन

एजेंसी, नई दिल्ली



हर वर्ष 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर तीर्थराज प्रयागराज में पर्यटन के बढ़ते रुझान की तस्वीर सामने आई है। जनवरी से अगस्त 2026 के बीच 23 करोड़ 71 लाख से अधिक देशी-विदेशी पर्यटकों और तीर्थ यात्रियों ने प्रयागराज का भ्रमण किया। इससे शहर में धार्मिक और पर्यटन गतिविधियों में तेजी आने का संकेत मिलता है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज को मिली वैश्विक पहचान के बाद यहां के धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के प्रति पर्यटकों का आकर्षण बढ़ा है।

संगम, अक्षयवट, लेटे हनुमान मंदिर, शंकर विमान मंडपम, श्रृंगवेरपुर धाम और शहर की ऐतिहासिक इमारतें प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने में विभिन्न कॉरिडोर और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी भूमिका बताई जा रही है। संगम बांध स्थित लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर, आनंद भवन, भरद्वाज आश्रम कॉरिडोर, श्रृंगवेरपुर धाम कॉरिडोर और इलाहाबाद संग्रहालय तक पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

प्रयागराज में बेहतर सड़क संपर्क और ओवरब्रिज बनने से आवागमन भी पहले की तुलना में आसान हुआ है। पहले कई मार्गों पर यातायात जाम के कारण यात्रियों को परेशानी होती थी, लेकिन नए बुनियादी ढांचे से शहर के प्रमुख हिस्सों तक पहुंच आसान हुई है।

नाबालिग पत्नी के साथ यौन संबंध पर हाई कोर्ट का अहम फैसला

बाल संरक्षण कानून सर्वोपरि, व्यक्तिगत कानून से नहीं मिलेगी छूट

एजेंसी, नई दिल्ली



व्यक्तिगत कानून से नहीं मिलेगी आपराधिक मामले में छूट

दिल्ली हाई कोर्ट ने नाबालिग पत्नी के साथ यौन संबंध बनाने के एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि आपराधिक कानूनों के तहत आपराधिक दायित्व से बचने के लिए मुस्लिम पर्सनल लॉ का सहारा नहीं लिया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि पत्नी की उम्र यौन संबंध के समय 18 वर्ष से कम थी, तो मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत वैध मानी जाने वाली शादी भी आरोपी को बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम एक्ट और भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों से छूट नहीं दिला सकती।

जस्टिस संजीव नरूला की अध्यक्षता वाली दिल्ली हाई कोर्ट की पीठ ने एक मुस्लिम दंपती की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। दंपती का तर्क था कि उनकी शादी मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत वैध है और इसी आधार पर पति को नाबालिग पत्नी के साथ यौन संबंध के आरोपों से राहत मिलनी चाहिए। कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि पर्सनल लॉ यह निर्धारित कर सकता है कि विवाह वैध है या नहीं और उससे जुड़े नागरिक या व्यक्तिगत कानूनी परिणाम क्या होंगे। हालांकि, आपराधिक कानून के तहत किसी व्यक्ति को दायित्व से छूट तभी मिल सकती है, जब संबंधित कानून में ऐसी छूट या अपवाद का प्रावधान मौजूद हो। अदालत ने कहा कि जब संसद ने आपराधिक कानून में किसी विशेष परिस्थिति के लिए अपवाद नहीं बनाया है, तब पर्सनल लॉ के आधार पर उस कानून से छूट नहीं दी जा सकती।

कोर्ट के अनुसार, नाबालिगों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने वाले कानूनों का उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत वैध मानी जाने वाली शादी,बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम एक्ट के प्रावधानों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती। यदि पत्नी की उम्र 18 वर्ष से कम है, तो उसके साथ यौन संबंध बनाने के मामले मेंबाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) और बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम एक्ट की धारा 6 के तहत दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा था। आरोपी ने एफआईआर रद्द करने की मांग की थी, लेकिन हाई कोर्ट ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। अदालत ने आरोपी के खिलाफ मामले को आगे बढ़ने की अनुमति दी। 23 सितंबर के आदेश में, जिसे शनिवार को जारी किया गया, जस्टिस नरूला ने कहा कि व्यक्तिगत कानून और आपराधिक कानून के दायरे अलग-अलग हैं। विवाह की वैधता अपने आप किसी व्यक्ति को नाबालिग के खिलाफ यौन अपराध के आरोप से सुरक्षा नहीं देती।

यूपीआईटीएस में पीयूष गोयल का हमला बोले- 2017 के बाद बदली यूपी की तस्वीर

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के विशेष सत्र में उत्तर प्रदेश की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति को लेकर भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए उसे 'बिगिनर्स' यानी नौसिखियों की सरकार बताया और कहा कि 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में विकास की 'बुलेट ट्रेन' दौड़ रही है। गोयल ने कहा कि 2016-17 तक प्रदेश की स्थिति अलग थी। वर्ष 2017 में सरकार बदलने के बाद 'नई यूपी, विकसित यूपी' का संकल्प लिया गया।

उनके अनुसार, यूपीआईटीएस का चौथा संस्करण इसी बदलाव और संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए नए अवसर उपलब्ध करा रहा है। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, ट्रेड शो के दौरान करीब दो से तीन हजार करोड़ रुपये के समझौते किए जा रहे हैं। उन्होंने इसे प्रदेश में बढ़ते निवेश, निर्यात और कारोबारी गतिविधियों का संकेत बताया। गोयल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास और निर्यात की रफ्तार तेज हुई है, जिसे उन्होंने 'विकास की बुलेट ट्रेन' के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने राज्य में निवेश के लिए विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे का भी उल्लेख किया।

गोयल के अनुसार, प्रदेश में एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक पार्क, सेमीकंडक्टर और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि इन पहलों से उत्तर प्रदेश को औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनाने में मदद मिल रही है। गोयल ने अपने संबोधन में 2016 से पहले की स्थिति का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि उस समय उत्तर प्रदेश में निवेश करने को लेकर कारोबारी उत्साहित नहीं थे और राज्य का बजट अक्सर घाटे में पेश किया जाता था।

उनके अनुसार, पिछले वर्षों में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से प्रदेश की आर्थिक तस्वीर में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यूपीआईटीएस जैसे आयोजन उत्तर प्रदेश के उत्पादों, उद्यमियों और निर्यातकों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का मंच उपलब्ध करा रहे हैं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पीयूष गोयल ने कहा कि 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में निवेश, निर्यात, उद्योग और बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षा व स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं: धर्माणी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। तकनीकी शिक्षा, नगर व ग्राम नियोजन तथा आवास मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य केवल संस्थान खोलना नहीं, बल्कि पर्याप्त स्टाफ और आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाना है। वह रविवार को घुमारवीं विकास खंड की लद्दा पंचायत में आयोजित 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने करीब 30 जनसमस्याएं सुनीं और अधिकारियों को इनके समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। धर्माणी ने बताया कि प्रदेश के नए मेडिकल कॉलेजों में पीजी कक्षाएं शुरू की गई हैं तथा 'जायका' के सहयोग से 3,000 करोड़ रुपए की स्वास्थ्य परियोजना स्वीकृत हुई है। विशेष राजस्व अदालतों के माध्यम से प्रदेशभर में सात लाख से अधिक लंबित मामले निपटाए गए हैं। उन्होंने बताया कि घुमारवीं नागरिक अस्पताल में नौ और बिलासपुर क्षेत्रीय अस्पताल में 21 विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात हैं। स्थानीय मांग पर उन्होंने जाहू-बम्म-लद्दा-घुमारवीं होते हुए एम्स के लिए बस सेवा शुरू करने का आश्वासन दिया। साथ ही लद्दा महिला मंडल भवन की मरम्मत के लिए एक लाख और सलवाहण महिला मंडल को 15 हजार रुपए देने की घोषणा की।

250 विद्यार्थियों की प्रतिभा का अद्भुत संगम रंगारंग प्रस्तुतियों से सजा वार्षिक समारोह



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकासनगर में वार्षिकोत्सव उत्साह और सांस्कृतिक रंगों के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा हमीरपुर कमल किशोर भारती मुख्यातिथि रहे, जबकि जिला विज्ञान सलाहकार राजेश गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन के पदाधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी भी समारोह में मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें शैक्षणिक, खेल एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों को दर्शाया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 250 विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने 'सरस्वती स्वरांजलि', 'द लैंड ऑफ द मैजिक एंड ड्रीम्स', 'द ट्राइबल स्पिरिट', 'गणेश से गजानन' और 'हवाईयन ड्रीम्स' सहित कई प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मकता का संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया गया।

सपने वही बड़े होते हैं, जिनके पीछे संकल्प और संस्कार हों: जीतराम कटवाल



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता विधानसभा क्षेत्र में रविवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'मेरे सपनों का भारत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बालक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल निहाण में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय विधायक जीतराम कटवाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने स्कूली बच्चों, भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 138वां संस्करण सुना। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने विकसित, स्वच्छ, नशामुक्त, संस्कारयुक्त और आत्मनिर्भर भारत को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विधायक ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जीतराम कटवाल ने कहा कि कार्यक्रम केवल भाषण प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के भविष्य से संवाद का माध्यम है। उन्होंने कहा कि बड़े सपनों के पीछे संकल्प और सफल संकल्पों के पीछे संस्कार, परिश्रम तथा राष्ट्रभावना जरूरी है। उन्होंने युवाओं को शिक्षित, संस्कारित और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया।

ग्वारडू पंचायत में सुनी पीएम के 'मन की बात'

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर की अध्यक्षता में रविवार को ग्राम पंचायत ग्वारडू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक प्रसारण सुना गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत ग्वारडू के प्रधान अनिल काकू, जिला परिषद सदस्य मंजीत धीमान सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर 'आंगन उत्सव' कार्यक्रम के तहत क्षेत्र की आंगनबाड़ी सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए समाज निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इसके तहत स्थानीय जल स्रोतों की सफाई की गई तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्वच्छ जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छ पर्यावरण के महत्व की जानकारी दी गई। स्थानीय लोगों ने भी अभियान में भाग लेते हुए स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

बिलासपुर कॉलेज में पीटीए की कार्यकारिणी गठित



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में रविवार को अभिभावक-अध्यापक संघ (पीटीए) की आम सभा आयोजित हुई। कॉलेज प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए पीटीए की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। अभिभावकों ने तरुण टाडू को अध्यक्ष चुना। बैठक में पीटीए सचिव प्रो. रितु राज ने अभिभावकों और शिक्षकों का स्वागत किया तथा कॉलेज के वित्तीय खर्चों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने निवर्तमान अध्यक्ष नईम मोहम्मद और कार्यकारिणी द्वारा करवाए गए विकास कार्यों की सराहना की। इसके बाद पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई, जिसका संचालन सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं वाइस प्रिंसिपल प्रो. प्रेमजीत ने किया। नई कार्यकारिणी में सुरेंद्र पाल को उपप्रधान, हीरालाल को सहसचिव, परविन्द्र शर्मा को कोषाध्यक्ष और संजीव ढिल्लों को मुख्य सलाहकार चुना गया। अभिभावक वर्ग से गगन पाल, प्रकाश ठाकुर, विरेन्द्र खन्ना और रंजना महाजन मनोनीत सदस्य बनाए गए। शिक्षक वर्ग से प्रो. रितु राज को पीटीए सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात, निचले क्षेत्रों में बारिश

किन्नौर में बर्फबारी-बारिश से बदला मौसम, स्पीति में सीजन का पहला हिमपात

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सितंबर के अंतिम सप्ताह में हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में मौसम ने अचानक करवट ली है। जनजातीय जिला किन्नौर में शनिवार से शुरू हुआ बारिश और बर्फबारी का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा।



ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी से पहाड़ सफेद होने लगे हैं, जबकि निचले इलाकों में लगातार बारिश से तापमान में गिरावट आई है। किन्नौर के छितकुल, नाको और मलिंग समेत ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रविवार को भी हिमपात हुआ। मौसम में आए इस बदलाव से इन क्षेत्रों में ठंड बढ़ गई है। लाहौल-स्पीति की स्पीति वैली में भी रविवार को मौसम का पहला बड़ा बदलाव देखने को मिला। यहां सीजन की पहली बर्फबारी ने पहाड़ों को सफेद करना शुरू कर दिया है। स्पीति के उपमंडल मुख्यालय काजा के साथ चिचम गांव में भी रविवार सुबह से बर्फबारी हो रही है। सितंबर के अंत में हुए इस हिमपात से घाटी में ठंड का असर बढ़ गया है। किन्नौर के कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पिछले करीब 24 घंटे से बारिश जारी है। लगातार बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के कारण तापमान नीचे आया है। मौसम में बदलाव के साथ सुबह और शाम के समय ठंड का असर बढ़ गया है। ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम ने सर्दी की दस्तक का अहसास कराना शुरू कर दिया है। किन्नौर और स्पीति के अलावा रामपुर बुशहर, ऊपरी शिमला और कुल्लू के आउटर सिराज में भी रविवार सुबह से बारिश हो रही है। इन इलाकों में बारिश के कारण मौसम ठंडा हो गया है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बदल रहे मौसम के बीच लोगों को आवाजाही के दौरान सावधानी बरतने की जरूरत है।

नाको-काजा मार्ग बंद, मलिंग नाले के पास गिरे पत्थर

मौसम खराब होने के बीच किन्नौर में सड़क यातायात भी प्रभावित हुआ। नाको से आगे मलिंग नाले के पास पहाड़ से लगातार पत्थर गिरे। पत्थरों के लगातार गिरने के कारण रिकांगपिओ से काजा जाने वाले मार्ग पर फिलहाल यातायात ठप है। मार्ग पर आवाजाही करना जोखिम भरा होने के कारण वाहनों को रोक दिया गया है। मलिंग नाले का यह हिस्सा पहले भी भूस्खलन और पत्थर गिरने के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। बारिश के बीच पहाड़ी से लगातार मलबा और पत्थर आने की स्थिति में मार्ग खोलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

ज्वाली में प्रतियोगी परीक्षा में 200 विद्यार्थियों ने लिया भाग



भारतेन्दु संवाददाता, ज्वाली। स्प्रिंग डेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल ज्वाली में रविवार को मिनर्वा स्टडी सर्किल की ओर से जेईई, नीट तथा एनडीए की प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया गया।

परीक्षा में विद्यालय के विद्यार्थियों के अलावा आसपास के करीब 20 से 25 सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा में लगभग 200 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के वातावरण से परिचित करवाना, उनकी शैक्षणिक क्षमता का आकलन करना तथा उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना रहा। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे विद्यार्थियों को एक ही मंच पर परीक्षा देने का अवसर मिला, जिससे उन्हें अपनी तैयारी और ज्ञान का आकलन करने का अनुभव प्राप्त हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजीव सिंह निरयाल, अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र, प्रबंध निदेशक पवन चौधरी तथा समिति सदस्य चंद्रशेखर ने मिनर्वा स्टडी सर्किल की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगी परीक्षाएं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उन्हें भविष्य की महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार करने में सहायक होती हैं।

प्रो. धूमल ने रुद्र एज प्रोजेक्ट के लिए ग्रांट पाने वाले छात्रों को किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने समीरपुर स्थित अपने निवास पर राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हमीरपुर के कंप्यूटर साइंस के पांचवें सेमेस्टर के छात्र सर्वेश शर्मा और पीयूष शर्मा को सम्मानित किया। दोनों छात्रों के 'रुद्र एज' प्रोजेक्ट के लिए रक्षा मंत्रालय से 3.5 करोड़ रुपए की ग्रांट स्वीकृत हुई है।

सर्वेश शर्मा द्वारा तैयार ड्रोन प्रोटोटाइप ने स्वदेशी रक्षा तकनीक और युवा नवाचार की संभावनाओं को प्रदर्शित किया। करीब 87 हजार रुपए की लागत से तैयार प्रारंभिक प्रोटोटाइप के बाद 'रुद्र एज टी-1' प्रोजेक्ट को रक्षा मंत्रालय से 3.5 करोड़ रुपए की सहायता मिली। प्रो. धूमल ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि देश की सुरक्षा और तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए युवाओं के प्रयास महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर उन्होंने एशियन गेम्स 2026 में कबड्डी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला और पुरुष टीमों को भी बधाई दी। भारतीय महिला टीम ने फाइनल में ईरान को 37-34 तथा पुरुष टीम ने 40-34 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। प्रो. धूमल ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों के अनुशासन, समर्पण और परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय महिला टीम में शामिल हिमाचल की चार बेटियों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की और उनके योगदान की सराहना की।

निजी स्कूलों की संबद्धता प्रक्रिया का कैलेंडर जारी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए निजी शिक्षण संस्थानों की नई संबद्धता, उन्नयन एवं नवीनीकरण प्रक्रिया का कैलेंडर जारी किया है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 1 से 31 अक्तूबर 2026 तक चलेगी। संस्थानों को आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के साथ निर्धारित शुल्क ऑनलाइन जमा करवाना होगा। आवेदनों के बाद 30 नवंबर तक संस्थानों का निरीक्षण किया जाएगा। कमियां पाए जाने पर 15 दिसंबर तक सूचना दी जाएगी और उन्हें दूर करने के लिए 30 दिसंबर तक का समय मिलेगा। संबद्धता पर अंतिम निर्णय 31 जनवरी 2027 तक लिया जाएगा। बोर्ड ने संस्थानों से निर्धारित समय में आवेदन करने तथा नियमों व आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी पहले प्राप्त करने का आग्रह किया है।

विकसित भारत के लक्ष्य में शिक्षा बनेगी बदलाव की मजबूत आधारशिला: अनुराग



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पूर्व केंद्रीय मंत्री व लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने विकसित भारत 2047 को आकार देने में शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया है।

अनुराग ठाकुर ने पारंपरिक कक्षा की भूमिकाओं से बाहर निकलने के लिए विश्वविद्यालयों की सराहना की और कहा कि सामाजिक गतिशीलता, समानता और डिजिटल डिवाइड जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए शिक्षा के वैकल्पिक मॉडल महत्वपूर्ण हैं। अनुराग ठाकुर ने यह बात रविवार को श्री साई विश्वविद्यालय, पालमपुर में 'समाज, शिक्षा और सामाजिक विकास : उभरते मुद्दे और विकल्प' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। अनुराग सिंह ठाकुर ने शिक्षा को शिक्षाविदों और राजनीतिक वर्ग के बीच एक साझा जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि 5 ट्रिलियन डॉलर की ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था के लिए भारत की आकांक्षाएं पूरी तरह से एक मजबूत शिक्षा प्रणाली पर निर्भर करती हैं। उन्होंने ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (वैश्विक नवाचार सूचकांक) में देश की उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला, जो 133 देशों में 2015 के 81वें स्थान से छलांग लगाकर 2025 में 38वें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि यह तीव्र प्रगति उस नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाती है जो 2014 के बाद से फला-फूला है, जिससे यह अनिवार्य हो जाता है कि भारत को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए शिक्षा और नवाचार को एक साथ लाया जाए। भारतीय शिक्षा पर 'रीसेट बटन' दबाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए अनुराग ने उस बड़े पैमाने के बुनियादी ढांचे के विस्तार की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसने देश भर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाया है। उन्होंने कहा कि देश में आईआईटी की संख्या 16 से बढ़कर 23, आईआईएम की संख्या 13 से बढ़कर 22, विश्वविद्यालयों की संख्या 760 से बढ़कर 1,330 हो गई है, और मेडिकल कॉलेजों में 118.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में दवाईयों व जरूरी सामान की कमी

दवा-सिरिंज की कमी से मरीजों की बढ़ी परेशानी, व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल हमीरपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खुल गई है। अस्पताल में प्रसव करवाने आने वाली महिलाओं से लेकर सामान्य मरीजों तक को दवाइयां, सिरिंज और अन्य जरूरी मेडिकल सामान बाहर मेडिकल स्टोर से लाने के लिए कहा जा रहा है।



मरीजों और तीमारदारों के अनुसार अस्पताल के अंदर दवा काउंटर पर अधिकांश दवाइयां उपलब्ध ही नहीं हैं। यहां तक कि इंजेक्शन लगाने के लिए सिरिंज, ग्लब्स, कॉटन और प्रसव किट तक बाहर से मंगवाई जा रही है। मजबूरन मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में डिलीवरी करवाने बल दिया जाता है लेकिन गर्भवती महिलाओं को उचित सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। यही नहीं प्रसव होने के बाद नवजात शिशु को किट दी जाती थी उसे भी बंद कर दिया है। यही नहीं मेडिकल कॉलेज अस्पताल हमीरपुर में मरीजों को हिम केयर योजना का फायदा नहीं मिल रहा है। तीमारदार हिम केयर योजना कार्ड लेकर आ रहे हैं, लेकिन वह 5 लाख तक निशुल्क इलाज नहीं करवा पा रहे हैं। गौरतलब है अस्पताल में रोजाना 800 से 1000 मरीज ओपीडी में आते हैं। सरकार की ओर से अस्पताल को निशुल्क दवा योजना के तहत बजट भी दिया जाता है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि स्टोर में स्टॉक खत्म है और सप्लाई समय पर नहीं पहुंच रही। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली गर्भवती महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। परिजनों का आरोप है कि डिलीवरी के समय डॉक्टरों द्वारा एक लंबी पर्ची थमा दी जाती है और कहा जाता है कि सामान जल्दी लेकर आओ। कई गरीब परिवारों के लिए 80 से 10 हजार रुपए का यह अतिरिक्त खर्चा भारी पड़ रहा है। लोगों ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि मेडिकल कॉलेज में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और बाहर से सामान मंगवाने की प्रथा पर तुरंत रोक लगाई जाए, ताकि गरीब मरीजों को राहत मिल सके। इस बारे में स्वास्थ्य अधीक्षक देश राज शर्मा ने बताया कि कई सामान की कमी हो जाती है इसलिए बाहर से मंगवाया जाता है।

डीएवी पब्लिक स्कूल तियारा के 3 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डीएवी पब्लिक स्कूल तियारा ने खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए अंडर-19 वर्ग की राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन किया। इसके आधार पर विद्यालय के तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन आगामी राष्ट्रीय स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों में कक्षा 10वीं के आर्यन कपूर, कक्षा 10वीं के अनिकेत तथा कक्षा 11वीं के अक्षित कुमार शामिल हैं। तीनों खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान प्रभावी प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस उपलब्धि पर डीएवी कॉलेज प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी, चेयरमैन जस्टिस प्रीतम पाल, सहायक क्षेत्रीय अधिकारी नमित शर्मा, प्रबंधक विपिन जिस्टू और डीएवी तियारा के प्रधानाचार्य नरेश शर्मा ने खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों और खेल शिक्षकों को बधाई दी। प्रधानाचार्य ने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए क्लस्टर हेड डॉ. रश्मी जमवाल का विशेष आभार जताया। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने जा रहे तीनों खिलाड़ियों को विद्यालय परिवार ने शुभकामनाएं दीं।

कालाअंब बैरियर से टकराया बेकाबू कंटेनर, दो घायल

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर के कालाअंब में रविवार तड़के तेज रफ्तार कंटेनर अनियंत्रित होकर हिमाचल-हरियाणा सीमा स्थित अंतरराज्यीय बैरियर से जा टकराया। हादसे में चेक पोस्ट का ढांचा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। हादसा सुबह करीब चार बजे हुआ। बैरियर पर तैनात कर्मचारियों ने कंटेनर को तेज गति से अपनी ओर आते देखा और समय रहते सुरक्षित स्थान पर हट गए। इससे बड़ा हादसा टल गया। टक्कर के कारण चेक पोस्ट को काफी नुकसान पहुंचा। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। हादसे में कंटेनर की गति, तकनीकी खराबी और चालक की स्थिति समेत विभिन्न पहलुओं को जांच में शामिल किया गया है। मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

मेहनत 200 बैग से शुरू किया सफर, 7 हजार बैग तक पहुंचा उत्पादन

मशरूम उत्पादन ने बदली अंकित की राह

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मेहनत, प्रशिक्षण और कुछ अलग करने का जज्बा हो तो स्वरोजगार सफलता की राह खोल सकता है। सुंदरनगर के पुराना बाजार निवासी अंकित कुमार ने इसका उदाहरण पेश किया है।

बारहवीं तक पढ़ाई के बाद नौकरी की तलाश करने के बजाय उन्होंने मशरूम उत्पादन को आजीविका का माध्यम बनाया। महज 200 बैग बटन मशरूम से शुरू हुआ उनका सफर आज सात हजार बैग की उत्पादन क्षमता तक पहुंच गया है। अंकित ने व्यवसाय शुरू करने से पहले एक मशरूम फार्म में करीब छह-सात महीने काम कर उत्पादन की बारीकियां सीखीं। इसके बाद कृषि विज्ञान केंद्र, सुंदरनगर से प्रशिक्षण लेकर वैज्ञानिक तरीके से मशरूम उत्पादन शुरू किया। अनुभव के साथ उन्होंने ढिंगरी मशरूम का उत्पादन भी शुरू किया। अंकित के अनुसार, करीब 80म80 फीट क्षेत्र में वर्टिकल फार्मिंग के जरिए कई स्तरों पर उत्पादन किया जा रहा है। वर्तमान में वह प्रतिमाह करीब 20 क्विंटल मशरूम सब्जी मंडियों में बेच रहे हैं। खर्च निकालने के बाद करीब डेढ़ लाख रुपए प्रतिमाह की आय हो रही है।



हर माह 20 क्विंटल मशरूम की बिक्री पंजाब में स्थापित की नई इकाई

खुम्ब विकास योजना से मिली मदद

उद्यान विभाग के विषयवाद विशेषज्ञ राजेश कुमार ने बताया कि सुंदरनगर में हिमाचल खुम्ब विकास योजना के तहत 26 लाभार्थियों को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है। योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में अंकित को मशरूम शेड निर्माण के लिए 50 हजार रुपए की सहायता मिली।

पंजाब में भी बढ़ाया कारोबार

अंकित ने कारोबार का विस्तार करते हुए भरतगढ़ के पास पंजाब में नई मशरूम इकाई स्थापित की है। उन्होंने बताया कि दोनों क्षेत्रों के तापमान के अनुसार अलग-अलग किस्मों का उत्पादन किया जाता है। अंकित के अनुसार उनके फार्म में रासायनिक पेस्टिसाइड, इंसेक्टिसाइड और फंगीसाइड का इस्तेमाल नहीं किया जाता। उन्होंने युवाओं से स्वरोजगार और कृषि आधारित व्यवसायों को अपनाने की अपील की।

टेबल टेनिस में कोटड़ी व्यास बना सिरमौर विजेता, हैंडबॉल में भी रहा शानदार प्रदर्शन



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। द एरुडाइट वर्ल्ड स्कूल, बातापुल में आयोजित अंडर-14 जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का शनिवार को समापन हुआ। इसमें शहीद कमल कांत स्मारक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोटड़ी व्यास के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया।

विद्यालय की अंडर-14 गर्ल्स टेबल टेनिस टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए सिरमौर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं, हैंडबॉल प्रतियोगिता में टीम ने जिला स्तर पर तृतीय स्थान हासिल किया। टेबल टेनिस विजेता टीम में सुहाना, आरुषि, यशवी, प्राची और किंजल शामिल रहीं। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह में मुख्यातिथि विधायक व पूर्व ऊर्जा मंत्री सुखराम चौधरी सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। टीम प्रशिक्षक धर्मेंद्र चौधरी और प्रबंधक शशि गुप्ता ने खिलाड़ियों की सफलता पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास, अनुशासन, मेहनत और अभिभावकों के सहयोग से यह उपलब्धि हासिल हुई है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य जीवन प्रकाश जोशी और समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों को बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मान सिंह सहित अभिभावकों ने भी खिलाड़ियों की उपलब्धि पर खुशी जताई। विद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन धीर ने दिया मार्गदर्शन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। एकल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन चंद्र धीर ने मंडी व बंजार क्षेत्र के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन के आगामी कार्यों, विस्तार तथा ग्राम स्तर की गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते हुए अभियान के उद्देश्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यों को गति देने पर बल दिया। बैठक में एकल भारत अभियान हिमाचल प्रदेश के मनोहर लाल, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री सुनील, प्रांत प्रमुख महिला प्रकोष्ठ प्रो. अनुपमा सिंह, पवन भाग, ललित कपूर, शारदा, बलदेव, रेखा गुलेरिया, भावना सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने आगामी कार्यक्रमों और सेवा कार्यों के विस्तार को लेकर सुझाव साझा किए। धीर के मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ तथा ग्राम विकास एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

राष्ट्रपति दौरे की मीडिया कवरेज में स्थानीय पत्रकारों को भी मिले अवसर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। आगामी 6 अक्तू बर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित बिलासपुर दौरे की मीडिया कवरेज में स्थानीय पत्रकारों को भी अवसर देने की मांग उठी है। जिला फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट वेलफेयर ने कैबिनेट मंत्री राजेश धर्माणी सहित जिले के सभी विधायकों को पत्र भेजकर इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। फेडरेशन अध्यक्ष कश्मीर सिंह ठाकुर ने मंत्री राजेश धर्माणी, बिलासपुर सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल, श्री नयना देवी जी विधायक रणधीर शर्मा और झंडूता विधायक जेआर कटवाल से स्थानीय पत्रकारों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का दौरा बिलासपुर के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, जिसकी कवरेज स्थानीय पत्रकारों के लिए भी जरूरी है। फेडरेशन ने सुरक्षा और राष्ट्रपति भवन के प्रोटोकॉल का पूरा सम्मान करते हुए मांग की कि वर्षों से जिला मुख्यालय पर सक्रिय वरिष्ठ एवं नियमित पत्रकारों को भी निर्धारित मानकों के तहत कवरेज का अवसर दिया जाए।

बाल विज्ञान कांग्रेस में पीएम श्री एससीवीटी सीबीएसई विद्यालय अर्की रहा प्रथम



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। पीएम श्री एससीवीटी सीबीएसई राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अर्की के विद्यार्थियों ने बाल विज्ञान कांग्रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इनोवेटिव प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। जीएसएसएस दाड़लाघाट में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'स्मार्ट हिमालयन विलेज' विषय पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किया। मॉडल में वर्षा जल संचयन, स्वचालित सिंचाई, जल के पुनः उपयोग और अग्नि सुरक्षा प्रणाली जैसी आधुनिक अवधारणाओं को शामिल किया गया। विद्यार्थियों ने हिमालयी क्षेत्रों में जल संरक्षण, कृषि और सुरक्षा व्यवस्था को तकनीक से जोड़ने की संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इनोवेटिव प्रोजेक्ट का प्रदर्शन ज्योतिर्मय ठाकुर और ध्रुव चंदेल ने किया। वहीं, विज्ञान क्विज में विद्यालय के हेमंत सहगल और लक्ष्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य हेमराज गौर ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए मेंटोर दीपक शर्मा सहित पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करती हैं।

स्वच्छ शहर का संदेश लेकर निकली जागरूकता रैली



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नगर पंचायत अर्की के तत्वावधान में शहर में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में सरकारी व निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों, आईटीआई छात्रों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं सहित स्थानीय लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए साफ-सफाई अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में हिमाचल शहरी विकास विभाग के संयुक्त निदेशक संजय भगवती विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण आधार है और इसे केवल अभियान तक सीमित न रखकर दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। नगर पंचायत अर्की की अध्यक्ष सीमा शर्मा ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लोगों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। विद्यार्थियों ने भी लोगों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष वीना ठाकुर, वार्ड पार्षद रंजना कालिया, देवेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, अनुज गुप्ता, पंचायत सचिव अभिनव शर्मा सहित शिक्षक, विद्यार्थी और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं मौजूद रहीं।

सुंगल बूथ पर 'मन की बात' कार्यक्रम, नए सदस्यों का भाजपा ने किया स्वागत



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के सुंगल बूथ पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार, सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल, भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल, प्रदेश प्रवक्ता स्वतंत्र शांख्यान और प्रदेश सह मीडिया प्रभारी स्वदेश ठाकुर सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। इसके बाद समाज, राष्ट्र और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सांसद डॉ. सिकंदर कुमार की उपस्थिति में विभिन्न लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा में शामिल होने वालों में ग्राम पंचायत बामटा की प्रधान कौशल्या देवी, अनिल कुमार, प्रेमलाल, सीताराम, कमलेश, गंगाराम, राजू तथा वार्ड सदस्य नंदलाल शामिल रहे। भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने नवागत सदस्यों का स्वागत किया और संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो नशा तस्करों से 25.37 ग्राम चिट्टा बरामद, काबू

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार बीती देर रात कांगड़ा पुलिस की सीआईए टीम ने दो तस्करों को चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक पंजाब का रहने वाला है। पुलिस टीम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस थाना पंचरुखी के अंतर्गत आने वाले साई यूनिवर्सिटी बैंड के समीप यह बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना पंचरुखी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है। एसपी कांगड़ कुलभूषण वर्मा ने बताया कि सीआईए टीम ने विशेष गश्त एवं नाकाबंदी के दौरान श्री साई यूनिवर्सिटी बैंड के समीप संदिग्ध अवस्था में घूम रहे दो व्यक्तियों को 25.37 ग्राम चिट्टे/हेरोइन के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना पंचरुखी में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पलविंदर सिंह (39 वर्ष), गांव व डाकघर दवावाल कलां, तहसील बटाला, जिला गुरदासपुर (पंजाब) तथा ऋषभ कुमार (35 वर्ष) गांव व डाकघर अवेरी, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। एसपी ने बताया कि पुलिस आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह खेप कहां से लाई जा रही थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था।

हमीरपुर के 27 किलोमीटर का नेशनल हाईवे 43.50 करोड़ से होगा चकाचक

लंबे समय से गड्ढों में तबदील सड़क वाहन चालकों के लिए बनी है परेशानी, विभागीय औपचारिकताएं पूरी

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। लंबे समय से गड्ढों में तबदील हो चुके नेशनल हाईवे-103 अब 43.50 करोड़ से चकाचक होगा। इसके लिए विभागिय औपचारिकताएं पूरी कर मौसम खुलते ही कार्य भी शुरू हो गया है। बतातें चलें कि लोक निर्माण विभाग हमीरपुर ने एनएच 103 के करीब 27 किलोमीटर हिस्से के जीर्णोद्धार पर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर काम आवंटित किया जा चुका है।

इसके लिए सबसे बड़े हिस्से में पक्काभरों से चीलबहल तक करीब 18 किलोमीटर सड़क का लगभग 35 करोड़ रुपए की लागत से कायाकल्प किया जाएगा। इस बार सड़क पर केवल तारकोल की नई परत चढ़ाने तक काम सीमित नहीं रहेगा, बल्कि करीब बारह प्रकार के कार्य किए जाएंगे, इनमें ढंगों से लेकर बड़ी नालियां, पैराफिट व





सड़क की चौड़ाई पहाड़ी का कटाव व बाकायदा फुटपाथ बनाने जैसे कार्य शामिल है। बारिश के पानी की निकासी बेहतर बनाने के साथ-साथ सड़क के संवेदनशील हिस्सों को मजबूत किया जाएगा। विभाग पहले डंगों का निर्माण करेगा व इसके बाद सड़क के जीर्णोद्धार का काम शुरू किया जाएगा। इसी नेशनल हाईवे-103 पर पक्काभरों से मट्टनसिद्ध तक करीब नौ किलोमीटर हिस्से को भी 8.50 करोड़ रुपए की लागत से दुरुस्त किया जाएगा। इस हिस्से की टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। खास तौर पर मट्टनसिद्ध के पास बार-बार खराब होने वाली सड़क को लेकर विभाग ने तकनीकी समाधान की तैयारी की हैं। संबंधित हिस्से में करीब 40 एमएम मोटी तारकोल बीम डालकर सड़क को मजबूती देने की योजना है, ताकि बार-बार सड़क क्षतिग्रस्त होने की समस्या पर अंकुश लगाया जा सके। नेशनल हाईवे 103 के इस बड़े हिस्से की बदहाली लंबे समय से वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई थी। जगह-जगह क्षतिग्रस्त सड़क, जल निकासी की समस्या और डंगों की जरूरत के चलते बरसात में समस्या और गंभीर हो चुकी है। ऐसे में 43.50 करोड़ रुपए का यह प्रोजेक्ट केवल सड़क की सूरत बदलने का काम नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही जनसमस्या के समाधान की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। बतातें चलें इससे पहले इसी नेशनल हाईवे के पक्का भरो से लेकर भट्ठा तक हुआ टेंडर पर कथित न तो कार्य पूरा हो पाया और न ही उस कार्य की गुणवत्ता सही रही। यही वजह रही कि कुछ समय बाद ही मार्ग कई स्थानों से उखड़ता रहा। इसके बाद कई वर्षों तक यहां पैच वर्क कर मार्ग के काम की औचारिकताऐं ही पूरी होती रही।

> **लोक** निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिशाषी अभियंता दीपक कपूर ने बताया कि मट्टनसिद्ध से पक्काभरों व पक्काभरों से चीलबहल तक एनएच 103 का 43.50 करोड़ खर्च कर बेहत्तर बनाया जा रहा है।

शालाघाट में बिजली व्यवस्था मजबूत 100 से 250 केवी हुआ ट्रांसफार्मर



◆ बीडीसी सदस्य भूपेंद्र ने बिजली बोर्ड का जताया आभार

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की के शालाघाट क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बिजली विभाग ने ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ा दी है।

क्षेत्र में स्थापित 100 केवी क्षमता वाले ट्रांसफार्मर को अब बढ़ाकर 250 केवी कर दिया गया है। क्षमता बढ़ने से स्थानीय लोगों को बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलने की उम्मीद है। बीडीसी सदस्य भूपेंद्र शर्मा ने ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिशाषी अभियंता संदीप शर्मा, सहायक अभियंता नीरज कतना, कनिष्ठ अभियंता अनिश गुप्ता, फोरमैन दिलाराम और लाइनमैन संदीप गुप्ता का विशेष रूप से धन्यवाद किया। भूपेंद्र शर्मा ने कहा कि शालाघाट क्षेत्र में लंबे समय से अधिक क्षमता वाले ट्रांसफार्मर की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। बढ़ते विद्युत लोड के कारण स्थानीय लोगों को कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब ट्रांसफार्मर की क्षमता 100 से बढ़कर 250 केवी होने से बढ़े हुए विद्युत भार को संभालने में मदद मिलेगी और आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए विभाग ने यह महत्वपूर्ण कार्य पूरा किया है। इससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को अधिक सुचारू बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार जताते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण समस्या का समाधान हुआ है।

चिट्टा तस्करी मामले में तीसरा आरोपी काबू सप्लाई चेन की कड़ियां खंगाल रही पुलिस



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिले में नशे के अवैध कारोबार और ड्रग सप्लाई नेटवर्क के खिलाफ बिलासपुर पुलिस की कार्रवाई जारी है। सदर थाना क्षेत्र में चिट्टे की खेप बरामदगी के मामले में पुलिस ने बैकवर्ड लिंकेज खंगालते हुए सप्लाई चेन से जुड़े एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान आशीष कुमार (26), निवासी गांव गसौड़, डाकघर जुखाला, तहसील सदर, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। मामले के अनुसार, 2 और 3 सितंबर की मध्यरात्रि पुलिस ने क्षेत्र में नाकाबंदी की थी। इस दौरान संदिग्ध वाहन की तलाशी लेने पर 11.38 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इस संबंध में थाना सदर में 3 सितंबर 2026 को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत एफआईआर संख्या 224/2026 दर्ज की गई। जांच के दौरान पुलिस ने ड्रग सप्लाई नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने के लिए तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ का सहारा लिया। पुलिस के अनुसार, जांच में आशीष कुमार की कथित संलिप्तता सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में सप्लाई चेन से जुड़े अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

फुलां चंदेल के निधन से शोक की लहर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचली लोक संस्कृति और लोक नृत्य के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाने वाली लोक नर्तकी फुलां चंदेल का शनिवार रात निधन हो गया। उनके निधन से मंडी सहित पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। वह कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं और पीजीआई में उनका उपचार चल रहा था। फुलां चंदेल ने हिमाचली लोक नृत्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके पूजा नृत्य और घट नृत्य को देश-विदेश में सराहना मिली। वह जीवनभर लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित रहीं। वरिष्ठ संस्कृति कर्मी कुलदीप गुलेरिया ने बताया कि माण्डव्य कला मंच के कलाकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कला प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने भी उनके निधन पर गहरा दुख जताते हुए श्रद्धांजलि दी। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत और सांस्कृतिक विरासत रहेगा।

34.5 ग्राम हेरोइन सहित पंजाब की महिला काबू

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज, सप्लाई नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही पुलिस



अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए नूरपुर की टीम ने डमटाल में एक महिला को 34.5 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया है। कार्रवाई एसपी नूरपुर इल्मा अफरोज के दिशा-निर्देशन में की गई।

पुलिस के अनुसार, सीआईए टीम क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों पर निगरानी के लिए गश्त कर रही थी। इसी दौरान हिल टॉप मंदिर, डमटाल के पास एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में मिली। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 34.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी महिला की पहचान सरबजीत कौर (43), पुत्री अमर सिंह, निवासी कोट खालसा के पास, अमृतसर, पंजाब के रूप में हुई है। एएसपी नूरपुर धर्म चंद वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि बरामद मादक पदार्थ को नियमानुसार कब्जे में लेकर आरोपी को पुलिस थाना डमटाल के सुपुर्द किया गया। महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-61-85 के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान बरामद हेरोइन की आपूर्ति से जुड़े संभावित फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मादक पदार्थ की आपूर्ति कहां से हुई और इसे आगे कहां पहुंचाया जाना था। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि उसके माता-पिता का निधन हो चुका है और उसने अभी तक विवाह नहीं किया है। उसने एक बड़ी बहन होने की जानकारी भी दी, जो उसके संपर्क में नहीं रहती। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पंजाब में एनडीपीएस एक्ट के तहत पूर्व में आठ मामले दर्ज हैं। इनमें से एक मामले में उसे सजा हो चुकी है और वह पूर्व में आठ वर्ष की सजा काट चुकी है। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में नशे की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए गश्त और चेकिंग लगातार जारी है। नशा तस्करी में संलिप्त अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

एमसीएम डीएवी कांगड़ा ने नगरोटा बगवां को 8 विकेट से हराया

96 रनों का लक्ष्य 10.2 ओवर में हासिल कर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा के मैदान में चल रही इंटर कॉलेज क्रिकेट चैंपियनशिप के सुपर नॉकआउट मुकाबले में शनिवार को मेजबान एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा ने गवर्नमेंट कॉलेज नगरोटा बगवां को 8 विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

मुकाबले में डीएवी कांगड़ा के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गवर्नमेंट कॉलेज नगरोटा बगवां की टीम डीएवी की कसी हुई गेंदबाजी के सामने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 95 रन ही बना सकी। कप्तान तनीष ने 31 गेंदों पर 3 चौकों व 2 छक्कों की मदद से 30 रन बनाए। सोनू चौधरी ने 19 और अनी धीमान ने 11 रन का योगदान दिया। डीएवी की ओर से अभिषेक, आर्य और तनीष ठाकुर ने 2-2 विकेट चटकाए, जबकि राहुल, बंश धीमान और सुकृत शर्मा को एक-एक विकेट मिला। 96 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीएवी कांगड़ा की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 10.2 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चिराज ने 31 गेंदों में 7 चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। सुकृत शर्मा ने 16 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 22 रन बनाए। कप्तान अरशद धीमान ने 13 गेंदों में 17 रन का योगदान दिया, जबकि बंश धीमान बिना खाता खोले नाबाद रहे। टीम को अतिरिक्त के रूप में 13 रन मिले। नगरोटा बगवां की ओर से सोनू चौधरी ने दो विकेट लिए, जबकि अन्य गेंदबाज विकेट हासिल नहीं कर सके। डीएवी कांगड़ा ने लक्ष्य आसानी से हासिल कर मुकाबला अपने नाम किया। इस अवसर पर कुलदीप चौधरी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के टूर्नामेंट ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। डीएवी कॉलेज कांगड़ा के प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। इस जीत के साथ एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा ने प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।



सिविल अस्पताल अर्की में आशा वर्कर्स को दी रेबीज से बचाव की दी जानकारी



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। विश्व रेबीज सप्ताह के अवसर पर सिविल अस्पताल अर्की में आशा कार्यकर्ताओं के लिए रेबीज जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

22 से 28 सितंबर तक मनाए जा रहे इस सप्ताह के तहत कार्यक्रम का आयोजन खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुक्ता रस्तोगी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विजय कुमार शांडिल, परामर्शदाता, एचआईवी परामर्श एवं परीक्षण सेवाएं, ने आशा कार्यकर्ताओं को रेबीज के संक्रमण, बचाव और रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संक्रमित पशु के काटने, खरोंचने अथवा उसकी लार के संपर्क में आने से रेबीज फैल सकता है। समय पर उपचार और टीकाकरण न मिलने पर यह जानलेवा हो सकता है। उन्होंने बताया कि पशु के काटने या खरोंचने पर घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से करीब 15 मिनट तक धोना चाहिए तथा बिना देरी स्वास्थ्य संस्थान पहुंचकर चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

जरूरत के अनुसार एंटी-रेबीज वैक्सीन और इम्यूनोग्लोबुलिन दिया जाता है। घाव पर मिर्च, तेल, मिट्टी या राख लगाने से बचने की सलाह दी गई। आशा कार्यकर्ताओं को समुदाय में जागरूकता फैलाने, संदिग्ध मामलों की सूचना देने और पालतू कुत्तों का नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करवाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने लोगों को रेबीज से बचाव के प्रति जागरूक करने का संकल्प भी लिया।

अर्की में छह दिन अलग-अलग क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। बिजली उपमंडल अर्की के 11 केवी फीडरों की आवश्यक मरम्मत तथा पेड़ों की टहनियों और झाड़ियों की कटिंग के चलते विभिन्न क्षेत्रों में छह दिनों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग के अनुसार संबंधित क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। 28 सितंबर को डूमेहर फीडर के पपलोटा, स्यारी, देवरा, घाट और जमना क्षेत्र, जबकि 29 सितंबर को रेहुटा फीडर के भलेड़, थला, सूरजपुर, पिपलुघाट, कुलावन और भेल में बिजली बंद रहेगी। 1 अक्तूबर को सानन, सेरी व शिवघाटी, 3 अक्तूबर को खाली, चंदपुर व कुलावन, 5 अक्तूबर को पपलोटा, बनोह, कोट व डूमेहर तथा 6 अक्तूबर को बणिया देवी, घरनो, दीदू, बौहड़ा व शेरपुर में आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता नीरज कुमार कटना ने लोगों से सहयोग की अपील की है।

सुविधा आठ बसों की क्षमता, ईवी चार्जिंग स्टेशन और आधुनिक यात्री सुविधाओं से होगा सुसज्जित

मंडी-भराड़ी में 3.25 करोड़ से बन रहा अत्याधुनिक बस स्टैंड

अमर सिंह ठाकरु, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले के मंडी-भराड़ी में यात्रियों को सुरक्षित, सुगम व आधुनिक परिवहन सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से अत्याधुनिक बस स्टैंड का निर्माण किया जा रहा है। करीब 3.25 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की जा रही इस परियोजना के लिए लगभग 1.17 बीघा भूमि उपलब्ध करवाई गई है। बस स्टैंड को 31 दिसंबर, 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मंडी-भराड़ी अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण ट्रांजिट प्वाइंट और परिवहन जंक्शन है। यहां चंडीगढ़-कीरतपुर-मनाली फोरलेन और शिमला-धर्मशाला फोरलेन आपस में जुड़ते हैं। प्रतिदिन सैकड़ों बसों के माध्यम से यात्री प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए आवागमन करते हैं। बिलासपुर शहर से करीब 16 किलोमीटर दूर होने के कारण भी यह स्थान यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है।



यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

वर्तमान में मंडी-भराड़ी में यात्रियों के बैठने, पेयजल और शौचालय जैसी पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। नालागढ़ निवासी खुशी, बिलासपुर निवासी शाहरुख और सुंदरनगर निवासी राकेश कुमार ने बताया कि यात्रियों को गर्मी, ठंड और बारिश के दौरान खुले में बसों का इंतजार करना पड़ता है। नए बस स्टैंड के निर्माण से इन समस्याओं से राहत मिलने की उम्मीद है। नए बस स्टैंड में एक समय में करीब आठ बसों के खड़े होने की व्यवस्था होगी। बसें अल्प अवधि के लिए यहां रुकेंगी और यात्रियों के चढ़ने-उतरने के बाद अपने गंतव्य की ओर रवाना होंगी। इससे बस संचालन व्यवस्थित होने के साथ यातायात प्रबंधन में भी सुधार होगा।

ईवी चार्जिंग स्टेशन को भी मिलेगी जगह

'ग्रीन हिमाचल' की अवधारणा के तहत बस स्टैंड परिसर में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया जाएगा। इससे ई-बसों और अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। परिसर में यात्रियों की सुविधा के लिए फूड कोर्ट, टिकट बुकिंग एवं पूछताछ कार्यालय, विश्राम कक्ष और शौचालयों की व्यवस्था होगी। ग्राउंड फ्लोर पर टिकट बुकिंग और पूछताछ कार्यालय, प्रथम तल पर फूड कोर्ट तथा बस चालकों के विश्राम कक्ष और द्वितीय तल पर एचआरटीसी कार्यालय, स्टाफ एवं चालकों के लिए कमरे बनाए जाएंगे। शीर्ष तल पर विस्तृत फूड कोर्ट संचालित किया जाएगा। मंडलीय प्रबंधक एचआरटीसी बिलासपुर विवेक लखनपाल ने कहा कि यह बस स्टैंड आधुनिक यात्री सुविधाओं, बेहतर बस संचालन और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था का समन्वित मॉडल होगा। परियोजना को दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने कहा कि मंडी-भराड़ी जिले का महत्वपूर्ण स्थान है। प्रशासन इसे बेहतर पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। आधुनिक बस स्टैंड बनने से यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी और जलक्रीड़ा सहित अन्य साहसिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

बाल विज्ञान कांग्रेस में लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल का शानदार प्रदर्शन



भरतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दाड़लाघाट में आयोजित अर्की उपमंडल स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल मंज्याट के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अर्की उपमंडल के 74 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया।

विद्यालय की कक्षा आठवीं की छात्रा आरवी ने जूनियर साइंस एक्टिविटी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ आरवी ने आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है। आरवी की इस सफलता से विद्यालय में खुशी का माहौल है। वहीं, कक्षा आठवीं की छात्रा कल्पिता ने जूनियर मैथ्स ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। दोनों छात्राओं की उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और अभिभावकों में खुशी है।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. कुसुम गुप्ता और चेयरमैन डॉ. प्रेम लाल गुप्ता ने आरवी और कल्पिता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सफलता उनकी मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय परिवार ने दोनों छात्राओं के अभिभावकों और मार्गदर्शक शिक्षकों को भी बधाई दी। प्रधानाचार्या एवं चेयरमैन ने आरवी को जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

पाउला बडोसा का खूबसूरत अंदाज

स्पेन। पाउला बडोसा स्पेन की प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 15 नवंबर 1997 को न्यूयॉर्क में हुआ था। उन्होंने जूनियर स्तर पर फ्रेंच ओपन खिताब जीता।



एशियन गेम्स : भारत को स्क्वॉश में 2 सिल्वर

अभय को मलेशिया के एनजी एइन योव और अनाहत को मलेशिया की ही सुब्रमणियम ने हराया

एजेंसी, नागोया



भारत ने एशियन गेम्स में रविवार को 2 सिल्वर मेडल जीते। रविवार को अभय सिंह और अनाहत सिंह स्क्वॉश में अपने-अपने फाइनल मैच हार गए। अभय सिंह को मेंस सिंगल्स के फाइनल में मलेशिया के एनजी एइन योव ने 3-0 से हराया, जबकि अनाहत को मलेशिया की सिवासंगरी सुब्रमणियम ने 3-0 से मात दी।

सिवासंगरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 3-0 से जीतकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अनाहत को सिल्वर मिला। सिवासंगरी ने तीनों गेम 11-4, 11-4, 11-4 से जीते। अनाहत ने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-6 सातोमी वतनाबे को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने एशियन गेम्स में भारत को महिला सिंगल्स का सिल्वर दिलाया। सिवासंगरी ने गोल्ड जीतने के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया।

अनाहत ने भारत को दिन का दूसरा मेडल दिलाया है। उसके कुल मेडल की संख्या 32 पहुंच गई है। इनमें 4 गोल्ड, 14 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इंडिया 12वें स्थान पर आ गया है।

महिला 200 मी. में हरिता को कांस्य पदक



भारत की हरिता भद्रा ने महिला 200 मीटर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। 23 वर्षीय हरिता ने रेस में दमदार प्रदर्शन किया और खासकर आखिरी चरण में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए पदक हासिल किया। उनका यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए अहम उपलब्धि है। महिलाओं की 200 मीटर फाइनल में उन्नति अयप्पा बोलैंड छठे स्थान पर रहीं।

मुक्केबाजी में नरेंद्र बेरवाल ने क्वार्टर फाइनल मैच जीता



भारत के मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने एशियन गेम्स में पुरुषों के +90 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में शानदार जीत दर्ज करते हुए देश के लिए एक और पदक पक्का कर दिया है। नरेंद्र ने थाईलैंड के अदथापोंग सेंगटेप को रेफरी स्टॉप कॉन्टेस्ट के जरिए हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ नरेंद्र ने भारत के लिए एशियन गेम्स में मुक्केबाजी का एक और पदक सुनिश्चित कर दिया है।

महिला लांग जंप में एंसी सोजन ने जीता सिल्वर

एजेंसी, नागोया। एशियन गेम्स में रविवार को एंसी सोजन ने महिला लॉन्ग जंप में 6.55 मीटर की छलांग लगाकर भारत के लिए सिल्वर हासिल किया। तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में 7934 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।



डेकाथलॉन में कुल 10 इवेंट होते हैं। इनमें 100 मीटर, 400 मीटर और 1500 मीटर दौड़, 110 मीटर हर्डल्स रेस, हाई जंप, लॉन्ग जंप, पोल वॉल्ट, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो और जैवलिन थ्रो शामिल हैं। वहीं, पारुल चौधरी ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में ब्रॉन्ज जीता। उन्होंने 9 मिनट 8.67 सेकेंड में रेस पूरी की।

हरिता भद्रा ने महिला 200 मीटर में 23.20 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज जीता। बॉक्सिंग में अंकुश पंघाल और परवीन हुड्डा ने क्वार्टर फाइनल जीतकर 2 और मेडल पक्के किए। अंकुश ने मेंस 80 किग्रा में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव और परवीन ने महिला 65 किग्रा में उज्बेकिस्तान की नवबहोर खामिदोवा को 5-0 से हराया। 8वें दिन भारत ने अब तक 6 मेडल जीते हैं। इसके साथ भारत के कुल 36 मेडल हो गए हैं। इनमें 4 गोल्ड, 15 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम आज खेलेगी अपना पहला मैच

एजेंसी, नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मेंस क्रिकेट टीम सोमवार को अफगानिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। आइची-नागोया में मुकाबले से एक दिन पहले रविवार को भारतीय टीम ने प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी समेत टीम के खिलाड़ी ट्रेनिंग करते नजर आए। रविवार के ट्रेनिंग सेशन में लेफ्ट आर्म पेसर अर्शदीप सिंह, ऑलराउंडर शिवम दुबे, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन, कप्तान श्रेयस अय्यर और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अभ्यास किया। टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले की तैयारी की। भारतीय महिला क्रिकेट टीम पहले ही गोल्ड मेडल जीत चुकी है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। अब मेंस टीम की नजर भी गोल्ड पर होगी। भारत मेंस और वुमेन्स क्रिकेट में गोल्ड जीतता है तो एशियन गेम्स के एक संस्करण में क्रिकेट के दोनों गोल्ड उसके नाम होंगे। हांगझू एशियन गेम्स में भारतीय मेंस टीम ने ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में गोल्ड मेडल जीता था। अफगानिस्तान के खिलाफ फाइनल बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका था। भारत बेहतर सीडिंग के आधार पर चैंपियन बना था। उस टीम के कई खिलाड़ी बाद में भारत की टी-20 वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा बने।

श्रीशंकर, पुत्तुराज, संतोष, विथ्या अनु एथलेटिक्स फाइनल में पहुंचे

एजेंसी, नागोया। लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर और डेविड पुत्तुराज सोलोमन, 400 मीटर बाधा दौड़ में संतोष तमिलरसन, विथ्या रामराज और अनु राघवन ने एशियाई खेलों में अपनी अपनी स्पर्धाओं के फाइनल में प्रवेश कर लिया। श्रीशंकर ने क्वालीफिकेशन में 7. 84 मीटर की कूद लगाई और दूसरे स्थान पर रहे जबकि पुत्तुराज 7. 62 मीटर के प्रयास के साथ सातवें स्थान पर रहे। दोनों ने पुरुषों की लंबी कूद के फाइनल में जगह बना ली। पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में संतोष पहली हीट में 49.61 सेकंड का समय निकालकर दूसरे स्थान पर रहे और फाइनल में पहुंचे। यशास पालाक्षा दूसरी हीट में पहली बाधा पार करने से पहले ही रूक गए और रेस पूरी नहीं कर सके। भारतीय महिलायें अपनी अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद 400 मीटर बाधा दौड़ फाइनल में पहुंच गई। विथ्या ने 55. 73 सेकंड का समय निकाला जबकि अनु ने 55. 84 सेकंड में दूरी तय की। पुरुषों के डेकाथलन में तेजस्विन शंकर 6571 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं जबकि दो स्पर्धायें बाकी हैं। महिलाओं की 200 किलोमीटर पैदल चाल फाइनल में मंजू रानी एक घंटा 40 मिनट 17 सेकंड का समय निकालकर छठे स्थान पर रही जबकि प्रियंका अयोग्य करार दी गई।

एशियाई खेलों में भारतीय बॉक्सर अंकुश पंघाल ने पदक किया पक्का

एजेंसी, नागोया। भारतीय मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने मुक्केबाजी में देश के लिए एक पदक पक्का कर लिया है। पंघाल ने आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने रविवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलिमोव को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हरा दिया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) मीडिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि 'एशियाई खेल बॉक्सिंग (पुरुषों का 80 किग्रा-क्वार्टर फाइनल) में अंकुश ने ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलिमोव को 5-0 (सर्वसम्मत फैसले) से हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे भारत के लिए एक पदक पक्का हो गया। अंकुश का सेमीफाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 11 बजे (भारतीय समयानुसार) होगा। हरियाणा के अंकुश ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और सलिमोव पर लगातार दबाव बनाए रखा। ताजिकिस्तानी मुक्केबाज ने जवाबी हमले की कोशिश की, लेकिन अंकुश की गति और सटीक पंचों के सामने वह प्रभावी नहीं दिखे। पहले राउंड में पांचों जजों ने अंकुश के पक्ष में फैसला दिया। दूसरे राउंड में भी अंकुश ने अपनी तेज-तर्रार शैली जारी रखी। उन्होंने लगातार आक्रमण करते हुए सलिमोव को कई प्रभावी पंच लगाए और यह राउंड भी अपने नाम किया।

भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें सेमीफाइनल में

एजेंसी, नागोया। भारत की पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने रविवार को जारी एशियन गेम्स 2026 में अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली। पुरुष टीम में साहिल जाधव, गणेश मणिरत्नम और कुशल दलाल की तिकड़ी ने भूटान को बेहद करीबी मुकाबले में 235-232 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में सामना दक्षिण कोरिया से होगा। महिला टीम में चिकिता तनीपार्थी, ज्योति सुरेखा वेन्नम और पृथिका प्रदीप ने कजाकिस्तान को 233-230 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उसका सामना दक्षिण कोरिया से होगा। क्वार्टर फाइनल में भारतीय महिला टीम छह तीरों के पहले सेट के बाद पीछे चल रही थी, लेकिन खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए कजाकिस्तान को तीन अंकों के मामूली अंतर से मात दी। इससे पहले पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के मुकाबले में यूएई के खिलाफ 235-215 से शानदार जीत दर्ज की थी। वहीं, महिला टीम ने मंगोलिया के खिलाफ और भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए 238-223 से जीत हासिल की थी।

चेस ओलंपियाड : उज्बेकिस्तान-2 को भारत ने 3.5-0.5 से हराया

एजेंसी, समरकंद



उज्बेकिस्तान में चल रहे 46वें चेस ओलंपियाड के 10वें राउंड में भारतीय मेंस टीम ने उज्बेकिस्तान-2 को 3.5-0.5 से हराया। इस जीत के साथ भारत पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। अब टूर्नामेंट में एक राउंड बाकी है। भारत के 17 पॉइंट्स हैं, जबकि उज्बेकिस्तान 18 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है।

आखिरी राउंड में भारत का सामना हंगरी से होगा, जबकि उज्बेकिस्तान की टीम यूक्रेन से खेलेगी। भारत के लिए वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश, आर. प्रज्ञानानंद और निहाल सरीन ने जीत दर्ज की। अर्जुन एरिगैसी का मुकाबला ड्रॉ रहा।

प्रज्ञानानंद, निहाल और गुकेश ने जीत दिलाई

आर. प्रज्ञानानंद ने जाखोंगीर वाहिदोव को हराया। दोनों के बीच मुकाबला आखिरी चरण तक पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों के पास राजा और हाथी बचे थे। प्रज्ञानानंद ने बेहतर खेल दिखाते हुए बाजी अपने नाम कर ली। प्रज्ञानानंद ने यहां बेहतर खेल दिखाया और वाहिदोव को मात दी। अर्जुन एरिगैसी और अब्दिमालिक अब्दिसालिमोव का मुकाबला ड्रॉ रहा। अर्जुन के पास स्थिति को अपने पक्ष में करने के मौके थे, लेकिन वह जीत हासिल नहीं कर सके। निहाल सरीन ने मुहम्मदजोखिद सुयारोव को हराया। निहाल ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। उन्होंने सुयारोव की गलती का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम किया। डी गुकेश ने ओर्तिक निगमातोव को हराया।

बैडमिंटन में पीवी सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारीं



एजेंसी, नागोया। जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियाई खेलों में रविवार को भारत को बैडमिंटन में निराशा हाथ लगी। महिला एकल में दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधु कड़े मुकाबले में हार गईं, जबकि युवा खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। महिला युगल और मिश्रित युगल में भी भारत को हार मिली। बैडमिंटन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु चीन की चेन यू फेई से कड़े मुकाबले में 21-11, 18-21, 10-21 से हार गईं। मुकाबले में सिंधु ने शानदार शुरुआत की और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में चेन यू फेई ने जोरदार वापसी की। दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन चीनी खिलाड़ी ने 21-18 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में चेन ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी और 21-10 से गेम जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। सिंधु ने एशियाई खेलों के इस संस्करण में राउंड ऑफ 32 में चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियान को 21-19, 21-14 से हराया था। इसके बाद उन्होंने राउंड ऑफ 16 में जापान की टोमोका मियाजाकी को 21-9, 21-13 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। सिंधु ने एशियाई खेलों में अब तक दो पदक जीते हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ कुलदीप ने लिए 4 विकेट

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम



वेस्टइंडीज ने पहले वनडे में भारत को 296 रन का टारगेट दिया है। तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 295 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स ने 108 गेंदों पर 101 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि जॉन कैंपबेल ने 62 और आमिर जंगू ने नाबाद 58 रन बनाए। 47.5 ओवर में गुरनूर बराड़ की गेंद पर आमिर जंगू ने काउ कॉर्नर की ओर फ्लिक कर एक रन लिया और 38 गेंदों में शानदार अर्धशतक पूरा किया। उनकी पारी ने वेस्टइंडीज को मुकाबले में बनाए रखा है। जंगू की यह दूसरी वनडे फिफ्टी है। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने 4 विकेट लिए। नमन धीर ने इस मुकाबले से वनडे डेब्यू किया।

कुलदीप को लगातार दो बॉल पर दो विकेट

36वें ओवर में कुलदीप यादव ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज को बैकफुट पर धकेल दिया। ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने शतक लगाने के तुरंत बाद जस्टिन ग्रीव्स को LBW आउट किया। ग्रीव्स ने 108 गेंदों पर 101 रन बनाए, जिसमें 12 चौके शामिल रहे। इसके बाद चौथी गेंद पर कुलदीप ने ज्वेल एंड्रयू को भी पवेलियन भेज दिया।

नेपाल में फिर बाढ़-लैंडस्लाइड, 6 की मौत

घर-पुल बहे, हाईवे बंद; एक महीने पहले आई बाढ़ में हुई थीं 1453 मौतें

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में लगातार बारिश के बीच बाढ़ और भूस्खलन से हालात बिगड़ गए हैं। अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। बागलुंग जिले में भूस्खलन से एक घर मलबे में दब गया। हादसे में एक महिला और उसके तीन बेटों की मौत हो गई। पाल्पा जिले में 2 लोग मारे गए हैं। वहीं, बाढ़ और भूस्खलन से कई घर और पुल बह गए हैं। कई जगह हाईवे बंद होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। बुटवल में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 1,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ में 1453 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5500 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। लगातार बारिश के कारण नेपाल की कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। देवघाट में नारायणी नदी रविवार सुबह 7:45 बजे 11 मीटर पर बह रही थी। यह खतरे के निशान से 2 मीटर ऊपर है। अधिकारियों ने नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका जताई थी। बुटवल में बाढ़ के खतरे को देखते हुए करीब 200 परिवारों को उनके घरों से हटाया गया। कई इलाकों में बाढ़ का पानी भरने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है।



हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बंद, फसलों को भारी नुकसान

बाढ़ का असर बिजली उत्पादन पर भी पड़ा है। कई हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में बिजली उत्पादन रोकना पड़ा है। इनमें 140 मेगावाट का कालीगंडकी, 25 मेगावाट का अपर मादी, 44 मेगावाट का सुपर मादी, 20 मेगावाट का नामार्जुन मादी और 40 मेगावाट का सेती रिवर प्रोजेक्ट शामिल हैं। 220 किलोवोल्ट की कालीगंडकी कॉरिडोर ट्रांसमिशन लाइन के दो टावर गिर गए हैं। कई जगहों पर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन लाइनों को भी नुकसान पहुंचा है। कई इलाकों में खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान पहुंचा है।

कांगो में 50 से ज्यादा लोगों को ले जा रही नाव पलटी, 12 की मौत

एजेंसी, कांगो



पूर्वी कांगो में रविवार को बड़ा नाव हादसा हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, लेक किवु में व्यापारियों को लेकर जा रही एक नाव शनिवार रात पलट गई। हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। किस्केहे गांव के प्रमुख फेलिक्स हाबिरागी के अनुसार, नाव में 50 से अधिक लोग सवार थे। यह हादसा दक्षिण किवु प्रांत के इदज्वी क्षेत्र में हुआ। हादसे के बाद इलाके में राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। स्थानीय अधिकारी ने बताया कि हादसे के बाद करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। हालांकि, बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

हादसे की वजह नहीं मालूम

अधिकारियों ने बताया कि नाव आखिर किस वजह से पलटी, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है। हादसे की जांच की जा रही है। लेक किवु में इससे पहले भी नाव दुर्घटनाएं सामने आती रही हैं, जिनमें अधिक भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सितंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजार से निकाले 31,464 करोड़

एजेंसी, मुंबई

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से 31,464 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इससे पहले लगातार तीन महीनों तक एफपीआई भारतीय बाजार में शुद्ध रूप से खरीदार रहे थे। अगस्त में उन्होंने 25,492 करोड़ रुपये, जुलाई में 40,030.73 करोड़ रुपये और जून में 4,668.86 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। सितंबर में रुख बदलने के बाद बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली पर नजर बनी हुई है।

केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में अब तक एफपीआई ने शेयर बाजार में 17,131 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। हालांकि, डेट यानी ऋण प्रतिभूतियों में उनका निवेश सकारात्मक रहा है। एफपीआई ने इस महीने डेट में 12,295 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। वहीं, हाइब्रिड उपकरणों से उन्होंने 2,275 करोड़ रुपये की निकासी की है। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 238 करोड़ रुपये बढ़ा है।



2026 में एफपीआई ने अब तक निकाले 1.78 लाख करोड़ रुपए

एफपीआई की शुद्ध निकासी का अर्थ बाजार में उनके द्वारा लगाई गई कुल पूंजी और बाजार से निकाली गई राशि के बीच का अंतर है। आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में विदेशी निवेशकों की गतिविधियां अलग-अलग निवेश माध्यमों में एक जैसी नहीं रही हैं।

पर्यटन डिजिटल तकनीक और एआई से बदल रहा भारत का पर्यटन क्षेत्र

घरेलू पर्यटन में चार साल में छह गुना बढ़ोतरी

एजेंसी, मुंबई



ई-वीजा से आसान हुई विदेशी पर्यटकों की भारत यात्रा

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सरकार ने देश में तेजी से विकसित हो रहे पर्यटन क्षेत्र और उसमें डिजिटल तकनीक तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। सरकार के अनुसार पर्यटन अब केवल यात्रा और मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, रोजगार और विदेशी मुद्रा आय का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। वर्ष 2023-24 में पर्यटन क्षेत्र का देश के सकल घरेलू उत्पाद में 5.22 प्रतिशत योगदान रहा और इससे 8.46 करोड़ लोगों को रोजगार मिला। सरकार का कहना है कि डिजिटल पर्यटन तंत्र के विस्तार के साथ आने वाले समय में इस क्षेत्र की भूमिका और बढ़ सकती है।

पर्यटन दिवस पर इस वर्ष की थीम डिजिटल एजेंडा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से पर्यटन को नया स्वरूप देने पर केंद्रित है। पिछले कुछ वर्षों में देश में पर्यटन गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

पर्यटन सेवाओं को एक मंच पर लाया

वर्ष 2021 में घरेलू पर्यटकों की संख्या 67.7 करोड़ थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 428.55 करोड़ हो गई। इसी अवधि में विदेशी पर्यटकों की संख्या भी एक करोड़ से बढ़कर 2.53 करोड़ हो गई। पर्यटन से प्राप्त विदेशी मुद्रा आय वर्ष 2021 में 63,978 करोड़ रुपये थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 2,76,831 करोड़ रुपये हो गई।

सरकार के अनुसार डिजिटल सुविधाओं ने यात्रियों के लिए पर्यटन स्थलों की जानकारी प्राप्त करने, यात्रा की योजना बनाने और विभिन्न सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाया है। भारत की इलेक्ट्रॉनिक वीजा सुविधा का विस्तार भी इसी दिशा में हुआ है। वर्ष 2014 में 43 देशों के नागरिकों के लिए शुरू की गई यह सुविधा अब 172 देशों तक पहुंच गई है। इसके तहत 88 अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों से प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में लगभग 78 प्रतिशत वीजा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जारी किए जा रहे हैं, जबकि करीब 95 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक वीजा आवेदनों का निपटारा 72 घंटे के भीतर हो जाता है।

सरकार ने पर्यटन संबंधी जानकारी को एक स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए 'इनक्रेडिबल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म' को भी बेहतर बनाया है।